RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 4 अंक 96
फरीदाबाद, बुधवार, 12 मई, 2021
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

कोरोना वायरस वैक्सीन
पेज - 12

बाजार

सेंसेक्स	49,161	▼	340.6
निफ्टी	14,850	▼	91.6
सोना	47,308	▼	212 /10 gm
चांदी	70,646	▼	973/ kg

मौसम फरीदाबाद
अधिकतम 39.08°C
न्यूनतम 26.02°C

क्विक न्यूज

चारधाम राजमार्ग परियोजना पर सुनवाई शुक्रवार को

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि चारधाम राजमार्ग चौड़ीकरण से जुड़े मामलों पर वह 14 मई, शुक्रवार को सुनवाई करेगा। इससे पहले केंद्र ने कोर्ट को बताया था कि चूंकि यह राजमार्ग चीन की सीमा तक जाता है, ऐसे में यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मामला है। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण 900 किलोमीटर लंबी राजमार्ग परियोजना का लक्ष्य उत्तराखंड स्थित चार धाम बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री को सभी मौसमों में जोड़े रखना है।

जम्मू कश्मीर में मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में मंगलवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकी मारे गए। पुलिस ने बताया कि सुरक्षाबलों ने जिले में कोमेरनाग के वाइलू में आतंवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद इलाके को घेर लिया और तलाशी अभियान चलाया था। मारे गए आतंकियों की पहचान इलियास अहमद डार उर्फ समीर, उबैद शफी उर्फ अब्दुल्ला और आकिब अहमद लोन उर्फ साहिल के रूप में की गई है।

गाजीपुर में गंगा घाट पर मिलीं 52 लाशें

गाजीपुर (यूपी)। बिहार के बक्सर में गंगा किनारे मिलीं लाशों की गिनती अभी पूरी भी नहीं हुई थी कि यूपी के गाजीपुर में भी गंगा घाट पर महज 800 मीटर की दूरी में 52 लाशें मिलीं हैं। दो दिन के अंदर करीब 110 लाशें बरामद हो चुकी हैं। उधर, बलिया में भी गंगा किनारे 12 से ज्यादा लाशें मिलीं हैं। अब आशंका ये भी जताई जा रही है कि बक्सर में मिली लाशें भी यूपी से ही बहकर गई हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि गंगा गाजीपुर और बलिया से होते हुए ही बक्सर तक जाती है। स्थानीय लोग बताते हैं कि सोमवार रात से प्रशासन ने 80 से 85 शवों को गंगा किनारे दफनाया है। हालांकि, प्रशासन इनकी संख्या 24 बता रहा है।

पुरुषों की विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 26 अक्टूबर से

लुसाने। पुरुषों की विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 26 अक्टूबर से छह नवंबर के बीच सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में आयोजित की जाएगी। अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (एआईबीए) ने मंगलवार को यह घोषणा की। पहले यह प्रतियोगिता भारत में होनी थी, लेकिन पिछले साल मेजबानी शुल्क का भुगतान करने में असफल रहने के बाद उसने मेजबानी के अधिकार गंवा दिए थे। इसके बाद एआईबीए ने सर्बिया को मेजबानी सौंप दी थी।

आरटी-पीसीआर टेस्ट शर्तों में बदलाव

एक से दूसरे राज्य जाने को जरूरी नहीं आरटी-पीसीआर

पांच दिन तक बुखार नहीं आया तो बिना टेस्ट के डिस्चार्ज होंगे कोरोना मरीज

एजेंसी। नई दिल्ली

देश में कोरोना की दूसरी लहर के बीच देश के 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में नए केस कम हो रहे हैं। इस वजह से केंद्र सरकार ने नियमों में छूट देना शुरू कर दिया है। सरकार ने मंगलवार को टेस्टिंग से जुड़ी शर्तों में कुछ बदलाव किए। इसके मुताबिक, अब एक से दूसरे राज्य में जाने से पहले आरटी-पीसीआर टेस्ट कराना जरूरी नहीं होगा। मामले बढ़ने के साथ ही कई राज्यों में अपने यहां आने के लिए कोरोना टेस्ट की निगेटिव रिपोर्ट जरूरी कर दी थी। इसके अलावा नई गाइडलाइन के मुताबिक, अगर मरीज को पांच दिन से बुखार नहीं है तो उसे हॉस्पिटल से डिस्चार्ज करने से पहले भी आरटी-पीसीआर टेस्ट करने की जरूरत नहीं होगी।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि देश के 18 राज्यों में नाइट कर्फ्यू-लॉकडाउन जैसी पाबंदियों से मामले घटने लगे हैं। हालांकि 16 राज्यों में कोरोना के मामलों में निरंतर बढ़ोतरी भी हो रही है जो कि चिंता का विषय है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड, तेलंगाना, चंडीगढ़, लद्दाख, दमन और दीव, लक्षद्वीप, अंडमान और निकोबार, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, आंध्रप्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, छत्तीसगढ़, बिहार और गुजरात में प्रतिदिन कोरोना के नए मामलों में निरंतर कमी आ रही है।

वहीं मंत्रालय के अनुसार कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, पंजाब, असम, जम्मू-कश्मीर, गोवा, हिमाचल प्रदेश, पुदुचेरी, मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश में प्रतिदिन नए मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि देश में 13 राज्य ऐसे हैं जहां एक लाख से भी ज्यादा सक्रिय मामले हैं। छह राज्यों में 50,000 से एक लाख के बीच सक्रिय मामलों की संख्या बनी हुई है। 17 राज्य ऐसे हैं जहां 50,000 से कम सक्रिय मामलों की संख्या है।

देश में कोरोना पॉजिटिविटी दर 21 फीसद

आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. बलराम भार्गव ने बताया कि देश में कोरोना पॉजिटिविटी दर 21 फीसदी हो गई है। उन्होंने कहा कि 30 अप्रैल, 2021 को 19,45,299 परीक्षण किए गए, जो दुनिया में अब तक के सबसे अधिक हैं। भार्गव ने कहा कि सभी सरकारी और निजी स्वास्थ्य सुविधाओं में रैपिड एंटीजन टेस्ट (आरएटी) की अनुमति होनी चाहिए इसके लिए किसी भी मान्यता की आवश्यकता नहीं है। घर-आधारित परीक्षण पर भी हम लोग विचार कर रहे हैं।

24 घंटे में 3.29 लाख संक्रमित मिले

स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में बीते 24 घंटों में 3,29,942 नए कोरोना मरीज मिल हैं। इसके साथ ही देश में कुल संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 2,29,92,517 पहुंच गई है। वहीं देश में लगातार दूसरे दिन 3,876 लोगों ने दम तोड़ा है। इसके साथ कोविड से मरने वालों की संख्या 2,49,992 पहुंच गई। मंगलवार को मिले संक्रमित मरीजों की संख्या पिछले 15 दिन में सबसे कम है। इससे पहले 26 अप्रैल को 3.19 लाख केस सामने आए थे।

तेलंगाना में आज से 10 दिन का लॉकडाउन

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार ने कोरोना के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए मंगलवार को राज्य में 12 मई से 10 दिन का लॉकडाउन लगाने का फैसला किया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार राज्य मंत्रिमंडल ने 12 मई (बुधवार) सुबह 10 बजे से अगले 10 दिनों के लिए लॉकडाउन लगाने का निर्णय लिया है। हालांकि सुबह छह बजे से सुबह 10 बजे तक सभी दैनिक गतिविधियों में छूट रहेगी। सोमवार को तेलंगाना में कोविड-19 के 4,826 नए मामले सामने आए, जिसके बाद संक्रमितों की कुल संख्या 50 हजार से अधिक हो गई, वहीं संक्रमण से 35 और लोगों की मौत होने से मृतक संख्या बढ़कर 2,771 हो गई।

डब्ल्यूएचओ कोविड के इलाज में आइवरमेक्टीन के इस्तेमाल के खिलाफ

नई दिल्ली। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) ने कोविड मरीजों के इलाज के लिए आइवरमेक्टीन के इस्तेमाल पर चेतावनी दी है। स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि किसी नए लक्षण के लिए किसी दवा के इस्तेमाल के दौरान सुरक्षा और उसका प्रभाव बेहद महत्वपूर्ण होता है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि वह क्लिनिकल ट्रायल के अलावा आइवरमेक्टीन के जनरल इस्तेमाल के खिलाफ है। एक दिन पहले सोमवार को ही गोवा सरकार ने कोविड संक्रमण रोकने के लिए वयस्कों पर इस दवा के इस्तेमाल को मंजूरी दी है। डब्ल्यूएचओ की चीफ साइंटिस्ट सौम्या स्वामीनाथन ने मंगलवार को आइवरमेक्टीन के इस्तेमाल को लेकर ट्वीट किया है। इससे पहले मार्च में डब्ल्यूएचओ ने कहा था कि इस दवा से मौतें कम होने या अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत कम पड़ने के सबूत मिलने की संभावना काफी कम है।

कोरोना से ठीक होने के बाद तिहाड़ भेजा गया छोटा राजन

नई दिल्ली। कोविड-19 से पूरी तरह ठीक होने के बाद अंडरवर्ल्ड के कुख्यात गैंगस्टर छोटा राजन को तिहाड़ जेल वापस भेज दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि राजन को मंगलवार को एम्स से छुट्टी मिली, जिसके बाद उसे दोबारा तिहाड़ जेल भेज दिया गया। छोटा राजन 22 अप्रैल को कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया था, जिसके बाद उसे 24 अप्रैल को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया था। राजन के 2015 में इंडोनेशिया से प्रत्यर्पण के बाद उसे तिहाड़ जेल के उच्च सुरक्षा कारागार में रखा गया है।

कार्गो जहाज से भुवनेश्वर गए दो टैंकर हरियाणा के लिए लाएंगे ऑक्सीजन

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने मंगलवार को चंडीगढ़ स्थित अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डे से ऑक्सीजन सप्लाई लाने के लिए दो टैंकर कार्गो जहाज से रवाना किए। इस जहाज से ये टैंकर भुवनेश्वर भेजे गए हैं, जिनमें लगभग 45 टन ऑक्सीजन आएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि रोजाना हवाई जहाज से ऑक्सीजन सप्लाई के लिए टैंकर भेजे जा रहे हैं, ताकि सप्लाई जल्द आ सके और प्रदेश में कोविड मरीजों को किसी प्रकार की दिक्कतें न हों। यह टैंकर उड़ीसा के टाटा स्टील प्लांट से लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन सप्लाई लेकर अगले दिन वापस आएंगे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में राउरकेला, जामनगर, अंगुल आदि कई स्थानों से मेडिकल ऑक्सीजन की सप्लाई रेल एवं हवाई मार्ग से आ रही है। अब तक हवाई जहाज ने 19 फेरे लगाए हैं तथा 36 टैंकरों के माध्यम से 436 मीट्रिक टन मेडिकल ऑक्सीजन सप्लाई हुई है। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन सप्लाई बिना किसी बाधा के सभी जिलों में मरीजों को समय पर उपलब्ध करवाई जा रही है। इस प्रकार, मानव जीवन को बचाने के लिए सरकार की ओर से बेहतर पहल की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय वायुसेना कोविड महामारी के दौरान सराहनीय कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने हवाई अड्डे पर वायुसेना के अधिकारियों से बातचीत की और संकट की इस घड़ी में सराहनीय कार्य करने पर उनका हौसला बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के पानीपत और हिसार में 500-500 बेड के अस्पताल तैयार किए जा रहे हैं। इस कार्य में भी सेना का सहयोग लिया जा रहा है। इसके अलावा, प्रदेश के सभी जिलों में बेड की संख्या बढ़ाई जा रही है। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश में ऑक्सीजन सप्लाई सुचारू है तथा सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। इस दौरान 12वीं एयर विंग के कमांडर तेजबीर सिंह, चीफ ऑपरेटिव ऑफिसर, चीफ एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर, चीफ इंजीनियरिंग ऑफिसर, मुख्यमंत्री के एडवाईजर एके राव तथा कैप्टन राजेश सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट चंडीगढ़ पर ऑक्सीजन सप्लाई के लिए टैंकर रवाना करने से पहले एयर विंग के कमांडर तेजबीर सिंह से बातचीत करते सीएम मनोहर लाल खट्टर।

प्रदेश सरकार ने तय किए कोरोना दवाओं के दाम

हरियाणा सरकार ने कोरोना उपचार के दौरान इस्तेमाल होने वाली दवाइयों की कालाबाजारी को रोकने के दवाओं के दाम तय कर दिए हैं। सरकार द्वारा तय किए गए दामों को जहां प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों के माध्यम से सार्वजनिक किया जाएगा। वहीं अब इससे अधिक दाम वसूलने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। सरकार ने प्रदेश के सभी जिला उपायुक्तों को यह रेट भेजते हुए निर्देश दिए हैं कि इससे अधिक दाम वसूलने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इसके लिए उपमंडल अधिकारियों, सिविल सर्जनों तथा दवा नियंत्रण अधिकारियों को अधिकृत किया गया है। सरकार के अनुसार हरियाणा में 100 एमजी डोक्सीसिक्लिन की एक गोली 0.91 पैसा, 650 एमजी की पैरासिटामोल 1.73 पैसा, 16 एमजी की मिथाइल प्रैडनीसोलोन की एक गोली 8.37 पैसा तथा आठ एमजी की एक गोली 4.79 पैसे की है। इसी प्रकार कोरोना के दौरान इस्तेमाल होने वाली अजीथ्रोमाइसिन की 500 एमजी की गोली 19.99 की होगी। शेलकाल, विटामिन, जिंक, आइवरवैक्टिन, जिंको, इवोडी तथा जिंकविट आदि जैसी दवाइयां अंकित मूल्य के आधार पर मिलेंगी। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के आयुक्त ने प्रदेश के सभी जिला उपायुक्तों और सिविल सर्जनों के भेजे पत्र में स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अगर कोई इस सूची से हटकर दवाइयां बेचता है तो उसके खिलाफ मामला दर्ज करवाया जाए।

आईआईटी कानपुर के सहायक कुलसचिव ने की आत्महत्या

कानपुर (यूपी)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के सहायक कुलसचिव ने मंगलवार को आईआईटी परिसर में अपने आवास पर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। कानपुर के पुलिस आयुक्त असीम अरुण ने मंगलवार को बताया कि आईआईटी में सहायक कुलसचिव के पद पर तैनात सुरजीत दास (40) को उनके आवास के अंदर एक कमरे में छत के हुक के साथ लटका पाया गया।

रूस में स्कूल पर हमला

गोलीबारी में सात छात्र समेत नौ की मौत, संदिग्ध गिरफ्तार

एजेंसी। मास्को

रूस के कजान शहर में एक बंदूकधारी ने मंगलवार सुबह एक स्कूल पर हमला कर दिया, जिसमें एक शिक्षक एवं 8वीं कक्षा के सात छात्रों समेत नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि 21 घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरने वालों में स्कूल का एक अन्य कर्मचारी शामिल है।

रूसी मीडिया में जारी वीडियो फुटेज में दिखाया गया है कि श्वेत श्याम ड्रेस में बच्चे स्कूल की इमारत से बाहर भाग रहे हैं। एक अन्य वीडियो में टूटी खिड़कियां और धुआं दिख रहा है जबकि बंदूक चलने की आवाज सुनाई दे रही है। हमले के बाद दर्जनों एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई और पुलिस ने इमारत को चारों तरफ से घेर लिया। रूस के ततारस्तान गणतंत्र के गवर्नर रूस्तम मिन्निखानोव ने बताया कि मंगलवार को हुई गोलीबारी में 9वीं कक्षा के चार छात्र

एवं तीन छात्राओं तथा एक शिक्षक एवं एक अन्य स्कूल कर्मचारी की मौत हो गई। कजान, ततारस्तान की राजधानी है। मिन्निखानोव ने स्कूल के दौरे के बाद कहा हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है, (वह) 19 वर्ष का है। हथियार उसके नाम पर पंजीकृत है। उसके साथी की पुष्टि नहीं हुई है, जांच की जा रही है। ततारस्तान के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार इस घटना में 21 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें 18 बच्चे हैं, जिनमें से छह की हालत नाजुक है।

जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे प्रधानमंत्री मोदी

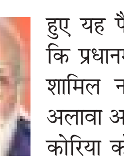

नई दिल्ली। कोरोना से देश में बने खराब हालात की वजह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ब्रिटेन दौरा रद्द हो गया है। उन्हें वहां जी-7 समिट में शामिल होना था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि पीएम मोदी को इस समिट के लिए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की ओर से खास तौर पर बुलावा भेजा गया था।

कोरोना से बने हालात को देखते हुए यह फैसला लिया गया है कि प्रधानमंत्री इस सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया को गेस्ट कंट्री के रूप में समिट में शामिल होने का न्योता दिया गया था। जी-7 में अमेरिका, फ्रांस, कनाडा, ब्रिटेन, जर्मनी, जापान और इटली शामिल हैं। सभी सदस्य देश बारी-बारी से सालाना समिट को होस्ट करते हैं। इस साल 11 से 13 जून के बीच ब्रिटेन के कॉर्नवॉल में होना है।

सचिन वझे पुलिस सेवा से बर्खास्त

एंटीलिया केस

एजेंसी। मुंबई

मुंबई पुलिस ने निलंबित पुलिस अधिकारी सचिन वझे को मंगलवार को सेवा से बर्खास्त कर दिया। वझे को एनआईए द्वारा उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के पास विस्फोटक सामग्री से लैस कार मिलने और कारोबारी मनसुख हिरन की मौत के मामले में गिरफ्तार किया था। इसके बाद से उसके खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी गई थी। शहर पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि मुंबई पुलिस के आयुक्त हेमंत नागराले ने वझे को बर्खास्त करने का आदेश जारी किया।

महाराष्ट्र कैडर के 1990 बैच के अधिकारी वझे को एनकाउंटर कॉप के नाम से भी जाना जाता है। एसयूवी-सह-हत्या मामले में एनआईए द्वारा गिरफ्तारी के बाद 13 मार्च को वझे को निलंबित कर दिया गया था।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने वझे को स्कॉर्पियो कांड में 13 मार्च को गिरफ्तार किया था। इसके बाद 27 दिन लंबी पूछताछ में एनआईए को जिलेटिन विस्फोटक की छड़ों से भरी स्कॉर्पियो को अंबानी के आवास एंटीलिया के पास लावारिस हालत में खड़ी करने के पीछे की पूरी कहानी पता चली। एनआईए ने फिलहाल यह बात सार्वजनिक नहीं की है, लेकिन जांच से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, वझे की योजना कुछ बदमाशों को उठाकर उनका एनकाउंटर करने की थी।

देवप्रयाग में बादल फटने से भारी तबाही

शांता नदी उफनाई मकान-दुकान मलबे के नीचे दबे

नई टिहरी। उत्तराखंड के टिहरी जिले के देवप्रयाग क्षेत्र में मंगलवार शाम बादल फटने से मची तबाही में पूरा क्षेत्र मलबे से पट गया और उसमें दो भवन जमींदोज हो गए। घटना में कई इमारतें और दुकानें पूर्णरूप से क्षतिग्रस्त हुई हैं। हालांकि, घटना में किसी जनहानि की सूचना नहीं है।

पुलिस और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम घटनास्थल पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। देवप्रयाग के पुलिस थानाध्यक्ष महिपाल सिंह रावत ने बताया कि शाम लगभग पांच बजे शांता नदी के ऊपरी छोर पर दशरथ डांडा पर्वत नामक स्थान पर बादल फटने से नदी ने विकराल रूप धारण कर लिया। नदी में आए मलबे ने देवप्रयाग कस्बे के शांति बाजार में भारी तबाही मचाई, जिसमें नगर पालिका का बहुउददेशीय भवन समेत दो भवन जमींदोज हो गए।

हरियाणा के दस शहरों में शुरू हुए सेंटिनल सर्विलांस सेंटर

अब जांच के लिए दिल्ली नहीं जाएंगे कोरोना सैंपल

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के कोरोना संक्रमितों में पाए जाने वाले डबल म्यूटेशन और यूके स्ट्रेन सैंपल की जांच अब दिल्ली की बजाए हरियाणा में ही होगी। इसके लिए दस शहरों में सेंटिनल सर्विलांस सेंटरों की स्थापना हो चुकी है। इन सेंटरों ने काम करना शुरू कर दिया है। केंद्र सरकार द्वारा दिल्ली की विशेष लैबोरटरी की सेवाएं बंद किए जाने के बाद यह फैसला लिया गया है। हरियाणा में इस समय 40 के करीब लैबोरटरी में कोरोना की जांच की जा रही है। केंद्र सरकार द्वारा जारी नई गाइडलाइन को लेकर मंगलवार को प्रदेश की सभी लैबोरटरी के माइक्रोबायोलॉजिस्टों के साथ स्वास्थ्य विभाग की निदेशक द्वारा बैठक की गई है।

स्वास्थ्य विभाग की निदेशक उषा गुप्ता ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सेंटिनल सर्विलांस के तहत पीजीआईएमएस रोहतक, बीपीएस खानपुर, कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज करनाल, ईएसआई मेडिकल कॉलेज फरीदाबाद, एमएएमसी अग्रोहा के अलावा पंचकूला, गुरुग्राम, सिरसा, भिवानी तथा यमुनानगर के जिला अस्पतालों में यह सेंटर शुरू किए गए हैं, जिनमें डबल म्यूटेशन तथा यूके स्ट्रेन वायरस के संदिग्ध केसों की जांच की जाएगी। इसके अलावा इन विशेष सेंटरों में हरियाणा के उन रोगियों के सैंपल भी जांचें जाएंगे, जो वैक्सीन के बाद भी पॉजिटिव हुए हैं और कुछ केस ऐसे भी हैं जो बार-बार पॉजिटिव हो रहे हैं और ठीक भी हो रहे हैं। इसके अलावा उन मरीजों की भी जांच की जाएगी, जो लंबे समय से उपचाराधीन हैं, लेकिन ठीक नहीं हो रहे हैं। गुप्ता ने बताया कि चरणबद्ध तरीके से सभी सेंटरों में काम शुरू हो चुका है। अब हरियाणा में ही गंभीर केसों की जांच व शोध हो सकेगी ताकि भविष्य में कोरोना से लड़ने की रणनीति तैयार हो सके।

वैक्सीन के बाद पॉजिटिव हुए मरीजों पर होगा शोध

हरियाणा में ही होगी डबल म्यूटेशन और यूके स्ट्रेन की जांच

वैक्सीनेशन के दौरान शराब का सेवन न करें

स्वास्थ्य विभाग की निदेशक उषा गुप्ता ने कोरोना वैक्सीन और शराब को लेकर चल रही भ्रांतियों पर विराम लगाते हुए कहा कि अगर आप शराब का सेवन करते हैं और वैक्सीन लगवाते हैं तो कम से कम वैक्सीन लगवाने से पहले और बाद में एक दिन तक शराब का सेवन न करें। यह घातक सिद्ध हो सकता है।

पंजीकरण के बाद लाभार्थी को लगेगा टीका

फरीदाबाद। उपायुक्त यशपाल ने बताया कि कोविड टीकाकरण के लिए सरकार द्वारा एसओपी जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि 18 से 44 वर्ष की आयु के लाभार्थियों को पंजीकरण कराने के लिए आरोग्य सेतु या काउइन ऐप अपने मोबाइल नंबर के साथ पंजीकरण के बाद लाभार्थी को नियुक्ति मिलेगी। कोविड टीकाकरण केंद्र के लिए उपलब्ध पंजीकृत पर नियुक्ति संदेश प्राप्त करने के बाद मोबाइल नंबर पर लाभार्थी को कोविड -19 टीकाकरण जानकारी मिलेगी। कोविड वैक्सीन केंद्र पर ऑनलाइन जानकारी दिखाने के बाद वैक्सीन लगाया जाएगा। 45 वर्ष से अधिक आयु के लाभार्थी किसी भी सरकारी स्वास्थ्य पर कोविड -19 का टीकाकरण करवा सकते हैं। आईडी प्रूफ दिखाने के बाद स्पॉट रजिस्ट्रेशन वाली संस्था आधार कार्ड, पैनकार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट आदि में से कोई एक आईडी वैक्सीन लगवाने वाले लाभार्थी को देनी होगी।

शहर का तापमान

- अधिकतम 36.00 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 24.00 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज

- सभी जरूरी दुकानें सुबह 8 से दोपहर एक बजे तक और शाम को 6 से 8 रहेंगी खुली।
- बीके अस्पताल में कोरोना जांच सुबह 8 बजे से शुरू।
- बीके अस्पताल की ओपीडी सुबह 8 से 11 बजे तक।
- जिले में 49 केन्द्रों पर लगाई जाएगी वैक्सीन सुबह सुबह 10 से शाम 4 बजे तक।

निवेश गुरु

कोरोना संक्रमण के इस दौर में जब बैंक के फिक्स्ड डिपॉजिट में ब्याज दरें 6 फीसदी के आसपास हैं और सभी स्मॉल सेविंग स्कीम पर ब्याज दरें घट रही हैं, क्या आप भी शानदार रिटर्न कमाने के मूड में हैं। अगर ऐसा है तो आपको मिड कैप म्यूच्यूअल फंड में निवेश करना चाहिए। अगर आपके निवेश का नजरिया पांच साल का है तो विशेषज्ञों का मानना है कि मिड कैप म्यूच्यूअल फंड आपको शानदार रिटर्न दे सकते हैं। अगर भारत में कामकाज कर रहे मिड कैप फंड की बात करें तो पिछले तीन साल में इनका औसत रिटर्न 12 फीसदी से 20 फीसदी के बीच रहा है। मिड कैप फंड का पांच साल का औसत रिटर्न 18 से लेकर 20 फीसदी सालाना के बीच रहा है। इसका मतलब यह है कि मिड कैप म्यूच्यूअल फंड में निवेश के जरिए आप सालाना 12 से 18 फीसदी तक रिटर्न कमा सकते हैं।

यूटीलिटी न्यूज

एसडीएम ने किया कंटेनमेंट क्षेत्रों का दौरा

बल्लभगढ़। बल्लभगढ़ उपमंडल की एसडीएम अपराजिता द्वारा मंगलवार को नायब तहसीलदार दयालपुर दिनेश कुमार के साथ बल्लभगढ़ के सीही गेट, तिरखा कॉलोनी, भीकम कॉलोनी, सेक्टर-8 व सेक्टर- 9 के क्षेत्रों में बनाए गए विभिन्न कंटेनमेंट जोन का औचक निरीक्षण किया गया। एसडीएम अपराजिता द्वारा कंटेनमेंट जोन में रहने वाले लोगों से बातचीत कर वहां मौजूद खामियों के बारे में पता किया। साथ ही उन्होंने लोगों को इन खामियों को दूर करने का आश्वासन दिया। एसडीएम अपराजिता ने कहा कि सभी कंटेनमेंट जोन का निरंतर औचक निरीक्षण किया जाएगा। यदि कोई नियमों का उल्लंघन करता पाया गया तो उनके खिलाफ सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

क्विक न्यूज

'मीडिया की बात आप के साथ' वेबिनार श्रृंखला 14 से

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग, फरीदाबाद द्वारा मीडिया के विद्यार्थियों के लिए 'मीडिया की बात आप के साथ' शीर्षक से एक वेबिनार श्रृंखला शुरू करने जा रहा है, जिसमें विद्यार्थियों को मीडिया जगत की प्रमुख हस्तियों के साथ संवाद का अवसर मिलेगा। इस श्रृंखला का पहला वेबिनार 14 मई, 2021 को आयोजित किया जाएगा और वेबिनार का विषय 'सोशल मीडिया, सोसाइटी एंड यूथ' है, जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड में अध्यक्ष एवं मीडिया निदेशक उमेश उपाध्याय मुख्य वक्ता होंगे। इस सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो दिनेश कुमार करेंगे।

अरावली : अतिक्रमण हटाना तो दूर करोड़ों खर्च करके पेड़ भी नहीं बचा पा रहे

वन विभाग की लापरवाही से जंगल में लगाए गए लाखों पेड़ मर चुके हैं

राजेश दास। फरीदाबाद

कोरोना की वजह से इन दिनों ऑक्सीजन को लेकर शहर में भारी मारामारी चल रही है। लेकिन इसके बावजूद दिल्ली एनसीआर के शहरों को ऑक्सीजन देने वाले अरावली पर्वत की लगातार हो रही दयनीय हालत पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। अरावली पर चारों पर तरफ धड़ल्ले से अतिक्रमण कर अवैध निर्माण किये जा रहे हैं। वन क्षेत्र की सुरक्षा के लिए बनाया गया वन विभाग सिर्फ सफेद हाथी साबित हो रहा है।

अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई करना तो दूर यह विभाग पेड़ों को भी नहीं बचा पा रहा है। वन विभाग की तरफ से हर साल लाखों की संख्या में अरावली पर्वत पर पौधे लगाए जाते हैं। पौधों की सुरक्षा के लिए करोड़ों रुपये ट्रि गार्ड पर खर्च किये जाते हैं। पौधों को पेड़ बनाने के लिए सिंचाई पर भी विभाग की तरफ से भारी भरकम रकम खर्च की जाती है। वहीं कई एनजीओ भी पौधों की सिंचाई करने का दावा करती हैं। लेकिन इसके बावजूद अरावली के वन क्षेत्र में वन विभाग की तरफ से लगाए गए लाखों पौधे देखरेख के अभाव में सूख कर मच चुके हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है विभाग द्वारा बजट कहां खर्च किया जा रहा है और वह अपना काम किस तरह से कर रहा है।

आखिर कहां गया बजट

पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए सरकार की तरफ से हर साल करोड़ों रुपये का बजट बनाया जाता है। जिसके तहत पेड़ पौधे लगाने और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए कई तरह के काम किये जाते हैं। बरसात के दिनों में पौधा रोपण अभियान पर लाखों की संख्या में पौधे लगाने का लक्ष्य रखा जाता है। सरकार की तरफ से इस तरह के तमाम कामों के लिए हर साल सभी जिलों के वन विभागों को बजट भेजा जाता है। जिला वन विभाग की तरफ से पिछले कुछ सालों के दौरान अरावली के वन क्षेत्र में लाखों की संख्या में पौधे और उनकी सुरक्षा के लिए ट्रि गार्ड तो लगा गए हैं। लेकिन इनकी हालत से साफ है कि कभी भी इन पौधों की सिंचाई नहीं की गई है। जबकि पौधों की सिंचाई के लिए वन विभाग की तरफ से टैंडर भी जारी किये जाते हैं। यदि विभाग ने टैंडर जारी किया है तो सिंचाई न करने पर ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की। यदि टैंडर जारी नहीं किया गया तो पौधे की सिंचाई के लिए बनाया गया बजट आखिर कहां खर्च किया गया है। वहीं दूसरी तरफ से कुछ एनजीओ की तरफ से अरावली पर लगे पौधों की सिंचाई करने के दावें किये जाते हैं। लेकिन इसके बावजूद लाखों पौधे कैसे मर गए, यह किसी को नहीं पता।

पौधों के मरने का जिम्मेदार कौन

वन क्षेत्र में पेड़ पौधों की संख्या बढ़ाने और उनकी देखभाल करने के लिए ही सरकार ने वन विभाग का गठन किया हुआ है। लेकिन जिला वन विभाग किस तरह से काम कर रहा है, इसका अंदाजा शहर की आबोहवा को देखकर आसानी से लगाया जा सकता है। क्योंकि वन विभाग की तरफ से पेड़ पौधों की तरफ ध्यान देने की जरूरत ही महसूस नहीं की जाती।

वन विभाग की तरफ से पिछले कुछ सालों के दौरान बरसात के मौसम में अरावली पर्वत से गुजरने वाली सभी प्रमुख सड़कों के दोनों तरफ लाखों रुपये की लगातार से पौध लगाए गए हैं। इन पौधों की सुरक्षा के लिए ट्रि गार्ड भी लगाए गए हैं। इन पौधों के पेड़ बनने तक नियमित रूप से सिंचाई करने की जिम्मेदारी भी वन विभाग की है। इस दौरान यदि कोई पौधा किसी कारण वश मर जाए तो उसकों बदलने का काम भी विभाग ही करता है। लेकिन वन विभाग ने अरावली की सड़कों के दोनों तरफ लगाए गए लाखों पौधों की तरफ कभी ध्यान नहीं दिया। जिसके कारण पौधे सूखकर मर चुके हैं।

विभाग के दावे फेल

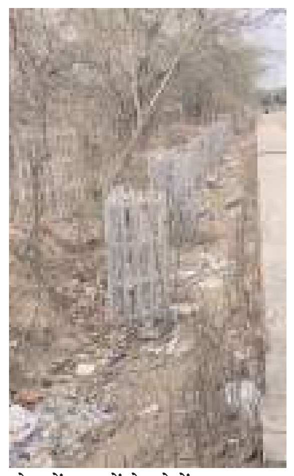

पिछले दिनों एक आरटीआई के जवाब में वन विभाग ने माना था कि जिले में वर्ष 2013 में 7019.08 हैक्टेयर जमीन पर वन क्षेत्र था। जो वर्ष 2020 तक जरा भी नहीं बढ़ पाया है। इस समय अवधि के दौरान वन विभाग ने जिले में कुल 11 लाख 26 हजार 879 पौधे लगाए हैं। विभाग का दावा है कि देखभाल से इनमें से 6 लाख 79 हजार 984 पौधे पेड़ बन चुके हैं। विभाग की माने तो आठ साल में करीब 60 प्रतिशत पौधे ही बच पाए हैं। विभागीय सूचना के मुताबिक यदि 70 प्रतिशत से कम पौधे बच पाते हैं तो संबंधित अधिकारी और कर्मचारियों से रिकवरी करने का प्रावधान है। जबकि अनखीर सूरजकुंड रोड, मानव रचन पाली रोड, गुरूग्राम रोड और अरावली के अन्य वन क्षेत्र में सड़कों के दोनों तरफ लगाए गए लाखों की संख्या में पौधे सूखकर मर चुके हैं। पौधे के स्थान पर पूरे इलाक में सिर्फ सीमेंट के बने ट्रि गार्ड ही खड़े नजर आते हैं। इससे स्पष्ट है कि पौधों की सिंचाई नहीं की गई है। लेकिन इस दौरान किसी तरह की रिकवरी या कार्रवाई नहीं की गई है।

आरोपियों के खिलाफ हो जांच

समाजसेवी बिजेंद्र त्यागी का कहना है कि वन विभाग और अन्य संबंधित विभागों की लापरवाही से लगातार अरावली पर्वत का दोहन हो रहा है। अरावली पर जहां देखों हर जगह वन क्षेत्र की जमीनों पर धड़ल्ले के साथ निर्माण हो रहा है। वन विभाग इन्हें रोकना तो दूर अपने लगाए गए पौधों की सुरक्षा करने में भी नाकाम साबित हो रहा है। वन विभाग द्वारा बरती गई लापरवाही की सरकार को जांच करवा कर दोषी पर कार्रवाई करनी चाहिए।

मिशन जागृति का बुक बैंक छात्रों के लिए एक नई किरण

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मुश्किल समय में मिशन जागृति का बुक बैंक विद्यार्थियों के लिए उम्मीद की एक नई किरण है। मिशन जागृति संस्था इस करोना काल में लगातार लोगों की निस्वार्थ भाव से सेवा कर रही है जहां मिशन जागृति ऐसे व्यक्तियों का अंतिम संस्कार कर रही है जिनका अपना कोई नहीं है या कोई साथ भी नहीं आ रहा वहीं लोगों को मास्क पहनने के लिए और प्लाज्मा दान करने के लिए भी जागरूक कर रही है।

मिशन जागृति के संगठन सचिव और बुक बैंक के संयोजक दिनेश राघव ने बताया कि इस महामारी के दौरान मिशन जागृति के द्वारा लगातार विद्यार्थियों के लिए हमारा बुक बैंक काम कर रहा है अभी तक हम लगभग 170 बच्चों की मदद कर पाए हैं। हमारे बुक बैंक में कक्षा एक से लेकर इंजीनियरिंग वकालत और दूसरे कोर्सों की भी किताबें लोगों ने दान में दी हुई हैं जिन्हें पढ़ने वाले बच्चे हमारे पास आकर लगातार अपनी पढ़ाई पूरी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जब लोगों के पास नौकरियां नहीं है उस वक्त अपने बच्चों की किताबें लाने के लिए पैसे नहीं हैं। लोगों के पास तब मिशन जागृति का बुक बैंक एक आशा की किरण के रूप में सामने आता है और बच्चों को पढ़ाई करने में मदद करते हुए उनको किताबें देता है। इस मुहिम में राजेश भूटिया और अशोक भटेजा का विशेष सहयोग रहता है।

मिशन जागृति के अध्यक्ष विपिन शर्मा ने बताया कि जहां कहीं से भी हमको फोन आता है हमारे वॉलिंटियर्स उनके पास जाकर किताबें लाते हैं और बुक बैंक में रखते हैं। मिशन जागृति के संस्थापक प्रवेश मालिक ने बताया कि बुक बैंक और लाइब्रेरी की प्रेरणा उनको उनके गुरु डॉक्टर सुभाष श्योराण से मिली उनके ही मार्ग निर्देशन में सारी टीम काम कर रही है। मिशन जागृति के सामाजिक कामों में हमारे संरक्षक आदरणीय तेजपाल सिंह, मुनेश पंडित, कविंद्र चौधरी, जिला अध्यक्ष विवेक गौतम, महिला जिला अध्यक्ष सुनीता रानी, सलाहकार अंकुर शरण, लाइफ कोच अर्जुन गौड़ के साथ-साथ पूरी टीम का भरपूर साथ रहता है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी के सहयोग से 13 एवं 14 मई, 2021 को दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करेगा, जिसमें विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए तकनीकी वार्ता और प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेगी।

विश्वविद्यालय के कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम में तकनीकी प्रगति पर शिक्षाविदों और उद्योग के प्रमुख वक्ताओं द्वारा तकनीकी व्याख्यान दिये जायेंगे। कार्यक्रम का शीर्षक 'सतत विकास के लिए तकनीकी प्रगति' है। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो दिनेश कुमार करेंगे। बीआर अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर के निदेशक प्रो. ललित अवस्थी और आईबीएम में सरकारी उद्योग, भारत व दक्षिण एशिया के निदेशक डॉ. प्रभात मनोचा तकनीकी सत्र के विशेषज्ञ वक्ता होंगे।

इस संबंध में जानकारी देते हुए कंप्यूटर इंजीनियरिंग के अध्यक्ष प्रो. कोमल कुमार भाटिया ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रौद्योगिकी के महत्व, समग्र विकास के लिए इसकी उपयोगिता तथा देश और मानवता के लिए इसके लाभ के बारे में विद्यार्थियों, शिक्षाविदों और आम लोगों में जागरूकता पैदा करना है। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. नीलम दूहन ने अवगत कराया कि तकनीकी प्रतियोगिता देशभर के विभिन्न कॉलेजों तथा 11वीं और 12वीं कक्षा के स्कूली विद्यार्थियों के लिए ओपन है। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद पुरस्कार और सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।

ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचार वाहन लोगों को दे रहा है नवीनतम जानकारी : यशपाल

फरीदाबाद। उपायुक्त यशपाल ने बताया कि कोविड-19 के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय फरीदाबाद का प्रचार वाहन जिला के ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लागों को जानकारी दे रहा है।

उन्होंने बताया कि ग्रामीण लोगों को कोविड-19 से बचाव के लिए सावधानियां बरतने, सरकार द्वारा समय-समय पर जारी की गई सभी एसओपी की हिदायतों का अनुपालन सुनिश्चित करने और लॉकडाउन के नियमों का पालन करने के बारे में जानकारी मुनादी के माध्यम से दी जा रही है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचार वाहन पहुंचकर लोगों को कोविड-19 तथा लॉकडाउन संबंधी नवीनतम जानकारी दी जा रही है।

डीआईपीआरओ राकेश गौतम ने जानकारी देते हुए बताया कि लोगों को कोरोना से नहीं डरने, नियमों का पालन करने, जीवन की सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने तथा कोविड-19 संक्रमण के संभावित लक्षण दिखाई देने पर अपनी जांच नजीदीक अस्पताल में करवाने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

डालसा दे रहा बच्चों को फ्री कंप्यूटर ट्रेनिंग

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण यशवीर सिंह राठौर के निर्देशानुसार एवं मंगलेश कुमार चौबे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के देखरेख में समता चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से चलाए जा रहे कंप्यूटर ट्रेनिंग कोर्स कराया जा रहा है।

उसी कड़ी में 11 बच्चों को तीन महीने का कंप्यूटर बेसिक ट्रेनिंग कोर्स पूरा होने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में समता चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। जिससे बच्चे अपने भविष्य में अच्छी नौकरी पा सकें या अपना स्वयं का रोजगार उपलब्ध कर सकें। बच्चे अपने पैरों पर खड़े होकर अपने भविष्य का निर्माण कर सकें। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैनल अधिवक्ता रविंद्र गुप्ता, राजेंद्र गौतम, रामवीर तंवर, ओम प्रकाश सैनी, शिव कुमार, गगन कुमार, लिखीराम, संगीता शर्मा, महेंद्र सिंह बघेल, सुरेंद्र सिंह धनकर व समता चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन अनंगपाल चौहान ने बच्चों को प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया।

मृतक की पहचान

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक नाम पता नामालूम पुरुष की लाश जिसका रंग गदमी, रंग उतरा चेहरा दाडी व बाल बढ़े हुए बाई तरफ छाती पर नर्मदा गुदा हुआ है कद करीब 5 फीट उम्र करीबन 35 वर्ष जिसने जामुनी रंग की कमीज व नीले रंग का पायजामा पहने हुए है जो सरकारी अस्पताल बल्लबगढ़ के गेट पर प्राप्त हुई है अगर किसी ईलाके से गुम हो तो प्रबंधक थाना आदर्श नगर बल्लबगढ फरीदाबाद से संपर्क करें। डीडी न. 13 दिनांक 10.05.2021 धारा 174 सी आर पी सी थाना आदर्श नगर बल्लबगढ।

पुलिस प्रबंधक, पीएस आर्दश नगर बल्लबगढ़ - 9990904496
मो. न. 0129-2211033, 9582200169

गुमशुदा की तलाश

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विजेंद्र कुमार शर्मा पुत्र श्री धर्मेंद्र शर्मा निवासी डी.के. 145, प्रेम नगर झुग्गी गली नंबर 5 सेक्टर 8 फरीदाबाद, जो बगैर किसी को बताये अपनी मर्जी से घर से चला गया है जिसका हुलियां रंग गेहुंआ, गोल चेहरा, मजबूत जिस्म, कद 5 फीट 3 इंच उम्र 25 साल है। जिसने आसमानी रंग की टी-शर्ट पहन रखी है व ग्रे कलर का लोअर और पैरो में लाल रंग का हवाई चप्पल पहन रखा हैं एफआईआर न. 249 दिनांक 03.04.2021 यू/एस 346 आईपीसी, पीएस सेक्टर-7, फरीदाबाद। जिस किसी को भी विजेंद्र कुमार शर्मा के बारे में कोई सुराग मिले तो निम्नलिखित नम्बरों पर सम्पर्क करें।

एसएचओ पीएस सेक्टर- 7 फरीदाबाद मो.- 9582200134, आई/सी पीपी सेक्टर- 7 फरीदाबाद मो.- 9582200328,
आई/ओ एचसी विक्रम सिंह मो.- 9813174078, 0129-2241784

कोरोनाकाल में हृदय रोगी बरतें अधिक सावधानी : डॉ. सपरा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अपनी मर्जी से काम की दवाइयां बंद करने से नुकसान पहुंच सकता है

जब कोरोना का ट्रीटमेंट चालू होता है तो कई बार देखा गया है कि लोग अपने हृदय रोग का इलाज, हृदय संबंधी सावधानियां और शारीरिक क्रियाएं बंद कर देते हैं। इससे उन्हें ज्यादा नुकसान और खतरा हो सकता है। इस समय महत्वपूर्ण है कि आप अपनी हृदय रोग की दवाइयां बंद न करें। क्योंकि शरीर में किसी दूसरे इंफेक्शन के कारण हृदय के संतुलन पर बहुत ज्यादा जोर पड़ता है और ऐसे में अगर हृदय रोग की दवाइयां, हृदय संबंधी सावधानियां बंद हो जाएं तो हृदय को मिलने वाला सपोर्ट बिल्कुल खत्म हो जाता है और अचानक से हृदय के कार्य करने की क्षमता धीमी पड़ सकती है।

यह बात क्यूआरजी हेल्थ सिटी अस्पताल से हृदय रोग विभाग के निदेशक एवं वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. राकेश राय सप्रा ने कही। उन्होंने कहा कि हृदय की देखभाल (आहार, व्यायाम और दवाइयां सहित) जो कोरोना के बगैर चल रही थीं, उसमें कोई कमी नहीं आनी चाहिए। जरूरत पड़ने पर चिकित्सक की सलाहनुसार दवाओं को एडजस्ट किया जा सकता है। अपनी मर्जी से काम की दवाइयां बंद करने से नुकसान पहुंच सकता है।

कोरोना के मरीजों में पाया गया है कि इंफेक्शन के दौरान और इंफेक्शन के बाद खून में थक्के बनने की आशंका ज्यादा बढ़ जाती है इसलिए उनको हार्ट अटैक या स्ट्रोक या पैरों की नसों में खून के थक्के बनने का जोखिम बढ़ जाता है। वास्तव में जिन लोगों को पहले हृदय की बीमारी नहीं है, उनको भी कोरोना के इंफेक्शन के दौरान और बाद में इस तरह की घटनाएं बढ़ती पाई गई हैं। तो यकीनन जिन्हें पहले से ही हृदय की बीमारी है या स्ट्रोक हो चुका है या हृदय बीमारी के जोखिम कारक जैसे डायबिटीज, किडनी फेलियर हैं तो ऐसे लोगों में खून के थक्के बनने और उसके कारण इमरजेंसी होने का जोखिम और भी ज्यादा है।

सामान्यरूप से हृदय रोगी को पहले से ही खून पतला करने की कुछ दवाइयां दी जाती हैं, वो दवाइयां ऐसे समय में जब खून के थक्के बनने की प्रवृति बढ़ रही हो तो और भी ज्यादा जरूरी हो जाती हैं। इसलिए हृदय की सामान्य दवाइयां बंद नहीं होनी चाहिएं। बल्कि इन सामान्य दवाओं के अलावा खून पतला करने वाली कुछ खास टेबलेट और इंजेक्शन भी दिए जाते हैं जो ऐसे हाई रिस्क वाले मरीजों में लेने की ज्यादा जरूरत होती है और ये दवाइयां एक-डेढ़ महीने के लिए दी जाती हैं। किसी कोरोना के मरीज में खून के थक्के बनने की प्रवृति का अनुमान कुछ जांच से लगाया जाता है और इसकी मात्रा ज्यादा होने पर ऐसी खून पतला करने की खास दवाई दी जाती है।

कोरोना मरीजों को आमतौर पर पानी ज्यादा पीने की सलाह दी जाती है। सामान्य लोगों को तो इससे कोई समस्या नहीं होती है लेकिन जिन लोगों के हृदय की कार्यप्रणाली कमजोर है और उन्हें पहले से ही 24 घंटे में एक-डेढ़ लीटर पानी पीने की सलाह दी गई है तो उन्हें सिमित मात्रा में ही पानी पीना है। अन्यथा उनके हृदय की हालत डावांडोल हो सकती है। बढ़ती उम्र के लोगों या डायबिटीज, किडनी फेलियर, हृदय की समस्या से ग्रस्त लोगों को कोरोना से बचने के लिए ज्यादा सावधानियां बरतनी चाहिए क्योंकि उनकी प्रतिरोधक क्षमता कम होती है और इस कारण उनके शरीर के लिए इंफेक्शन को सहन करना मुश्किल हो जाता है। अगर किसी व्यक्ति को पहले से हृदय की समस्या नहीं है तो भी कोरोना की चपेट में आने पर उस व्यक्ति का हृदय कमजोर पड़ सकता है और हृदय की धड़कन की खराबी हो सकती है।

पायनियर
हमेशा सच के साथ

हरियाणा से प्रकाशित | हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

शोक संदेश व श्रद्धांजलि प्रकाशन हेतु विज्ञापन बुक कराएं

निधन-अन्तिम यात्रा-पुण्यतिथि-उठावनी-पगड़ी

जो आपसे बिछड़ गए है उनकी याद में हम आपके दुख में सदैव साथ हैं।

बॉक्स साइज कलर (प्रति विज्ञापन)

Size - 8x5 Sqcm. Rs. 600/-
Size - 8x10 Sqcm. Rs. 1200/-
Size - 12x10 Sqcm. Rs. 1800/-

पायनियर फरीदाबाद कार्यालय : 262-आई, सेक्टर- 24 फरीदाबाद।
मो. न. : 9582468441, 9871798095, Email ID : pioneeradvthr@gmail.com

नई पहल : रोडवेज ने बसों को बनाया कोविड एमरजेंसी एम्बुलेंस

कविता। फरीदाबाद

हरियाणा रोडवेज की तरफ से बीते वर्ष 2020 में अपनी सेवाएं देने से अपने कदम पीछे नहीं खीचे थे। इस बार भी हरियाणा रोडवेज की तरफ से कोरोना काल में बेहतरीन काम बसों को कोविड-19 एमरजेंसी एम्बुलेंस बनाकर किया है।

एक बस में चार बिस्तर ऑक्सीजन के साथ तैयार किए गए हैं। जिले में फिलहाल पांच बसों को कोविड-19 एमरजेंसी एम्बुलेंस जिला प्रशासन के निर्देशों पर हरियाणा रोडवेज की तरफ से तैयार की गई है। इन बसों में एक बार में 20 मरीजों को ऑक्सीजन की सुविधाएं एक साथ उपलब्ध करवाई जा सकेंगी। हरियाणा रोडवेज के जिला महाप्रबंधक राजीव नागपाल ने कहा कि अब कोई भी कोविड-19 का मरीज ऑक्सीजन के आभाव में अपने प्राण न गंवाए, इसलिए इन बस एम्बुलेंसों को तैयार किया गया है। ताकि जिले के निवासियों को राहत मिल सकें।

ऐसे की तैयार : हरियाणा रोडवेज के जिला महाप्रबंधक राजीव नागपाल, वकर्स मैनेजर जितेन्द्र यादव व कर्मचारियों ने पूरी मेहनत के साथ कोविड-19 एमरजेंसी एम्बुलेंस को तैयार किया है। इस बारे में जानकारी देते हुए हरियाणा रोडवेज यूनियन के जिला प्रधान रविन्द्र नागर ने बताया कि जिले में बढ़ते मामलों के बीच रोडवेज ने पांच बसों को ऑक्सीजन एम्बुलेंस के रूप में तैयार किया है।

बस में चार बिस्तर : रविन्द्र नागर ने बताया कि जिले में पांच कोविड-19 एमरजेंसी एम्बुलेंस तैयार की गई हैं। जिसमें प्रत्येक बस में चार बिस्तर लगाए गए हैं।

उन्होंने बताया कि यह सभी बसें ऑक्सीजन एम्बुलेंस के रूप में जिलेवासियों के लिए मौजूद रहेंगी।

बीते वर्ष भी दिया सहयोग

रविन्द्र नागर ने बताया कि वर्ष 2020 में भी कोरोना महामारी में जिला स्वास्थ्य विभाग का साथ दिया था। जिसमें विभाग ने जहां एक तरफ 20 बसों को मेडिकल ओपीडी के रूप में इस्तेमाल किया था। वहीं स्वास्थ्य विभाग में एम्बुलेंसों पर ड्राइवरों की कमी को पूरा करने के लिए रोडवेज की तरफ से करीब 40 चालकों को भेजा गया था। ताकि मरीजों को किसी तरह की परेशानी न हो। वहीं इस बार भी रोडवेज जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों पर काम करने को तैयार है।

उन्होंने बताया कि जिले में इस एम्बुलेंस में भर्ती किए जाने वाले मरीज को तब तक रोडवेज की तरफ से ऑक्सीजन उपलब्ध करवाई जाएगी, जब तक उन्हें किसी भी अस्पताल में बिस्तर नहीं मिल जाता।

नियमों का पालन कराने में मशक्कत कर रही पुलिस : सीपी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस आयुक्त ओपी सिंह के कुशल नेतृत्व की बदौलत फरीदाबाद पुलिस लॉकडाउन के दौरान लोगों से नियमों का पालन कराने में सफल रही है। कोरोना महामारी के दौरान फरीदाबाद पुलिस द्वारा लोगों को इस महामारी से सुरक्षित रखने की हर संभव कोशिश की जा रही है।

फील्ड ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मी लोगों को घर में सुरक्षित रहने के लिए जागरूक कर रहे हैं और साथ ही नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई भी की जा रही है। बीट में तनाव पुलिस कर्मियों द्वारा 208605 लोगों को कोरोना महामारी के बारे में जागरूक किया गया है। 73841 लोगों को मास्क वितरित किए गए और 49018 लोगों की कांटेक्ट ट्रेसिंग की गई। साथ ही 32584 लोगों के मास्क के चालान काटकर एक करोड़ 62 लाख 92 हजार रुपयों का जुर्माना लगाया गया है।

वहीं लॉकडाउन के दौरान नियम तोड़ने वालों के खिलाफ दर्ज 242 मुकदमों में 309 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें दवाओं और ऑक्सीजन सिलेंडर की कालाबाजारी करने वाले 11 लोग शामिल हैं। ओपी सिंह ने कहा कि महामारी पर नियंत्रण पाने में फरीदाबाद के नागरिकों का भी अहम योगदान है और वह भविष्य में भी इसी प्रकार लोगों द्वारा कोविड नियमों का पालन करने की उम्मीद करते हैं। यदि सभी नागरिक पुलिस प्रशासन का सहयोग करें तो इस महामारी पर आसानी से नियंत्रण पाया जा सकता है इसलिए नागरिक अपने परिवार सहित घर पर सुरक्षित रहें, इस समय यही पुलिस प्रशासन के कार्यों में सबसे बड़ा योगदान है।

कोरोना की भयानक स्थिति के बावजूद लापरवाह नजर आ रहे लोग

रात साढ़े 9 बजे के बाद सड़कों पर झुंड के रूप में नजर आते हैं फरीदाबाद के लोग

कविता। फरीदाबाद

शहर के विभिन्न हिस्सों में रात साढ़े 9 बजे के बाद भी फरीदाबाद वासी बेपरवाह नजर आ रहे हैं। शहर की खाली सड़कों पर लोग झुंड की शक्ल में पैदल यहां से वहां चक्कर काटते हुए देखे गए। ऐसे में यहां देखने को मिला कि स्वास्थ्य मंत्री ने लॉकडाउन को महामारी अलर्ट, सुरक्षित हरियाणा नाम तो दे दिया, लेकिन लोग इस नाम का अर्थ आज भी नहीं समझ रहे हैं। शहर की विभिन्न कॉलोनियों और सब्जी मंडियों के निकट भीड़ देखकर लगता है कि लॉकडाउन और महामारी सब समाप्त हो चुका है।

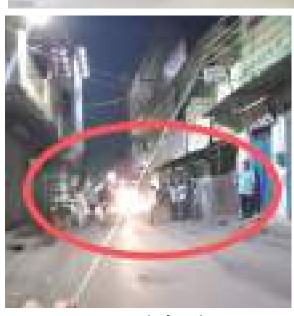

बढ़ेगा तो नहीं कोरोना

शहर में जगह-जगह घूम रही पब्लिक को देखकर याद आया कि जिला स्वास्थ्य विभाग तो रोजाना दो हजार से अधिक मरीजों के ठीक होने का दावा कर रहा है। वहीं दूसरी तरफ पॉजिटिव मरीजों की संख्या का आंकड़ा भी कम दर्शाया जा रहा है। अस्पतालों में भी मरीजों की संख्या घट गई है, लेकिन जब देर रात शहर की सड़कों पर लगी भीड़ को देखा तो लगा कि कहीं एक बार फिर से कोरोना के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी तो नहीं हो जाएगी। वहीं दूसरी तरफ पुलिस और प्रशासन की तरफ लोगों को लगातार जागरूक किया जा रहा, लेकिन लापरवाह लोग समझने को तैयार नहीं हैं।

नहीं दिखी सोशल डिस्टेंसिंग

सड़कों पर रात के समय न तो भीड़ में सोशल डिस्टेंसिंग देखने को मिली। यहां तक कि कुछ लोगों ने तो कोरोना से बचाव के लिए मास्क तक नहीं लगा रखा था। ऐसे में सड़कों पर लगी भीड़ देखकर लगा कि आने वाले समय में मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन लोग इस बीमारी को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

मार्केट में दिखी भीड़

शहर की कॉलोनियों के अलावा मार्केट में काफी भीड़ देखने को मिल रही है। शहर की मार्केट में चोरी छिपे नियमों का उल्लंघन करते हुए दुकानें खुली दिखीं। जिन पर लोगों की भीड़ लगी हुई थी। वहीं गलियों के बाहर भी लोग झुंड बनाकर बातें करते नजर आए। ऐसा रोजाना शहर की विभिन्न कॉलोनियों में देखने को मिल रहा है। जिससे कोरोना के मरीजों की संख्या में एक बार फिर बढ़ोतरी हो सकती है।

योगा से संक्रमित पुलिस कर्मियों को स्वस्थ बनाएंगी डीसीपी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोराना संक्रमितों की लगातार हो रही मौतों का एक कारण जहां कोरोना संक्रमण का भयावह रूप है, वहीं इसका एक कारण लोगों का इस बीमारी के कारण ज्यादा पेनिक होना भी है। जिसके कारण भी लोग मौत की गोद में समा रहे हैं। कोरोना संक्रमित पुलिस कर्मियों के इसी पेनिक को खत्म करने का बीड़ा उठाया है डीसीपी एनआईटी डॉ.अंशु सिंगला ने जोकि स्वयं हाल ही में कोरोना संक्रमण के जाल से बाहर निकली हैं। डॉ. अंशु सिंगला ने कोरोना संक्रमित होने के बाद भी अपना हौसला नहीं छोड़ा। जिसका परिणाम यह निकला कि वे कोरोना को मात देकर अपनी ड्यूटी पर वापस भी आ चुकी हैं।

कोरोना संक्रमित होने पर डॉ. अंशु सिंगला ने खुद को होम आइसोलेट करने के दौरान किस प्रकार कोरोना को मात दी, ये अनुभव वो अब उन पुलिस कर्मियों के साथ साझा कर उनकी हौसला अफजाई करेंगी जो कोरोना होने के बाद घर पर होम आईसोलेट हैं या अस्पताल में उपचाराधीन हैं। इसके लिए डॉ. अंशु सिंगला जूम पर मेडिटेशन के तौर पर ऑनलाइन योगा क्लॉस शुरू कराने जा रही हैं। इसमें इनका साथ योगा की एक प्रोफेशनल महिला ट्रेनर देंगी जोकि कोरोना संक्रमित

पुलिसकर्मियों को कोरोना के दौरान ऑनलाइन ही जूम पर योगा कराकर उनके मन में से कोरोना का डर निकालने का काम करेंगी। सामाजिक कार्य होने के नाते ये प्रोफेशनल महिला ट्रेनर नि:शुल्क ही योगा की ट्रेनिंग देंगी। डॉ. सिंगला के मुताबिक इस मेडिटेशन क्लॉस से कोरोना संक्रमित पुलिस कर्मियों की रिकवरी में काफी फर्क पड़ेगा।

बता दें कि पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह भी समय-समय पर कोरोना संक्रमित पुलिसकर्मियों से जूम पर ऑनलाइन रूबरू होकर उनकी हौसलाअफजाई करते रहते हैं ताकि उनका इस बीमारी से पेनिक कम हो और वे जल्दी-जल्दी रिकवर हो सकें। ऑनलाईन जूम क्लॉस में सुबह के समय का एक सेशन रखा जाएगा जिसमें कोरोना संक्रमित पुलिस कर्मियों को डांस गतिविधि और लाफ्टर थैरेपी द्वारा इम्यून सिस्टम बढ़ाने के तरीके बताए जाएंगे। डॉ.अंशु सिंगला का मानना है कि योग और प्राणायाम से रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाई जा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

फाउंडेशन ने नि:शुल्क एम्बुलेंस जनता को की समर्पित

फरीदाबाद। फाउंडेशन अगेंस्ट थैलासीमिया द्वारा सेवा की तरफ एक कदम ओर बढ़ाते हुए निशुल्क गाड़ी समर्पित की है। फाउंडेशन अगेंस्ट थैलेसीमिया के प्रधान हरीश रतरा ने बताया कि फाउंडेशन द्वारा करोना से तड़पते मरीजों और एम्बुलेंस चालकों की लूट देखते हुऐ एक नि:शुल्क गाड़ी समाज को समर्पित की है। यह गाड़ी किसी भी मरीज के लिए सुबह 10 बजे से सायं सात बजे तक उपलब्थ रहेगी। उसके बाद भी अगर कोई ले जाना चाहे तो गाड़ी बिना ड्राइवर के कुछ शर्तों के साथ परिवार को दी जा सकेगी। गाड़ी को समाज को समर्पित करते समय मुनि राज, हरीश रतरा, जेके भाटिया, मनमोहन सिंह बब्बू, सरदार उजागर सिंह रतरा, तेजवंत सिंह बिट्ठू, अशोक फ्लेक्स, नीरू भाटिया, गुरध्यान अदलखा, लक्खा सिंह मौजूद थे। गाड़ी के रख रखाव की जिम्मेदारी दीपक भसीन ने ली है। यशु गर्ग रोटरी क्लब ऑफ फरीदाबाद सेंट्रल के प्रधान जगदीश सहदेव और रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली साउथ सेंट्रल के मुकेश अग्रवाल ने आस्वश्त किया कि सेवा को आप ठीक से जारी रखें। बन्नू वेलफेयर एसोसेशन के प्रधान राकेश भाटिया ने भी हर प्रकार का साथ देने का वादा किया। संस्था के महा सचिव रविंद्र डुडेजा ने बताया की फाउंडेशन अगेन्स्ट थैलासीमिया ने हर मुश्किल घडी में फाउंडेशन ने समाज का साथ समाज के लोगों के साथ मिलकर किया है। गाड़ी की सेवा लेने के लिए आप किसी भी समय हरीश रतरा प्रधान 9811748936, भगवान बतरा गुलाटी 9811607051, जेके भाटिया 9313008888 को फोन कर या 9868900055 पर व्हाट्सअप कर गाड़ी को मंगवा सकते हैं यह सेवा होगी किसी भी प्रकार का चार्ज नहीं लिया जाएगा।

लॉकडाउन में बंदरों को भोजन करा रहा है ट्रस्ट

फरीदाबाद। अरावली पर्वत श्रंखला में काफी संख्या में बंदर रहते हैं। लॉकडाउन हो जाने के बाद इन्हें भोजन कराने वाले लोग घरों में कैद हो गए हैं, ऐसे में फरीदाबाद जिले के कलाकारों का दिल पसीजा और उनके संगठन भारत मोंटी कल्चरल ट्रस्ट ने बंदरों को भोजन कराने की ठानी। ट्रस्ट रोजाना बंदरों को भोजन करा रहा है और ये अभियान आठ मई से लगातार जारी है। भारत मोंटी कल्चरल ट्रस्ट से हरियाणवी लोक कलाकार मोंटी शर्मा ने बताया कि अरावली के अनंगपुर क्षेत्र में पड़ने वाली डेथ वैली के नाम से प्रसिद्ध झीलों के पास ये अभियान चलाया जा रहा है। कार्य में युवा जजपा नेता मनमोहन शर्मा विशेष योगदान दे रहे हैं। भारत मोंटी कल्चरल ट्रस्ट की अध्यक्ष डिंपल ने बताया कि इस कोरोना महामारी में कला क्षेत्र से जुडे सभी कार्य थमे हुए हैं, लेकिन संगठन के सदस्य इस समय बेजुबानों की सेवा में लगे हैं। उनके द्वारा बंदरों को भोजन के रूप में गुड़, चना, टमाटर, केले आदि दिए जा रहे हैं। सेवा कार्य में संगठन के सदस्य मोंटी शर्मा, अनुज शर्मा, निधी शर्मा, धर्मेंद्र जांगड मुख्य रुप से अपना सहयोग दे रहे हैं।

समाजसेवी संस्थाओं को दान देने की अपील

फरीदाबाद। समाजसेवी हरीश चन्द्र आजाद ने कहा कि जितना पैसा हम लोग प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री राहत कोष में देते हैं, वही पैसा हम अच्छी समाजसेवी संस्थाओं को दें तो उसका पाई पाई जरूरतमंदों तक पहुंचेगा। जिसकी मिसाल कोरोनाकाल में खूब देखी जा सकती है। प्रधानमंत्री राहत कोष का पैसा जरूर जरूरतमदों की सहायता के लिये निकलता होगा। लेकिन वह पैसा जरूरतमंदों तक पहुंचता है या नहीं यह कोई नहीं जानता। देश का हर नागरिक जानता है कि सरकारी कोष से निकले 100 रुपये जरूरतमंदों तक दस पैसे बहुत मुश्किल से पंहुच पाता है। आजाद ने कहा कि देश में किसी भी तरह की आपदा के समय हर समाजसेवी संस्था जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने में सबसे आगे रहती है। इसलिये ऐसे समय में हर तरह का दान समाजसेवी संस्थाओं में करें। हरीश आजाद ने कहा कि देश में हर आपदा के समय गुरूद्वारों के द्वार प्रत्येक जरूरतमंद के लिये खुल जाते हैं। आज कोरोनाकाल में हर नागरिक में मन में गुरुद्वारों और सिखों के लिये आदर की भावना दिख रही है। क्योंकि गुरूद्वारों के भंडार आज जरूरतमंदों के लिये पूरी तरह से खोल दिये गये हैं।

व्यापारियों ने सीएम से तय समय में सभी दुकानें खोलने की मांग की

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फरीदाबाद व्यापार मंडल ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल एवं केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर, गृहमंत्री अनिल विज से मांग की है कि लॉकडाउन की इस अवधि में एक सीमित समय के लिए सभी दुकानों को खोलने की अनुमति दी जानी चाहिए।

व्यापार मंडल फरीदाबाद के प्रधान जगदीश भाटिया, ओल्ड फरीदाबाद के प्रधान नीरज मिगलानी, बल्लभगढ़ बस अडडा मार्केट ऐसोसिएशन के प्रधान प्रेम खट्टर, जवाहर कॉलोनी मार्केट एसोसिएशन के प्रधान नीरज भाटिया ने कहा है कि लॉकडाउन की नई गाईड लाइन में बहुत सी दुकानों को खोलने की अनुमति प्रदान की गई है। जबकि बहुत से व्यापारियों की दुकानों को बंद रखा गया है। ऐसे में जिले के सभी व्यापारियों की मांग है कि सुबह 6 बजे से लेकर सुबह 11 बजे तक सभी दुकानों को खोलने की अनुमति दी जाए। इसके बाद सभी दुकानों को बंद करा दिया जाए।

इस नीति से जहां व्यापारियों को भेदभाव से राहत मिलेगी, वहीं सभी दुकानों के खुलने से लोगों को भी सामान खरीदने में राहत प्रदान की जा सकेगी। व्यापार मंडल फरीदाबाद के प्रधान जगदीश भाटिया ने कहा कि सुबह 6 बजे से पांच घंटे के लिए बाजार की सभी दुकानें खुलने से जहां व्यापारी वर्ग को काफी राहत मिलेगी, आम जनता को भी इससे लाभ होगा। दुकानदारों के सामने रोजी रोटी का संकट काफी हद तक सुलझ जाएगा। लेकिन इस टाइम के तत्काल बाद सभी दुकानों को बंद करा दिया जाए, ताकि बाजार में दिन भर भीड़ न जुटी रहे। श्री भाटिया ने सीएम, केंद्रीय राज्यमंत्री और गृहमंत्री से अपील की है कि इस नियम को लागू करवा दिया जाए।

विधायक ने अस्पतालों का किया दौरा

फरीदाबाद। बड़खल विधायक सीमा त्रिखा ने फरीदाबाद के कुछ अस्पतालों में जाकर रोगियों के परिजनों से अस्पतालों में चल रही व्यवस्थाओं और सेवाओं के बारे में जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

विधायक सीमा त्रिखा का सेक्टर-16 स्थित मेट्रो अस्पताल भी जाना हुआ, जहां मेट्रो अस्पताल के सीईओ महेंद्र सिंह भट्टी, अस्पताल के अन्य स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ एसडीएम बड़खल पंकज सेतिया व जिला दवा नियंत्रक अधिकारी संदीप गहलन ने वहां पहुंच कर मेट्रो अस्पताल में कोविड-19 के संक्रमित रोगियों के लिए बनाए गए 75 बेड के नए यूनिट का निरीक्षण किया। अस्पताल प्रशासन से बात करने पर पता चला कि ऑक्सीजन मिलने पर ही यूनिट को शुरू किया जा सकता है। इस पर संज्ञान लेते हुए सीमा त्रिखा ने तुरंत जिला उपायुक्त यशपाल यादव को अवगत कराया कि अस्पताल प्रशासन को अतिरिक्त ऑक्सीजन की आवश्यकता है।

कोरोना : 37 का अंतिम संस्कार सरकारी आंकड़ों में सिर्फ 9 मौत

जिले में 1560 नए मरीज पाए जाने से आंकड़ा पहुंचा 91004

जिले में 10 हजार से अधिक सैम्पलिंग के उपायुक्त के हैं निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या कम नहीं हो रही है। वहीं मंगलवार को 37 कोरोना पॉजिटिव मृतकों के शवों का अंतिम संस्कार नगर निगम की टीमों के द्वारा शहर के विभिन्न श्मशानघाटों में किया गया, लेकिन वहीं दूसरी तरफ जिला स्वास्थ्य विभाग की तरफ से सरकारी आंकड़ों में मात्र नौ मृतक ही दर्शाये।

जिले में रोजाना दस हजार से अधिक सैम्पलिंग करने के जिला उपायुक्त ने निर्देश जारी किए गए हैं।

जिसे देखते हुए अस्पतालों में वैक्सीनेशन करवाने और फ्लू ओपीडी में पहुंच रहे लोगों की जांच मौके पर ही की जा रही हैं। मंगलवार को जिले में 1560 नए कोरोना रोगी सामने आए। जिसमें सेक्टर-37, 55 से 20-20 मरीज सामने आए। वहं सेक्टर-9 से 26, सेक्टर-15 से 27, सेक्टर-10 से 18, सेक्टर-11 से 25, सेक्टर- 16 से सर्वाधिक 60 रोगी सामने आए। सेक्टर-19 से 25, सेक्टर-21 से 42, सैनिक कॉलोनी से 37, जवाहर कॉलोनी से 26, सेक्टर-7 से 26, सेक्टर-8 से 39, छायंसा से 26, सेक्टर-86 से 34, सेक्टर-88 से 34, सेक्टर-82 से 23, सेक्टर-23 से 19, एसजीएम नगर से 54 रोगी सामने आए।

ये हैं आंकड़े

अब तक कुल जांच : 727846
अब तक पॉजिटिव : 91004
अब तक नेगेटिव : 635094
रिपोर्ट आनी शेष : 1748
ऑक्सीजन पर हैं : 908
वैंटीलेटर पर हैं : 91
अब तक मौत : 593
अब तक ठीक : 78761
जिले में एक्टिव : 11650

प्रत्येक आपदा में मदद के लिए आगे रही है भारतीय सेना : गुर्जर

कोविड-19 मरीजों के लिए छांयसा मेडिकल कॉलेज का शुभारंभ

भारतीय सेना की वेस्टर्न कमांड द्वारा किया जा रहा है अस्पताल का संचालन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि देश पर जब-जब भी कोई आपदा आई है भारतीय सेना हमेशा ढाल बनकर खड़ी रही है। चाहे देश की सीमाओं की रक्षा की बात हो या फिर देश में कोरोना जैसी आपदा में लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने की बात रही हो भारतीय सेना ने हमेशा आगे बढ़कर मदद की है।

केंद्रीय राज्य मंत्री मंगलवार को जिला के गांव छायंसा में श्रीअटल बिहारी वाजपेई कोविड-19 मेडिकल कॉलेज के उद्घाटन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। अपने उन्होंने बताया कि 100 ऑक्सीजन बेड के कोविड-19 अस्पताल का संचालन भारतीय सेना की वेस्टर्न कमांड द्वारा किया जा रहा है। इसमें 65 बेड पुरुषों के लिए व 35 बेड महिलाओं के लिए आरक्षित रखे गए हैं। जल्द ही इस अस्पताल में 35 वेंटीलेटर बेड भी लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि देश में आई कोविड-19 वैश्विक महामारी की आपदा कोराना से निपटने के लिए सेना के अधिकारी और जवान निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस अस्पताल की सारी व्यवस्था भी भारतीय सेना की वेस्टर्न कमांड द्वारा की गई है।

कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि फिलहाल 100 बेडों की कोविड-19 मेडिकल कॉलेज मरीजों की व्यवस्था अटल बिहारी कोविड-19 मेडिकल कॉलेज में की गई है। मेडिकल कॉलेज में 30 वेंटीलेटर की व्यवस्था भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि अस्पताल के लिए 300 ऑक्सीजन गैस के सिलेंडरों की व्यवस्था की गई है। यहां 24 घंटे एबुलेंस सेवा, ऑक्सीजन की सुचारू व्यवस्था का संचालन भी अस्पताल परिसर में किया गया है। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद के साथ-साथ पूरे एनसीआर क्षेत्र को इसका लाभ लोगों को इसका लाभ मिलेगा।

केन्द्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में और मुख्यमंत्री मनोहर लाल के मार्गदर्शन में प्रदेश में कोविड-19 के संक्रमण के वैश्विक महामारी कोरोना पर काबू पाने के लिए ऑक्सीजन गैस, वेंटीलेटर तथा इस के इलाज के लिए दवाइयों सहित तमाम सुविधाएं देश और प्रदेश में लोगों के लिए की जा रही गुर्जर ने जिला प्रशासन का आभार भी प्रकट किया। उन्होंने कहा कि सेना के वेस्टर्न कमांड के कमांडर लैफ्टिनेंट जनरल मनिन्दर सिंह की अगुवाई में आर्मी द्वारा छायंसा के मेडिकल कॉलेज का मंगलवार को संचालन कर दिया गया है।

प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने मेडिकल कॉलेज शुरू होने पर बधाई दी और कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को आपदा के समय में बेहतरीन सुविधाएं मिल सकेंगी। उपायुक्त यशपाल ने कहा कि अटल बिहारी कोविड-19 मेडिकल कॉलेज में ऑक्सीजन गैस की सप्लाई प्रशासन द्वारा हर संभव मदद भारतीय सेना को दी जाएगी और कोविड-19 अस्पताल मे 30 वेंटीलेटर बेड भी आ गए हैं। डीसी यशपाल ने कहा कि प्रथम चरण में यह 100 बेड का कोविड-19 अस्पताल बनाया गया है। अगले एक माह में 100 बेड की व्यवस्था और इस अस्पताल में की जाएगी ताकि कोरोना के उपचार की बेहतर चिकित्सा सुविधा लोगों को यहां मिले।

विधायक ने कमेटी में उठाया निजी अस्पतालों की लूट का मुद्दा

मरीज से 1200 रुपये प्रतिदिन खाने और तीन हजार प्रतिदिन पीपीई किट के वसूल रहे हैं अस्पताल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कांग्रेस विधायक नीरज शर्मा ने निजी अस्पतालों में कोरोना मरीज के इलाज के नाम पर चल रही लूट का मुद्दा जिला स्तरीय सलाहकार समिति में उठाया।

परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर, राज्य सरकार की तरफ से नियुक्त जिला प्रभारी अतिरिक्त मुख्य सचिव संजीव कौशल, जिला उपायुक्त यशपाल यादव सहित जिला के अन्य चुने हुए प्रतिनिधि और प्रमुख विभागों के अधिकारी मौजूद थे। नीरज शर्मा ने एनआइटी पांच नंबर स्थित डीएम नामक निजी अस्पताल द्वारा एक कोरोना संक्रमित मरीज से चार दिन के इलाज की वसूली राशि का विवरण रखते हुए सवाल खड़ किए। नीरज शर्मा ने डीएम अस्पताल द्वारा मरीज को दिए बिल की प्रति वर्चुअल मीटिंग में रखते हुए बताया कि मरीज से अस्पताल प्रबंधन ने कुल 1,47,675 रुपये वसूले। इसका विवरण देते हुए नीरज ने बताया कि मरीज से आइसीयू बेड के 11 हजार रुपये प्रतिदिन के हिसाब से 44 हजार रुपये, आइसीयू डाक्टर विजिट के 16 हजार रुपये, छाती रोग विशेषज्ञ के 10 हजार रुपये, नर्सिंग स्टाफ के आठ हजार रुपये, देखरेख (मानिटरिंग) के आठ हजार रुपये, मेडिसिन के 35 हजार रुपये, आक्सीजन के 10 हजार रुपये तथा चार दिन के 1200 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से 4800 रुपये खाने के लिए हैं। मेडिसिन के 35 हजार रुपये में 12 हजार रुपये पीपीई किट और एक हजार रुपये दस्ताने के हैं।

उठाया सड़क का भी मुद्दा

विधायक नीरज शर्मा ने कहा कि बल्लभगढ़-सोहना रोड पर ही जिला के सर्वाधिक आक्सीजन गैस प्लांट हैं। यह रोड बुरी तरह से कई जगह से टूटी हुई है। ऐसे समय में यदि आक्सीजन गैस के टैंकरों के आवागमन में कोई हादसा न हो इसके लिए तत्काल प्रभाव से सड़क की मरम्मत कराई जाए। इसके अलावा इस रोड से आक्सीजन प्लांट तक जाने वाले रास्ते भी पक्के कराए जाएं ताकि आक्सीजन लेने वालों को कोई परेशानी न हो। विधायक ने कहा कि सेक्टर-55 में पॉलीक्लीनिक की जो बिल्डिंग है, इसमें भी जल्द से जल्द स्वास्थ्य सुविधाएं शुरू की जाएं।

ड्यूटी से नहीं घबराते, वापस घर जाने से लगता है डर...

कोरोना महामारी के बीच फ्रंट लाइन वर्कर बनकर काम करती हैं नर्सिंग स्टाफ

21वीं सदी की इस महामारी के बीच दूसरी बार मनाया जा रहा विश्व नर्सिंग दिवस

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

इसमें कोई दोराय नहीं कि किसी भी चिकित्सा संस्थान में नर्सिंग स्टाफ की अहम भूमिका रहती है। चाहे निजी हो या फिर सरकारी अस्पताल, हर जगह नर्सिंग स्टाफ के जिम्मे मरीजों के स्वास्थ्य का भार होता है। तभी तो अस्पतालों के नाम भी अधिकतर नर्सिंग होम ही होते हैं। यह नर्सिंग स्टाफ के समर्पण, सेवा भावना को ही तो दर्शाता है। बेशक कभी आपको अस्पताल में किसी नर्स ने डांटा हो, फटकारा हो, लेकिन उन डांट-फटकार के पीछे उनका मर्म हृदय भी होता है, जो कि मरीजों को शारीरिक के साथ मानसिक मजबूती देता है। इस नर्सिंग दिवस पर हम ऐसी नर्सों को सेल्यूट कर रहे हैं, जिन्होंने कोरोना महामारी के इस दौर में कोरोना संक्रमण से ठीक होकर फिर से अस्पताल में मोर्चा संभाला।

मरीजों की सेवा और परिवार की सुरक्षा भी जरूरी : पूनम सहराय

स्टाफ नर्स पूनम सहराय गुरुग्राम के सेक्टर-10 स्थित नागरिक अस्पताल में कार्यरत हैं। वे यहां सबसे पहले कोरोना संक्रमित होने वाली नर्स हैं। भले ही कोरोना संक्रमित होने के बाद कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा हो, लेकिन वे कहती हैं कि यह प्रोफेशन सिर्फ एक नौकरी नहीं बल्कि मानवता की सेवा का ऐसा माध्यम है जो अन्य किसी क्षेत्र में नहीं है। कोरोना महामारी में डर के सवाल पर पूनम सहराय कहती हैं कि हां डर लगता है, लेकिन डर ड्यूटी से नहीं बल्कि बच्चों, परिवार के बीच घर जाने से लगता है। मरीजों की सेवा और परिवार को सुरक्षित रखना नर्स के लिए बड़ी चुनौती होती है।

विश्व नर्सिंग दिवस पर विशेष

मरीजों की सेवा सर्वोपरि : रितु मलिक

नागरिक अस्पताल सेक्टर-10 में स्टाफ नर्स रितु मलिक भी साल 2020 की लहर में कोरोना संक्रमित हो चुकी हैं। फिर भी उनका जज्बा पहले की तरह कायम है। ड्यूटी को फर्ज और फर्ज को सेवा समझकर वे करती हैं। रितु मलिक का कहना है कि जब इस प्रोफेशन में आ ही गए हैं। इंसानियत की सेवा को कदम बढ़ाया है तो फिर ज्यादा सोचना नहीं। उनका कहना है कि हर किसी को इस तरह का सौभागय नहीं मिलता। चिकित्सा क्षेत्र में इंसानियत की सेवा का सीधा मौका भगवान देता है।

नर्सिंग में आकर सेवा की सोच रखें : बबीता

स्टाफ नर्स बबीता कहती हैं कि नर्सिंग पेशे में आकर सिर्फ और सिर्फ सेवा की सोच रखें, भावना रखें। यह प्रोफेशन हर किसी को सेवा का ही संदेश देता है। महिलाओं का हृदय वैसे भी कोमल होता है। ऊपर से इस प्रोफेशन में आकर उन्हें इंसानों की सेवा का जो मौका मिला है, वह भगवान का ही आशीर्वाद है। मरीजों को बीमारी से ठीक करने के साथ उनको मानसिक मजबूत देने का भी काम भी नर्स करती हैं। वे कहती हैं कि नर्स की ड्यूटी कभी खत्म नहीं होती। पहले परिवार और फिर अस्पताल में मरीजों की सेवा उसकी दिनचर्या होती है।

सेवा भावना वाले ही चुनें नर्सिंग : सरोज

स्टाफ नर्स सरोज कहती हैं कि नर्सिंग प्रोफेशन को वो ही चुनें, जिनके भीतर सेवा की भावना हो। पॉजिटिविटी हो। क्योंकि अस्पताल में परेशान लोग आते हैं। उनसे प्रेम भावना से बात करके उन्हें स्वस्थ होने की काउंसलिंग भी हम ही करती हैं। मरीजों को सही करने में अपनी भूमिका हमेशा सही निभानी चाहिए। अपने प्रोफेशन के साथ सदा न्याय करना चाहिए। यह सिर्फ एक प्रोफेशन या नौकरी नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम हमें मिला है। किसी भी नर्स को कभी अपने काम में कमी नहीं छोड़नी चाहिए।

जिम्मेदारियों से भरा काम है नर्सिंग : जपिंद्र

स्टाफ नर्स जपिंद्र कहती हैं कि नर्स सिर्फ एक शब्द नहीं है, बल्कि यह जिम्मेदारियों भरा काम है। इस काम में हर कदम बेहद ही सावधानी के साथ रखना पड़ता है। क्योंकि नर्स के हाथों में मरीज का जीवन होता है। उसे क्या और कौन सी दवा कब देनी है, यह सब काम नर्सिंग का ही होता है। मरीजों के उपचार के साथ उनकी काउंसलिंग भी जरूरी होती है। यह नर्सिंग ही है जो कि मरीज को दवा देने के साथ बातों से उनकी काउंसलिंग करके उनमें जीने की नई उम्मीद जगाती हैं। मरीजों के साथ आत्मीयता जताकर उनको परिवार के सदस्य की तरह ट्रीट करती हैं।

विपरीत परिस्थितियों में मजबूत रहें नर्स : इंदू बाला

कोरोना संक्रमण से ठीक होने के बाद फिर से दोगुने जोश के साथ मरीजों की सेवा में जुटी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) नई दिल्ली के कैंसर विभाग में कार्यरत नर्सिंग ऑफिसर इंदू बाला कहती हैं कि यह ठीक है कोरोना महामारी खतरनाक है, लेकिन नर्सिंग प्रोफेशन ऐसी ही परिस्थितियों से जूझते हुए मरीजों की सेवा में तत्पर रहने की प्रेरणा देता है। नर्सें विपरीत परिस्थितियों में खुद को मजबूत रखें। नर्सिंग की जननी फ्लोरेंस नाइटिंगेल का धनी परिवार उनके नर्सिंग में आने के खिलाफ था, लेकिन घर में बीमार दादी की देखरेख करते-करते उन्होंने प्रोफेशनल तरीके से नर्सिंग सीखने का मन बनाया। फ्लोरेंस नाइटिंगेल का जीवन यह बताता है कि मानवता की सेवा की भावना किसी भी परिवार के सदस्य में आ सकती है। उसे रोके नहीं, बल्कि उसका समर्थन करके आगे बढ़ने को प्रेरित करें। नर्सों को आदर दिलाने का श्रेय फ्लोरेंस नाइटिंगेल को जाता है।

विपरीत परिस्थितियों में मजबूत रहें नर्स : सुमन

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) नई दिल्ली के हृदय विभाग में कार्यरत नर्सिंग ऑफिसर सुमन कहती हैं कि सेवा का दूसरा नाम नर्सिंग है। यह प्रोफेशन हमें हर उस व्यक्ति की सेवा की प्रेरणा देता है, जो शारीरिक, मानसिक रूप से बीमार हैं। ऐसे में नर्सों का यह फर्ज बनता है कि वे इस सेवा के क्षेत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ कार्य करें। यह प्रोफेशन हमने नहीं चुना बल्कि इस प्रोफेशन ने हमें चुना है। अपने जीवन का ध्येय सेवा ही मानकर चलें और सेवा ही करें। किसी भी अस्पताल में नर्सें ही रीढ़ होती हैं। उनके कंधों पर बहुत जिम्मेदारियां होती हैं। इन जिम्मेदारियों को पूरा करके सभी नर्सें अपने इस क्षेत्र में आने के उद्देश्य को सार्थक करें।

संक्षिप्त-समाचार

पोली क्लीनिक में लगाया गया टीकाकरण शिविर

गुरुग्राम। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा मंगलवार को सेक्टर-31 स्थित पोली क्लीनिक में कोरोना टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर लोगों को मास्क पहनने, सामाजिक दूरी का पालन करने सहित कोविड प्रोटोकॉल के बारे में जागरूक किया गया। शिविर स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से प्रात: ठीक 10 बजे शुरू किया गया। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायायिक दण्डाधिकारी ललिता पटवर्धन ने बताया कि प्राधिकरण तथा स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा कोरोना संक्रमण के चलते यह विशेष अभियान चलाया गया है। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण के चेयरमैन एवं जिला एवं सत्र न्यायधीश एसपी सिंह के मार्गदर्शन में ये टीकाकरण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। यह टीकाकरण अभियान प्राधिकरण के जागरुकता अभियान, मत जा नजदीक, खुद को रखें ठीक, उन पर रहे आँख, ढके ना जो मुंह और नाक के अंतर्गत नागरिकों के बीच मुखौटा शिष्टाचार को विकसित करने और स्वास्थ्य के उचित कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए गुरुग्राम में एक कोविड जागरुकता परियोजना शुरू की है।

हमला करने और धमकी देने के आरोप में पांच आरोपियों पर केस

पलवल। हसनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत शराब के नशे में गाली देने का विरोध किया तो एक व्यक्ति पर लाठी-डंडा व लोहे की रोड से हमला करने तथा जान से मारने की धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पीड़ित के भतीजे की शिकायत पर पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी हरीओम के अनुसार गांव चव्वन का नंगला निवासी आरीफ ने शिकायत दर्ज कराई है कि आठ मई की शाम सात बजे चाचा अली मोहम्मद के साथ गांव के अड्डे की तरफ जा रहा था। अड्डे पर गांव निवासी जुबेर शराब पी रहा था जो कि चाचा अली मोहम्मद को गाली देने लगा। पीड़ित के चाचा ने जुबेर का विरोध किया तो वह मारपीट करने लगा। पीड़ित ने अपने चाचा को जुबेर से छुडवाया। कुछ देर बाद जुबेर अपने साथी अलीम, खुर्शीद, मुफा व इरसाद को साथ लेकर आया और सभी ने मिलकर पीड़ित के चाचा पर लाठी-डंडा व लोहे की रोड से हमला कर दिया और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

अवैध हथियार सहित एक आरोपी गिरफ्तार

होडल। अपराध जांच शाखा होड़ल ने एक युवक को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीआईए इंचार्ज हरदीप सिंह के अनुसार मुखबिर खास द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि एक युवक होडल बस स्टैंड पर अवैध हथियार सहित मौजूद है। सूचना मिलते ही हैड कांस्टेबल यासिर व मानसिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर मौके पर दबिश दी गई तो युवक पुलिस को देख तेज गति से चलने लगा। उक्त युवक को काबू कर तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से एक देशी कट्टा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम दीपक निवासी कामर (यूपी) बताया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

मकान से नकदी सहित आभूषण चोरी

पलवल। बहीन थाना क्षेत्र के अंतर्गत चोर मकान से रात के समय सोने-चांदी के आभूषण व हजारों रुपये की नकदी को चोरी कर ले गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी संदीप के अनुसार गांव भमरोला जोगी निवासी उमेश ने शिकायत दर्ज कराई है कि नौ-दस मई की रात को चोर घर से एक सोने का हार, दो अंगूठी, पॉजेब, तोरिया, कुंडल, 44 हजार रुपये व जरूरी कागजातों को चोरी कर ले गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

रहस्यमयी परिस्थिति में युवक लापता

पलवल। शहर थाना क्षेत्र के अंतर्गत से हथीन जाने की बात कहकर घर से गया युवक वापस घर नहीं लौटा। पुलिस ने युवक के पीड़ित पिता की शिकायत पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी रवि कुमार के अनुसार पलवल के झाबर नगर निवासी संजय वर्मा ने शिकायत दर्ज कराई है कि 21 वर्षीय पुत्र लक्ष्य आठ मई को घर से हथीन जाने की बात कहकर गया था जो कि वापस घर नहीं लौटा। पीड़ित ने अपने पुत्र को इधर-उधर काफी तलाश किया, लेकिन कहीं कुछ पता नहीं चला। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

पातली सरपंच के पति पर चलाई गोली

फर्रूखनगर। सुबह की सैर के लिए निकले सरपंच के पति पर अज्ञात स्विफ्ट कार सवारों ने हवाई फायर करके जानलेवा हमला किया। इस हमले में सरपंच पति बाल-बाल बचा। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने मौका मुआयना करने के बाद जांच शुरू कर दी है। समाचार लिखे जाने तक मामला दर्ज नहीं हुआ था। गांव पातली की सरपंच मुकेश देवी के पति सतबीर धनखड़ ने बताया कि वह हर रोज की तरह मंगलवार को सुबह करीब सवा पांच बजे सुबह की सैर के लिए घर से निकले थे। जैसे ही केएमपी एक्सप्रेस वे के निकट गांव के कच्चे रास्ते पर पहुंचे तो एक स्विफ्ट कार सवार अज्ञात हमलावरों ने उसके ऊपर गोली चला कर जान से मारने का प्रयास किया। गनीमत यह रही कि गोली उसे नहीं लगी। वह अपनी जान बचाकर भागने लगा, वहीं हमलावर भी मौके से फरार हो गए। गोली मारने की घटना की सूचना पुलिस को दी। थाना प्रभारी सुरेश फौगाट व उनकी टीम ने मौके पर पहुंच घटना स्थल की जांच की और आगामी कार्रवाई के लिए आवश्यक पूछताछ की और जांच शुरू कर दी है।

प्रशासनिक अधिकारियों ने शहर और गांवों का दौरा किया

कैलाश मंगला। होडल

कोरोना महामारी के चलते क्षेत्र में लगे लॉकडाउन को लेकर मंगलवार को पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने शहर के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर लोगों को घरों में रहकर इस कोरोना बीमारी से सुरक्षित रहने के निर्देश दिए हैं।

पुलिस प्रशासन ने बाजार में कालाबाजारी करने वाले दुकानदारों पर शक्ति तेज कर दी है। पुलिस ने बाहर बेवजह घूमने वाले लोगों को भी मास्क व घरों में रहने के प्रति जागरूक किया है। प्रशासन व पुलिस के इस शख्त रवैइये से कालाबाजारी करने वाले दुकानदारों में हडकंप मचा हुआ है। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को कालाबाजारी करने वाले दुकानदारों के बारे में लगातार शिकायतें मिल रही थी। मंगलवार सुबह से ही होडल एसडीएम, डीएसपी, तहसीलदार संजीव नागर, होडल थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह राठी के अलावा अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की टीमें होडल गढिया बाजार, अग्रसेन चौक, हसनपुर चौक, गढी रोड, गांधी चौक, जगजीवन राम चौक के अलावा गांव सोन्हद, बंचारी, डाढका, मर्रोली, मुंडकटी के अलावा अन्य गावों का दौरा कर लोगों को इस महामारी के प्रति जागरूक किया है। थाना प्रभारी सुरेंद्र राठी ने गांवों के पंच, सरपंच के अलावा बाजार के दुकानदारों से कहा है कि वह अपने घरों में रहकर अपने आप को व परिवार को सुरक्षित करें।

डंपर चालक ने पुलिस व खनन टीम पर गिराए पत्थर

पुलिस व खनन विभाग के दर्जनों कर्मचारी बाल-बाल बचे

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

चोरी के पत्थरों से भरे डंपर का पीछा कर रही पुलिस और खनन विभाग के कर्मचारी बाल-बाल बच गए। चालक ने डंपर का जैक उठाते हुए पुलिस गाड़ी के आगे चोरी के पत्थरों को गिरा दिया।

एक तरफप्रदेश में सम्पूर्ण लॉकडाउन का दूसरा चरण चल रहा है। पुलिस से लेकर प्रशासनिक अधिकारी लोगों को लॉकडाउन का पालन कराने के लिए घरों से बाहर निकलने पर रोक लगाए हुए हैं। दूसरी तरफ पत्थर चोर अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं।

सोहना के पलवल मार्ग पर डंपर से गिराए चोरी के पत्थरों को दूसरे डंपर में भरते हुए।

मंगलवार सुबह चार बजे चोरी के पत्थरों से भरे डंपर का पीछा कर रही खनन विभाग और पुलिस कर्मचारियों की जान लेने के इरादे से डंपर चालनक ने जैक उठाकर चोरी के पत्थरों को गिरा दिया। जिससे दोनों ही विभाग के कर्मचारी और अधिकारी बाल-बाल बच गए। सूत्रों ने बताया कि खनन विभाग की टीम के साथ एन्टीव्हीकल थैप्ट टीम में शामिल पुलिस कर्मियों ने डंपर रोकने के लिए तीन फायर सोहना से पलवल जाने वाले मार्ग पर शनि मंदिर के सामने किए।

पुलिस के फायरिंग से डंपर के तीन टायर फट गए, लेकिन चालक डंपर को टायर फटने के बाद भी 30 से 35 किलोमीटर दूर जिला नूंह के गांव छापड़ा तक पहुंच गया। चालक डंपर को छोड़कर भाग गया। खनन व एन्टीव्हीकल थैप्ट टीम ने डंपर को कब्जे में लेने के बाद रोजका मेव थाना में खड़ा कर दिया है। जिसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बीते एक सप्ताह में दूसरा मामला: सोहना की सड़कों पर चोरी के पत्थर डंपरों से गिराना आम बात हो गई है। करीब एक सप्ताह पहले भी अंबेडकर बाईपास चौक पर भी चोरी के पत्थरों को खनन विभाग की टीम द्वारा पीछा करने पर गिरा दिया था।

क्या कहते हैं रोजका मेव थाना प्रभारी : थाना प्रभारी मलखान सिंह ने बताया कि खनन और एन्टीव्हीकल थैप्ट की टीम चोरी के पत्थरों से भरे हुए डंपर को पुलिस के हवाले करके चली गई है। डंपर का शिकायत के आधार पर चालान काट दिया है। इसके अलावा अन्य कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

उन्नति चेरिटेबल संस्था कोरोना रोगी को मुफ्त में दे रही ऑक्सीजन सिलेंडर

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

उन्नति चेरिटेबल सामाजिक संस्था द्वारा मुफ्त में ऑक्सीजन सिलेंडर देते हुए।

शहर की सामाजिक संस्था उन्नति चेरिटेबल कोरोना काल के इस दौर में संक्रमितों को मुफ्त में ऑक्सीजन सिलेंडर मुहैया करा रही है। इसके साथ-साथ सोहना, बादशाहपुर और गुरुग्राम में रोजाना दो से ढाई हजार बेसहाराओं को खाना उपलब्ध करा रही है।

कोरोना संक्रमितों के उपचार में राज्य सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलकर चलने के लिए सामाजिक संगठन भी आगे आने लगे हैं। शहर की उन्नति चेरिटेबल सामाजिक संगठन गुरुग्राम की अन्य संस्था के साथ मिलकर कोरोना संक्रमितों को फ्री में ऑक्सीजन के सिलेंडर मुहैया करा रही है। संस्था की तरफ से एक दिन में 20 ऑक्सीजन के सिलेंडर बेसहारा और गरीब कोरोना संक्रमितों की मदद में दिए जाते हैं। संस्था की चेयरपरसन बबीता यादव ने बताया कि गुरुग्राम की दीवान टच सामाजिक संगठन के साथ मिलकर एक दिन में 2000 से लेकर 2500 लोगों को खाना वितरण किया जा रहा है। जो बेसहारा, प्रवासी मजदूर, मानेसर ऑक्सीजन प्लांट पर लगे कर्मचारियों और गैस सिलेंडर लेने के लिए आ रहे पीड़ितों के परिजनों को फ्री में खाना वितरण किया जा रहा है। संस्था के कोषाध्यक्ष बलबीर सिंह ने बताया कि उत्तराखंड के शहर रुद्रपुर में लगे ऑक्सीजन प्लांट से सिलेंडर मंगवार कोरोना संक्रमितों को दिए जाते हैं। ऑक्सीजन की सेवा रोगियों को फ्री में दी जा रही है।

अवैध शराब सहित एक युवक गिरफ्तार

पलवल। शहर थाना पुलिस ने एक मकान पर दबिश देकर बगैर परमिट वाली अंग्रेजी शराब बरामद की है। पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी अनूप कुमार के अनुसार मुखबिर खास द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि टाकीपुर मोहल्ला निवासी पवन शराब तस्करी का काम करता है जो फिलहाल भी अपने मकान में शराब रखकर बेचने का काम कर रहा है। सूचना मिलते ही एएसआई अशोक कुमार व हेड कांस्टेबल सूबे सिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर मौके पर दबिश दी गई और आरोपी पवन को हिरासत में लिया गया। पवन के मकान की तलाशी के दौरान 33 बोतल अंग्रेजी शराब और 14 बीयर बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

कोरोना पॉजिटिविटी रेट घटकर 24 फीसदी हुआ

गुरुग्राम के लिए है यह अच्छी खबर

गुरुग्राम। कोरोना महामारी के इस दौर में जिलावासियों के लिए इससे जुड़ी एक अच्छी खबर सामने आई है। अब गुरुग्राम जिला में कोरोना संक्रमित मरीजों का पॉजीटिविटी रेट घटकर 24 प्रतिशत तक पहुंच गया है। यानी अब गुरुग्राम जिला में रोजाना सामने आने वाले मरीजों की संख्या पहले की अपेक्षा कम हुई है।

29 अप्रैल को जिला में कोरोना संक्रमित मरीजों का पॉजिटीविटी रेट 41.98 दर्ज किया गया। इसी प्रकार 30 अप्रैल को 34.91 प्रतिशत, 2 मई को 34.4 प्रतिशत तथा 10 मई को यह दर घटकर 24 प्रतिशत तक पहुंच गई। जिला में अब जहां एक ओर कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या पहले के मुकाबले कम हुई है, वहीं अब इससे ठीक होने वाले मरीजों की संख्या में भी लगातार सुधार दर्ज किया जा रहा है। जिला के कोरोना संक्रमित मरीजों के रिकवरी रेट का आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है। वर्तमान में जिला का रिकवरी रेट 77.18 प्रतिशत हो गया है जोकि सराहनीय है।

जिला उपायुक्त डा. यश गर्ग के मुताबिक प्रयास है कि लोगों को अधिक से अधिक स्वास्थ्य सुविधाएं दी जाएं और लोगों में कोविड संक्रमण के बचाव उपायों के बारे में जागरूकता बढ़े। इसके लिए स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा सेवाभाव के कार्य करते हुए लोगों को जरूरत अनुसार उनके घर तक भी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही है।

ईद की तैयारी को ग्राहक कर रहे खरीदारी

ईद की तैयार को लेकर ग्राहक किराना की दुकानों पर खरीदारी करते हुए। सोहना में बिना कारण बाइक पर घूमने वाले तीन युवकों से पूछताछ करते हुए।

लॉकडाउन : सुबह छह से नौ बजे तक ही खुल रहीं दुकानें

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

ईद को तैयारियों को लेकर सुबह खुलने वाले बाजारों में लोगों की भीड़ उमड़ रही है। राशन की दुकानों पर ग्राहक सामाजिक दूरी बनाकर खरीदारी कर रहे हैं।

प्रदेश सरकार के आदेश अनुसार सुबह छह से नौ बजे तक खुलने वाली बाजार में मंगलवार को ग्राहकों की भीड़ रही। जिसका कारण ईद को लेकर ग्राहक खरीदारी करने के लिए घरों से बाहर निकलकर आ रहे हैं। बाजार में किराना व सब्जियों की दुकानें खुल रही हैं, लेकिन दुकानदारों द्वारा दुकानों के बाहर बनाए गए सामाजिक दूरी के लिए गोलधारे का पालन ग्राहक से करा रहे हैं। पकड़ा, जूता व अन्य सामान की दुकानें लॉकडाउन के चलते बंद हैं। इसलिए ईद की तैयारी में ग्राहक केवल खानपान के सामान की खरीदारी अधिक कर रहे हैं। वहीं सब्जी मंडी में ग्राहकों की भीड़ देखने को मिल रही है।

नौ बजे के बाद बाजार हो रहे बंद

शहर के बाजारों में किराना व खाने-पीने के सामान की खुलने वाली दुकानों को दुकानदार अपने आप ही बंद करके चले जाते हैं। दस बजे के बाद शहर की सड़कें खाली हो जाती हैं। लोगों को घरों से बाहर निकलना बंद हो जाता है।

बिना मास्क वालों के किए चालान

सिटी थाना व सिटी चौकी पुलिस की टीमें नौ बजे के बाद सड़कों पर दौड़ने वाले वाहनों के चालान काट रही हैं। बिना कारण सड़कों पर वाहनों को लेकर घूमने वालों की धड़पकड़ की जा रही है।

लॉकडाउन का नियम तोड़ने पर चालान

सिटी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अरविन्द कुमार ने बताया कि शहर के आम रास्तों से लेकर संवेदनशील कॉलोनियों में नाकाबंदी की जा रही है। ताकि संक्रमित क्षेत्र में रहने वाले लोग बाहर न निकलें। बिना कारण घरों से बाहर निकलने वालों पर सख्ती बरती जा रही है।

होम आइसोलेशन में रहने वालों को योग से भी करेंगे निरोग

गुरुग्राम। कोरोना संक्रमित होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों के लिए वर्चुअल माध्यम से योग सत्र का आयोजन किया जा रहा है, ताकि वे योग क्रियाएं करके अपने शरीर की बिमारियों से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर जल्द कोरोना को मात दे सकें और स्वस्थ हो सकें। जिला आयुष विभाग ने होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों के लिए प्रात: 9 बजे से 10 बजे तक एक घंटे का योग सेशन वर्चुअल माध्यम से शुरू किया है। इस दौरान होम आइसोलेशन में रहे रहे कोरोना संक्रमित मरीजों को उन योग क्रियाओं की जानकारी दी जाती है, जिससे उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़े तथा वे जल्दी इस बीमारी से रिकवर कर पाएं। इस वर्चुअल योग सेशन का लाभ लेने के लिए लोग जूम आईडी-89590657048 तथा पासवर्ड-538736 के माध्यम से जुड़ सकते हैं। यह वर्चुअल योग सैशन प्रतिदिन प्रात: 9 बजे से 10 बजे तक एक घंटे के लिए योग प्रशिक्षक डा. भूदेव द्वारा करवाया जाता है।

समाजसेवा को समर्पित नेहा अग्रवाल कोरोना महामारी में भी सक्रिय

सेनिटाइज, टीकाकरण व स्वच्छता के कार्य रहते हैं मुख्य एजेंडे में

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सेक्टर-56 क्षेत्र में सेनिटाइज और वैक्सीन लगवाने का कार्य करतीं नेहा अग्रवाल।

कहते हैं अगर आपके दिल में समाजसेवा करने का जज्बा है तो फिर आप इस डगर पर चल सकते हैं और समाजसेवा करके दूसरों के लिए प्रेरणा भी बन सकते हैं। ऐसी ही प्रेरणा बनी हैं गुरुग्राम के सेक्टर-56 की रहने वाली नेहा अग्रवाल।

नेहा अग्रवाल भाजपा सरस्वती मंडल की उपाध्यक्ष हैं। राजनीति को भी वे समाजसेवा का माध्यम मानते हुए पार्टी में भी कार्य कर रही हैं। कोरोना महामारी की 2020 में शुरुआत के साथ ही नेहा अग्रवाल ने समाजसेवा का दायरा बढ़ाया। उन्होंने स्वच्छता के साथ-साथ क्षेत्रों में सेनिटाइजेशन की शुरुआत की। लोगों को व्यक्तिगत रूप से कोरोना महामारी के प्रति जागरुक वे लगातार करती आ रही हैं। अब वैक्सीन आने के बाद अधिक से अधिक टीकाकरण करवाने में भी नेहा अग्रवाल की भूमिका सराहनीय है। वजीराबाद पीएचसी में लगातार डेढ़ महीने तक उन्होंने ड्यूटी दी और लोगों को वैक्सीन लगवाई। इसके साथ ही मच्छरों से बचाव को फॉगिंग आदि भी उन्होंने करवाई। नगर निगम के साथ मिलकर नेहा अग्रवाल ने कई सामाजिक कार्यो को सिरे चढ़ाया है। नेहा अग्रवाल कहती हैं कि समाजसेवा के उद्देश्य से ही उन्होंने राजनीति में कदम रखा है। इसी उद्देश्य को लेकर वे आगे बढ़ रही हैं। कोरोना महामारी पर उन्होंने कहा कि सरकार के नियमों का पालन करें, ताकि कोरोना को फैलने से रोका जा सके। ऐसा करके हम खुद को और दूसरों को कोरोना महामारी से बचा सकते हैं।

बच्चों को तनाव मुक्त रखने के लिए प्रतियोगिताएं कराएगी बाल कल्याण परिषद: उपायुक्त

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

कोरोना महामारी के संकटकालीन दौर के दौरान जब हर कोई अपने घरों में रहने को मजबूर है और बच्चे घरों में अकेलापन महसूस कर रहे हैं। ऐसे में हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद बाल कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए बच्चों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से बड़ा मंच प्रदान करने जा रही है।

ये जानकारी जिला बाल कल्याण परिषद नूंह के अध्यक्ष एवम् उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने दी। उन्होंने कहा कि कोविड-19 संकट के दौरान परिषद 17 मई से 4 जून के बीच ऑनलाइन ग्रीष्मकालीन शिविर 2021 का आयोजन करने जा रही है। जिसके माध्यम से विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ बच्चों को ऑनलाइन प्रशिक्षण देंगे। सप्ताहांत में

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ग्रीष्मकालीन शिविर-2021 के माध्यम से होंगी प्रतियोगिताएं

उन्हीं विषयों को लेकर बच्चों की विभिन्न प्रतियोगिताएं करवाई जाएंगी। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की उपलब्धता से बच्चे विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से घर बैठे अपने प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे।

उन्होंने कहा कि ऑनलाइन ग्रीष्मकालीन शिविर 2021 में विशेषज्ञ बच्चों को कोविड-19 में सकारात्मक विचारों की जागरूकता, कोविड-19 वैक्सीन लगवाने की जागरूकता, कोरोना वॉरियर्स का सम्मान बढ़ाने वाले जागरूकता समेत अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षित करेंगे और प्रशिक्षण उपरांत

धीरेंद्र खड़गटा, डीसी।

प्रवीण अत्री, महासचिव।

कमलेश शास्त्री, डीसीडब्ल्यूओ

बच्चे विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग ले सकेंगे। इन प्रतियोगिताओं में पेंटिंग, स्केचिंग, एकल लोकगीत, एकल लोक नृत्य, एकल देशभक्ति गीत ब्लॉग व अन्य गतिविधियों के माध्यम से बच्चे ऑनलाइन अपनी प्रस्तुतियां परिषद द्वारा जारी पोर्टल लिंक समरवैकेशनकैम्पडॉटइन पर अपलोड की जा सकेंगी। जो कि परिषद की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यूडॉटचाइल्डवेल्फेयरहरियाणाडॉटकॉम पर उपलब्ध रहेगा। उन्होंने कहा कि इस दौरान बच्चों को विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ साथ शारीरिक रूप से मजबूती के लिए ऑनलाइन माध्यम के द्वारा ही सूर्य नमस्कार का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा और प्रतियोगिता भी करवाई जाएगी। जिला बाल कल्याण अधिकारी कमलेश शास्त्री व जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चे कोविड-19 के कारण पिछले लंबे समय से घर बैठने को मजबूर हैं इसीलिए ऑनलाइन प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चे अपनी प्रतिभा को निखार सकेंगे। उन्हें परिषद ऑनलाइन माध्यम से बच्चों के सपनों को उड़ान देने के लिए बड़ा मंच प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि परिषद संकट की इस स्थिति के दौरान स्लम बस्तियों में सेफ्टी किट वितरित करेगी। लोगों को कोरोना महामारी से बचाव के लिए जागरूक करेगी। उन्होंने कहा कि परिषद का उद्देश्य बाल कल्याण के कार्य व गतिविधियों को प्रदेश के हर उस बच्चे तक पहुंचाना है, जिसमें प्रतिभा है लेकिन वह संसाधनों के अभाव में अपनी प्रतिभा नहीं दिखा पाता।

उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि सभी सरकार और स्वास्थ्य मंत्रालय की गाइडलाइन का पालन करें और जहां तक संभव हो अपने घरों में रहें। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी से अपना व अपने आसपास के लोगों का बचाव कर हम देश के जिम्मेदार नागरिक होने का कर्तव्य निभा सकते हैं।

कोविड केयर सेंटर का डीसी ने किया उद्घाटन

तावडू सीएचसी भवन में कोविड केयर सेंटर का उद्घाटन करते हुए जिला उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा और अन्य लोग।

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

जिले के तावडू सीएचसी में कोविड केयर सेंटर शुरू हो गया है। मंगलवार को जिला उपायुक्त धीरेंद्र खडगटा ने तावडू सीएचसी के नवनिर्मित कोविड केयर सेंटर का उद्घाटन किया। इस दौरान उनके साथ नूंह के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रशांत राणा व एम थ्री एम फाउंडेशन के संस्थापक रूप बंसल व संस्था के पदाधिकारी व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कोविड केयर का उदघाटन करने के बाद जिला उपायुक्त देवेंद्र खड़गटा ने बताया कि जिले के मांडीखेड़ा अल आफिया अस्पताल व नलहड़ मेडिकल कॉलेज में पहले से ही कोविड सेंटर संचालित है। तावडू उपमंडल के अंतर्गत कोविड के बढ़ते मामलों को देखते हुए जिला प्रशासन व तावडू क्षेत्र के लोगों की मांग पर सरकारी अस्पताल में कोविड-केयर सेंटर बनाने का निर्णय लिया गया था। जिसमें एम थ्री एम फाउंडेशन व कई संस्थाओं से जुड़े गणमान्य लोगों ने मदद की पेशकश की।

जिला उपायुक्त ने बताया कि मंगलवार को तावडू में 12 बेड का कोविड केयर सेंटर शुरू कर दिया गया है। सभी बेड पर ऑक्सीजन सिलेंडर की सुविधा उपलब्ध है। अब यहां पर मरीजों का भी उपचार शुरू होने लगेगा। बताया कि कोविड केयर सेंटर में अभी भी तेजी से काम जा रही है। यहां पर 10 वेंटिलेटर सहित 50

तावडू में इसी हफ्ते से होने लगेगा कोविड मरीजों का उपचार

बेड और लगाएं जाएंगे। उन्होंने बताया कि फिलहाल 16 ऑक्सीजन सिलेंडर सीएचसी में उपलब्ध करा दिये गए हैं। जिनके लिए लाइन बिछाई जा रही है। इसके अलावा भारी मात्रा में जरूरी उपकरण और दवाइयों का स्टॉक भी सीएचसी में पहुंच चुका है।

उन्होंने बताया कि कोविड केयर सेंटर बनने से तावडू क्षेत्र के लोगों को बड़ा लाभ होगा। उन्हें अब उपचार के लिए आसपास के भिवाड़ी, मानेसर, रेवाड़ी, फरीदाबाद व गुड़गांव के निजी अस्पतालों में नहीं जाना पड़ेगा। जिला उपायुक्त ने बताया कि नूंह जिले के अंतर्गत कोराना संक्रमण मृत्यु दर देश में सबसे कम हैं। जो जिले के लिए गर्व की बात है।

जिले के स्वास्थ्य विभाग द्वारा बहुत ही उच्च स्तरीय तरीके से कोविड-मरीजों का उपचार किया जा रहा है। मंगलवार को तावडू में कोविड केयर सेंटर उद्घाटन के अवसर पर उनके साथ तावडू एसडीएम डॉ नरेश कुमार,भाजपा नेता सूरजपाल अम्मू, अधिवक्ता रमजान चौधरी, नगर पालिका चेयरपर्सन पति आशीष गर्ग, वीरेंद्र गोयल, तावडू सीएचसी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ देवेंद्र कुमार सोलंकी, डॉ रिंकू शर्मा सहित कई गणमान्य लोग व अधिकारी मौजूद रहे।

नपा प्रशासन की लापरवाही से पुन्हाना में लगे गन्दगी के ढ़ेर

गर्ल्स और बॉयज स्कूलों के सामने जबरन डाला जा रहा है कूड़ा

नगर को सैनेटाइज करने के नाम वाहवाही लूटने का लगा आरोप

पुन्हाना। ललित गर्ग

शहर के विकास और सफाई व्यवस्था के लिए सबसे फिसड्डी रहने वाली पुन्हाना नगरपालिका को लगातार बढ़ती कोरोना महामारी में भी शहर की सफाई व्यवस्था को शायद फिक्र ही नहीं है। शहर के गली मोहल्लों और वार्डों में गंदगी का इतना बुरा आलम है कि कूड़े के ढेरों में दिन भर अवारा पशु विचरते रहते हैं। इतना ही नहीं सैनेटाइज कराने के दावे करने वाले नगर पालिका प्रशासन द्वारा किसी भी वार्ड को पूर्ण रूप को सैनेटाइज नहीं किया गया। सैनेटाइज करने के नाम पर नगरपालिका पुन्हाना मात्र खानापूर्ति करके वाहवाही लूट रही है।

शहर के वार्ड नंबर-8 में गर्ल्स स्कूल के पास फैली गंदगी पर विचरते जानवर।

नगरपालिका में कार्यरत स्टाफ लॉकडाउन के दौरान शहर में कुछ समय के लिए खुलने वाली दुकानों और मेडिकल स्टोरों पर पॉलीथिन के चालान काटने के लिए हर समय तैयार रहता है। लोगों का कहना है कि पहले कभी सफाई पर ध्यान नहीं दिया, लेकिन इस महामारी के दौरान कम से कम सफाई कर दे प्रशासन, ताकि बीमारियां फैलने का भय नहीं रहे। शहर के वार्ड नंबर-आठ निवासी सुभाष चंद्र, सचिन सोनी, पवन कुमार, विकास, अमन, नरेश आदि ने बताया कि गर्ल्स व बॉयज स्कूल के सामने पिछले काफी समय से जबरन कूड़ा डाला जा रहा है। जो पिछले लगभग डेढ़ सप्ताह से नगर पालिका द्वारा कूड़ा नहीं उठाया गया है। जिसके चलते गली में गंदगी के कारण बदबू फैली हुई है। उन्होंने बताया कि कूड़े से उठने वाली बदबू से लोगों का जीना मुहाल हो गया है। इसके अलावा हाट बाजार, पंजाबी कॉलोनी, पुराना अस्पताल चौराहा इत्यादि में प्रतिदिन कूड़े के ढेरों पर अवारा पशुओं का विचरना आम बात है। ऐसे में इलाके में अन्य बीमारियां भी फैल सकती हैं। लोगों का आरोप है कि उन्होंने कई बार नगर पालिका प्रशासन के अधिकारियों से तथा सफाई कर्मचारियों से कूड़ा उठाने के लिए कहा है, परंतु नगरपालिका प्रशासन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। लोगों ने बताया कि नगरपालिका प्रशासन दिन भर सफाई कर्मचारियों को लेकर शहर में घूम कर दुकानदारों को तंग करता रहता है। कहीं भीड़ के नाम पर तो कहीं पॉलीथिन के नाम पर लॉकडाउन की मार झेल रहे दुकानदारों का चालान काटते रहते हैं। लोगों का कहना है कि नगरपालिका के कर्मचारियों का रवैया चालान काटते समय बेहद अपमानजनक होता है, अगर कोई दुकानदार एतराज करता है तो उसे झूठे मुकदमों में फंसाने तक की धमकी दी जाती है। स्थानीय लोगों ने बताया कि नगर पालिका अपने मूलभूत काम को छोड़कर दुकानदारों को तंग करने में व्यस्त हैं। उन्होंने जिला उपायुक्त धीरेंद्र खड़खटा से मांग की है कि नगर पालिका प्रशासन के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई कर उन्हें गंदगी से निजात दिलाई जाए।

लॉकडाउन में ईद की नमाज घर से अदा करें: मुफ्ती जाहिद

दीपक कुमार। नूंह

बड़ा मदरसा नूंह के संचालक मुफ्ती जाहिद हुसैन ने लॉकडाउन में और कोरोना के बढ़ते संकट को देखते हुए अपील की है कि लोग ईद की नमाज घर से ही अदा करें। स्वास्थ्य विभाग की गाइडलाइंस का भी पालन करें। मुफ्ती जाहिद हुसैन ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जो गाइडलाइन प्रशासन की तरफ से जारी की गई है उन्हीं का पालन करते हुए हमें अपने घरों में रहकर सोशल डिस्टेंस को रखते हुए ईद उल फितर की नमाज अदा करनी है।

मुफ्ती जाहिद हुसैन ने कहा कि यह महामारी सिर्फ एक प्रदेश व देश में नहीं बल्कि दुनिया भर में फैली हुई है। इस बीमारी को सोशल डिस्टेंस से ही हराया जा सकता है। लिहाजा कोरोना के बढ़ते संकट को देखते हुए भीड़ में कहीं भी नमाज नहीं पढ़नी है। मुफ्ती जाहिद हुसैन ने कहा कि मास्क इत्यादि का इस्तेमाल करें, लोग अपने घरों, बैठकों इत्यादि में नमाज अदा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बेवजह लोग गांव से कस्बे या शहर में ना आए और अगर जरूरत भी हो तो भी बच्चे और बुजुर्ग तो घर पर ही रहें। मुफ्ती जाहिद हुसैन ने कहा कि इस ईद पर दुआ करें कि इस महामारी से जल्द से जल्द लोगों को छुटकारा

बड़ा मदरसा नूंह के संचालक मुफ्ती जाहिद हुसैन।

मिले। उपायुक्त धीरेन्द्र खड़गटा ने जिलावसियों को ईद उल फितर की हार्दिक बधाई दी। उन्होंने लोगों से अपील की है कि सभी लोगों ईद उल फितर की नमाज अपने घरों में रहकर ही पढ़ें और सरकार द्वारा जारी की गई गाइड लाइंस का पूरा पालन करें। उन्होंने आम जन से अपील करते हुए कहा कि बिना किसी वजह के लोग अपने गांव से बाजार में न आए और अपने घरों से बाहर न निकले यादि निकले को मास्क का प्रयोग अवश्य करें। उन्होंने लोगों से कहा कि ईद के दौरान लोग एक-दूसरे के घर जाते हैं तो इस बार लोगों को इस महामारी के देखते हुए अपने घरों में रहना है। उन्होंने जिले के युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वो ईद के मौके पर बाजारों में न घूमें और अपने घरों में रहें। उन्होंने कहा कि हम आने समय में घरों में रहकर सुरिक्षत ईद मना सकेंगे। इसके लिए सभी लोग अपने घरों में रहें।

विवाह में होंगे सिर्फ 11 व्यक्ति बारात भी नहीं निकाल सकेंगे

महामारी अलर्ट-सुरक्षित हरियाणा को लेकर डीसी ने जारी किए दिशा निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

कोरोना वायरस की खतरनाक रफ्तार को देखते हुए राज्य सरकार ने प्रदेश में 10 से 17 मई तक महामारी अलर्ट-सुरक्षित हरियाणा को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसी कड़ी में जिलाधीश एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के चेयरमैन धीरेन्द्र खड़गटा ने 10 मई से 17 मई की सुबह 5 बजे तक जिला नूंह में महामारी अलर्ट-सुरक्षित हरियाणा के तहत जारी आदेशों की पालना सुनिश्चित करवाने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं।

उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा कोरोना के संक्रमण को कम करने को लेकर 9 मई को जारी आदेशों में कहा गया है कि विवाह समारोह व अंतिम-संस्कार में 11 व्यक्ति शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा कोर्ट या घर में विवाह के कार्यक्रम होंगे, जिसमें भी 11 व्यक्ति शामिल हो सकते हैं। बारात निकालने की अनुमति नहीं मिलेगी। जिलाधीश ने कहा कि महामारी अलर्ट-सुरक्षित हरियाणा के तहत जारी आदेशों की अनुपालना करते हुए जिला में सभी नागरिक घरों में ही रहें। किसी भी नागरिक को उपरोक्त अवधि में पैदल या किसी वाहन से सडक् पर या सार्वजनिक स्थान पर घूमने की अनुमति नहीं होगी।

डीडीएमए चेयरमैन धीरेन्द्र खड़गटा ने बताया कि इसके अलावा कोरोना संक्रमण की रोकथाम व बचाव को लेकर जिला प्रशासन द्वारा पूर्व में जारी किए गए दिशा निर्देश आगामी 17 मई की सुबह 5 बजे तक लागू रहेंगे। जिला में जिन व्यक्तियों और सेवाओं को छूट दी गई है उनमें ऐसे लोग जो लॉ एंड आर्डर या आपात सेवाओं में तैनात होंगे, इनमें म्यूनिसिपल सेवाएं, पुलिस, सेना, सीएपीएफ के वर्दीधारी कर्मचारी, स्वास्थ्य, बिजली, अग्नि शमन, मीडियाकर्मी, कोविड-19 के अंतर्गत काम कर रहे सरकारी कर्मचारी शामिल हैं। इस अवधि के दौरान पहचान पत्र दिखाकर इन्हें आने-जाने में छूट मिल सकेगी। इसके अलावा किसी परीक्षा में शामिल होने के लिए या परीक्षा में ड्यूटी आदि पर जाने वाले लोगो को भी एडमिट कार्ड, पहचान पत्र दिखाकर आने-जाने में छूट रहेगी। आवश्यक वस्तुओं के निर्माण में लगे लोगों पर भी आने-जाने में कोई रोक नहीं होगी।

जिला के अंदर व बाहर आवश्यक वस्तुओं को ले जा रहे वाहनों पर भी कोई रोक नहीं होगी। ऐसे कार्यों में लगे वाहनों को पास उपलब्ध करवाए जाएंगे। ये पास लोडिंग व अंलोडिंग के स्थानों की वैरीफिकेशन के बाद जारी होंगे।

जिले में कोरोना से दो मौत, 140 नए केस आए

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

जिले में मंगलवार को कोरोना के 140 नए केस आए वहीं दो लोगों की मौत भी हुई। इस दौरान 168 लोग कोरोना को हराकर अपने घर लौटे। कोरोना से हुई दो मौत में तावडू खंड के गांव पीपाका से एक 66 वर्षीय बुजुर्ग शामिल है इनको 5 मई को परिजनों ने मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया।

जहां पर इलाज के दौरान 6 मई को दम तोड़ दिया। इनके कोरोना की पुष्टि बाद में हुई। इसके अलावा कोरोना से दूसरी मौत कोरोना से तावडू के खोरी कलां निवासी एक 45 वर्षीय व्यक्ति की हुई। इनको भी परिजनों ने 5 मई को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था। 6 मई को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बाद में कोरोना की पुष्टि हो पाई। मंगलवार को जिले में 140 नए मामलों में जिले के नूंह खंड में 54, इंडरी 4, तावडू 42, पिनगवां 1, पुन्हाना 7, नगीना 14 व फिरोजपुर झिरका में 18 नए मामले आए। अब जिले में कोरोना का 595 एक्टिव मरीज है। जिले में एक्टिव संक्रमित की यह संख्या पहली बार यहां तक पहुंची है। जिले में अभी 2081 लोगों की रिपोर्ट आना बाकि है। अभी भी जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा हर दिन लगभग 800 मरीजों की जांच की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा यह सैंपल आरटीपीसीआर एवं रेपिड एंटीजन टेस्टिंग किट द्वारा लिए जा रहे हैं।

विभाग के अभी भी लोगों को कोरोना के प्रकोप से बचने के लिए मास्क लगाना, बार-बार साबुन से हाथ धोना और 2 गज की दूरी बना कर रखने के सख्त निर्देश दिए गए है। जिले में अब तक कोरोना के 3948 मामले सामने आए हैं। जिनमें अब तक 3304 मरीज ठीक हो गए हैं। वहीं कोरोना से जिले में अब तक 49 लोगों की मौत हो चुकी है। जिले में अब तक 85415 लोगों को सर्विलांस पर लिया जा चुका है, जिनमें से 64149 लोगों का निगरानी में रखने का पीरियड पूरा हो चुका है। शेष 21266 लोग अंडर सर्विलांस हैं। अब तक 241984 लोगों के सैंपल लैब में भेजे जा चुके हैं जिनमें से 235106 की नेगेटिव रिपोर्ट मिली है।

हमें गांव में ओवररेटिंग और जमाखोरी से बचाओ, डीसी सर

सेनायत खां। फिरोजपुर झिरका

जिले में कोरोना के चलते लॉकडाउन की मार से बेबस लोगों को ग्रामीणांचल में महंगा समान खरीद कर दोहरी मार का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को विवश होकर शासन के कारण गांवों में चल रही दुकानों से पेय पदार्थ, बीड़ी, दाल, तम्बाकू गुटका आदि के अलावा रोजमर्रा का समान महंगे दामों में खरीदना पड़ रहा है।

चितोडा के जाकिर हुसैन, महू के मुंशी,पथराली के सलीम, रावली के जफरुद्दीन ने कहा कि स्थानीय

दुकानों पर दाल, बीड़ी, पेयपदार्थ, तम्बाकू और गुटखा बिक रहे बहुत महंगे

प्रशासन को गांवो के दुकानदारों द्वारा महंगे में बेचे जा रहे समान पर पूर्ण रूप से पाबन्दी लगानी चाहिए तथा जनहित में ग्रामीण दुकानदारो के खिलाफ सख्त कार्यवाई करने की मांग की है।

कोरोनो के बढ़ते रोगियों से भले ही जिले या प्रदेश में हाहाकार मच रहा हो लेकिन रोजमर्रा के समान बेचने वाले दुकानदारों की चांदी हो रही है। लाकडाउन में बाजार बंद होने के कारण लोग अपने घरों में बंद हैं। मजबूरी में गांवों में दुकानदारों से ग्रामीणों को बीड़ी, सिगरेट, तम्बाकू गुटका, दाल, चावल, चीनी, चावल आदि पेयपदार्थ व हरी सब्जी आदि महंगे भावों में खरीदनी पड़ रही है। ग्रामीण विरोध भी करे तो दुकानदार समान देना बंद कर देते हैं। ऐसी स्थिति का दुकानदार खूब फायदा उठा रहे हैं। एक ओर तो आमजन लॉकडाउन से जूझ कर रोजीरोटी से हाथ धो बैठे हैं, दूसरी तरफ महंगाई की मार सहने पर मजबूर हैं।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- तरुण सतीजा दुकान नंबर 3689 निकट काबली गुरुद्वारा एसजीएम नगर 7701965422
- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

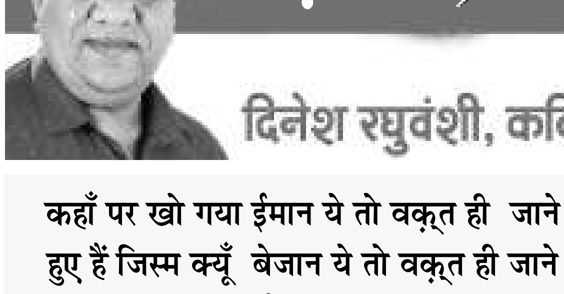

कहाँ पर खो गया ईमान ये तो वक़्त ही जाने
हुए हैं जिस्म क्यूँ बेजान ये तो वक़्त ही जाने
बहुत कुछ कह रही हैं पानियों में बह रही लाशें
मरा है तँत्र या इँसान ये तो वक़्त ही जाने

मई महीने में कार्डधारकों को निर्धारित बढ़ा राशन मुहैया कराया जाएगा: डीसी

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

एएवाई, बीपीएल व ओपीएच केटैगरी के कार्डधारकों को मास मई 2021 में सरकार द्वारा निर्धारित राशन प्रदान किया जाएगा। ये जानकारी देते हुए उपायुक्त धीरेन्द्र खड़गटा ने बताया कि मास मई 2021 का राशन सोशल डिस्टेंस की पालना करते राशन का सरकार की व्यवस्थाओं के अनुसार वितरित करना है।

एएवाई राशन कार्ड पर रेगुलर एलोकेशन के तहत एक बार 25 किलो गेहूं प्रति राशन कार्ड 02 रुपये प्रति किलो से दिया जाएगा। दो लीटर सरसों तेल 20 रुपये प्रति लीटर/एक किलो चीनी 13.50 प्रति/दस किलो बाजरा प्रति राशन कार्ड एक रुपये प्रति किलो/ एक किलो नमक 6 रुपये प्रति किलो के हिसाब से दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त पांच

डिपो धारकों से राशन की पीओसी रसीद अवश्य प्राप्त करें

तय मात्रा से कम या अधिक कीमत वसूलने पर कंट्रोल रूम में करें शिकायत

किलोग्राम गेंहू अतिरिक्त प्रति व्यक्ति/यूनिट इस राशन कार्ड धारक को नि:शुल्क प्रदान किया जायेगा। बीपीएल राशन कार्ड पर मास मई 2021 में तीन किलो/प्रति यूनिट के दो रुपए प्रति किलो, हिसाब से गेहू व दो लीटर तेल/एक किलो चीनी/दो किलो बाजरा प्रति व्यक्ति / एक किलो नमक सहित इस राशन व इसके अतिरिक्त पांच किलो गेंहू प्रति व्यक्ति नि:शुल्क प्रदान किया जायेगा। ओपीएच राशन कार्ड पर मास मई 2021 में तीन किलो गेंहू/प्रति यूनिट दो रुपये प्रति किलोग्राम दो किलो बाजरा प्रति व्यक्ति यूनिट एक रुपये प्रति किलो के हिसाब तथा पांच किलोग्राम गेहूं प्रति व्यक्ति नि:शुल्क प्रदान किया जायेगा।

हरियाणा सरकार द्वारा मास मई 2021 में एएवाई व बीपीएल राशन कार्ड धारकों को गेंहू, चीनी, सरसों का तेल व नमक इस निर्धारित कीमत के अनुसार उपलब्ध करवाया जाएगा। ओपीएच राशन कार्डो धारकों को केवल गेंहू इस निर्धारित कीमत अनुसार उपलब्ध करवाया जाएगा। इसके अतिरिक्त पीएमजीकेएवाई योजना के अंतर्गत इन सभी श्रेणी के राशन कार्ड धारकों को इस निर्धारित मात्रा अनुसार पांच किलो गेहूं प्रति व्यक्ति नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। सभी राशन कार्ड धारकों से अनुरोध है कि वह डिपो धारकों से राशन की पीओसी रशीद स्लिप अवश्य प्राप्त करें।

सभी निरीक्षकों को राशन वितरण के दौरान सोशल डिस्टेंस का सख्ती से पालन करवाने व सभी डिपो स्थलों को प्रतिदिन सुबह से शाम तक खुलवाने बारे निर्देश दे दिए हैं। यदि किसी डिपो धारक द्वारा सोशल डिस्टेंस में कोई कोताही बरती गई तो उसके विरुद्ध विभाग द्वारा कडी कार्यवाही की जाएगी। यदि किसी बीपीएल, एएवाई, ओपीएच कार्ड धारक को डिपू धारक से वर्णित राशन प्राप्त होने में कठिनाई आती है तो वह उसके निवारण के लिए जिला के कंट्रोल रूम तथा खाद्य एवं आपूर्ति विभाग से संपर्क कर सकता है।

पायनियर क्लासीफाइड

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री हरज्ञान सिंह पुत्र श्री भूदेव सिंह निवासी मकान न. क्यू-20/374, एस.सी. नगर एनआईटी फरीदाबाद, हरियाण का रहने वाला है यह कि मेरे मुवक्किल का पुत्र राहुल सिंह व पुत्रवधू उपासना पत्नी राहुल सिंह निवासीगण मकान न. 1428, ब्लॉक-सी, एस.जी.एम. नगर, फरीदाबाद मेरे मुवक्किल व उसके परिवार की कोई बात नहीं मानते है गाली-गलौच व मार पिटाई करने पर उतारु हो जाते हैं मेरे मुवक्किल व उसके परिवार को झूठे केस में फंसाने की धमकी देते हैं। इसलिए मेरे मुवक्किल ने अपने पुत्र राहुल सिंह व पुत्रवधू उपासना को अपनी तमाम चल-अचल सम्पत्तियों से बेदखल कर सारे सम्बन्ध विच्छेद कर लिए हैं। भविष्य में जो भी इन दोनों के साथ लेन-देन करेगा या किसी भी प्रकार का व्यवहार करेगा उसके लिए वह स्वयं जिम्मेवार होंगे। मेरे मुवक्किल व उसके परिवार के सदस्यों की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।
राजेश अहलावत, अधिवक्ता, फरीदाबाद

मेवात की खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें
बेदखली सूचना, नाम परिवर्तन, गुमशुदगी, रस्म पगड़ी इत्यादि के विज्ञापन सस्ते दरों पर प्रकाशित करवाने के लिए पायनियर परिवार से जुड़िए
कासिम खान
ब्यूरो प्रमुख (साउथ हरियाणा)
9050976800
9416103259
ओल्ड थाना पिनगवां के सामने मत्री मार्केट पिनगवां, मेवात।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा -201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक : चंदन मित्रा, स्थानीय सम्पादक : प्रवीण मोहंती । दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किये गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

ममता की विजय

विपक्षी एकता का सपना

सवाल है कि क्या ममता की विजय से विपक्षी एकता की संभावनायें प्रबल होंगी और ज्यादा महत्वपूर्ण रूप से क्या कांग्रेस इसके केन्द्र में होगी? पश्चिम बंगाल में भाजपा द्वारा सत्ता पर कब्जा करने के सुनियोजित प्रयास के बावजूद ममता बनर्जी की विजय ने विपक्षी नेतृत्व को एक बार फिर 2024 के काफी पहले भाजपा-विरोधी गठबंधन का सपना देखने का अवसर दे दिया है। उसकी भावना में यह उत्साह अतीत में भी आया था, पर वर्तमान मामला एकदम अलग है। पश्चित बंगाल की विजय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह द्वारा किए अभूतपूर्व प्रयास को विफल कर एक कठोर संदेश दिया है। दूसरे क्षत्रपों ने भी ममता की तारीफ की है, पर ज्यादा महत्वपूर्ण जदयू संसदीय बोर्ड सदस्य उपेन्द्र कुशवाहा द्वारा किया ट्वीट था। उन्होंने कहा था कि ममता बनर्जी ने भाजपा द्वारा बनाया 'चक्रव्यूह' तोड़ दिया है। बिहार में भाजपा की सत्तारूढ़ सहयोगी द्वारा किए ट्वीट से लोगों की भौंहें चढ़ गईं और एक लहर दौड़ गई। शिवसेना के संजय राउत ने यह विमर्श आगे बढ़ाते हुए कहा कि न केवल कमजोर होती कांग्रेस किसी विपक्षी गठबंधन की 'आत्मा' होगी, बल्कि उन्होंने महाराष्ट्र की महाविकास अघाड़ी-एमवीए को राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ राजनीतिक गठबंधन का माडल भी बता दिया। विपक्ष शासित राज्यों में ममता की विजय की सकारात्मक स्वीकृति ने स्वत: ही एक साझा राष्ट्रीय मोर्चे की ओर आगे कदम बढ़ा दिए हैं और ऐसी संभावना की ओर संकेत किए हैं। लेकिन पहले इसके लिए अनेक शर्तें पूरी करनी होंगी। उदाहरण के लिए उत्तर प्रदेश विधानसभा के अगले चुनाव में क्या सपा और बसपा किसी चुनावी समझदारी तक पहुंच सकते हैं? क्या वाम और आप तथा तृणमूल कांग्रेस पंजाब में कांग्रेस और अकाली दल भाजपा के खिलाफ सीधी लड़ाई की अनुमति दे सकते हैं? दोनों राज्य विपक्षी प्रतिबद्धता की परीक्षा लेंगे, जबकि उत्तर प्रदेश के परिणाम सर्वाधिक महत्वपूर्ण होंगे। क्षेत्रीय नेता एकजुट होने की दिशा में अपनी साझा समस्याओं पर विचार करने की दिशा में बढ़ रहे हैं, जबकि कांग्रेस की ऐसे प्रयासों पर नजर है तथा भाजपा उनके प्रयासों को विफल करना चाहती है। क्या भाजपा के खिलाफ संयुक्त मोर्चे का प्रयास केन्द्र व राज्यों में अलग-अलग विकेन्द्रित एकता का फार्मूला पेश करेगा? इसका एक रास्ता कोविड-19 चुनौती का सामना करने में अपने बीच दुहरे संवाद का अवसर प्रदान करना है। कांग्रेस स्वत: ही 'आत्मा' होने का दावा केवल इसलिए नहीं कर सकती है कि नेतृत्व इसे पसंद करता है, तथा विपक्षी एकता उसके पक्ष में है और इससे वह विपक्षी शिविर में सबसे ऊंची कुर्सी पर विराजमान हो सकती है। कांग्रेस ने महाराष्ट्र में सबसे छोटा सहयोगी होने की परिपक्वता दिखाई है। वह विश्वास कर सकती है कि क्षत्रप अपने राज्यों को छोड़ कर राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक नुकसान के भय से भूमिका नहीं निभाएंगे तथा कांग्रेस के लिए विकल्प खुला छोड़ देंगे। एमवीए माडल इसलिए कारगर हुआ क्योंकि शिवसेना, रांकापा व कांग्रेस को अपने मतभेद छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। उल्लेखनीय है कि शिवसेना ने अनिल देशमुख के मामले में हस्तक्षेप नहीं किया और इसका समाधान रांकापा पर छोड़ दिया। इसके साथ ही सभी साझीदारों ने राज्य चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया जिससे गठबंधन को गति मिली। इसलिए सवाल यह है कि क्या विपक्ष को पहले एक गठबंधन के नेता की तलाश करनी चाहिए? वर्तमान समय में कांग्रेस से 6 प्रधानमंत्री उम्मीदवार सामने आ चुके हैं और इतने ही विपक्षी पूर्व कांग्रेसी, लेकिन गैर-भाजपा दलों की ओर से सामने हैं। सवाल है कि यह गतिरोध कौन तोड़ेगा?

महामारी काल में नेतृत्व की परीक्षा

पहली लहर के बाद महामारी से निपटने के लिए केंद्र व राज्यों को बहुत कुछ करने की आवश्यकता थी, लेकिन उन्होंने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई।

दीपक सिन्हा
(लेखक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी हैं)

वर्तमान समय में हमारे चारों ओर विद्यमान अंधेरे और अराजकता के बावजूद निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि यह दौर भी बीत जाएगा। असंदिग्ध रूप से इसका खामियाजा त्रासद रूप से बहुत बड़ा होगा। ऐसा लगता है कि जैसे हम रोज सामने आ रहे आघात व हृदयविदारक घटनाओं से निपटने के लिए कुछ नहीं कर सकते हैं। तथ्य यह है कि अपने स्वास्थ्य ढांचे की स्थिति तथा सरकार की निष्क्रियता को देखते हुए हमें महामारी की पहली लहर के बहुत भयानक प्रभाव की आशंका थी। ऐसा खासकर उसके द्वारा पूरी तरह डोनाल्ड ट्रंप की यात्रा पर ध्यान देने के बाद लगा, जबकि विपक्ष नागरिकता संशोधन कानून तथा दिल्ली दंगों पर ध्यान दे रहा था। लेकिन अभी हम पूरी तरह नहीं समझ पाए हैं कि किन कारणों से ऐसा नहीं हुआ और हम ज्यादा मुसीबत से बच सके। कुछ लोगों का तर्क है कि इसका कारण सामान्य रूप से स्वच्छता के हमारे खराब मानक हैं जिनके कारण वायरस से पैदा बीमारी ने हमारे ऊपर ज्यादा असर नहीं डाला। स्पष्ट रूप से इसके कारण अपने प्रति विकृत विश्वास, अहंकार और लापरवाही की भावना हावी हो गई। इससे हमने सामान्य समझदारी और मूलभूत विज्ञान से पल्ला झाड़ लिया जिसका नतीजा जल्द ही जीवन के महामारी-पूर्व स्थिति में आने के रूप में सामने आया।

यह कहना काफी होगा कि पहली लहर से निपटने का काम जिम्मेदार लोगों ने शुरुआती चरण में लापरवाही के साथ किया और बाद में वे घबराहट के शिकार हो गए। ऐसा खासकर यूरोप, अमेरिका और दक्षिण अमेरिका में फैली बदहाली देखने के बाद हुआ। हमने खुद को फौरन थोड़े ही समय में घरों में बंद कर लिया और इस बात की चिन्ता नहीं की कि कम सौभाग्यशाली दिहाड़ी मजदूर जैसे लोग क्या करेंगे जिनकी आजीविका रातोंरात छिन गई थी। राज्य उनकी पीड़ा के समाधान का पूर्वानुमान करने में अक्षम रहा जिसका परिणाम देश विभाजन के बाद सबसे बड़े पलायन के रूप में सामने आया। पलायन करने वालों ने वापस अपने गांवों की सुरक्षा में पहुंचने का फैसला किया तथा कुछ ने इसके लिए हजारों किलोमीटर की पैदल यात्रा का जोखिम उठाया। उनकी मुसीबत केन्द्र तथा अधिकांश राज्य सरकारों की प्रतिक्रिया से और बढ़ी। सरकारों ने पूरी बर्बरता का व्यवहार किया जिसमें संवेदना और सद्भावना का अता-पता नहीं था। इसके परिणामस्वरूप हजारों लोगों की रास्ते में ही जान चली गई। सरकार संभवत: इस तथ्य से भी अनजान थी कि विभाजन के समय तत्कालीन लड़खड़ाती सरकार ने भी सेना का प्रयोग कर सेना निकास संगठन बनाया था जो शरणार्थियों के आवागमन में समन्वय स्थापित कर उनकी अपने गंतव्य तक पहुंचने की तुलनात्मक सुरक्षा सुनिश्चित करता था।

इसके एकदम उलट, सरकार के सामने आए गंभीर खतरे के बावजूद सेना केवल मूक प्रत्यक्षदर्शी बनी रही, जबकि अनेक 'महत्वपूर्ण' अवसरों पर उसका प्रयोग होता रहा जिनमें अस्पताल कर्मचारियों व अन्य फ्रंटलाइन कर्मियों तथा अस्पतालों व पुलिस स्मृतियों पर हेलीकाप्टर से फूल बरसाना शामिल है। वर्तमान समय में भी आरोप लग रहे हैं कि सेना का प्रयोग केवल कुछ वीआईपी राजनेताओं के निर्वाचन क्षेत्रों में फील्ड अस्पताल बनाने के लिए हो रहा है। पीछे देखने पर स्पष्ट होता है कि ऐसी आपातस्थिति से निपटने में हमारी व्यवस्थाओं और प्रक्रियाओं ने उस तरह काम नहीं किया जैसा केरल में हमारे सामने आया था। यदि अधिकांश मंत्रालय और नौकरशाह अपनी जिम्मेदारी का क्रियान्वयन सुनिश्चित करते तो ऐसा न होता। उन्होंने अपने विवेक या उसके अभाव के कारण एनडीएमए के विस्तृत दिशानिर्देशों व एसओपी का पालन करने के बजाय उनको घृणा से देखा तथा लाखों लोगों को अपनी समस्याओं से निपटने के लिए अकेला छोड़ दिया।

> **अंतर्निहित घमंड तथा विश्वास के तहत, सरकार ने अपनी आंखें फेर लीं तथा अपने ही सलाहकार समूह द्वारा दी गई यह सलाह अस्वीकार कर दी कि भयानक प्रभाव वाली दूसरी लहर आने की आशंका है। पीछे देखने पर स्पष्ट होता है कि ऐसी आपातस्थिति से निपटने में हमारी व्यवस्थाओं और प्रक्रियाओं ने उस तरह काम नहीं किया जैसा केरल में हमारे सामने आया था।**

इस अंतर्निहित घमंड तथा विश्वास के तहत, कि हमने महामारी को पीछे छोड़ दिया है, सरकार ने इससे अपनी आंखें फेर लीं। उसने मार्च के प्रारम्भ में अपने ही सलाहकार समूह द्वारा दी गई यह सलाह अस्वीकार कर दी कि भयानक प्रभाव वाली दूसरी लहर आने की आशंका है। इसके परिणामस्वरूप उसने पहले तैयार ढांचागत संरचनाओं तथा प्रक्रियागत कमियों में सुधार के बजाय ज्यादा बुरे तरीके से उन लोगों को कमियों और गलतियों के लिए जिम्मेदार ठहराने से इनकार किया जिनके कारण हजारों लोगों की अनावश्यक मौतों से बचा जा सकता था। कुल मिला कर सरकार का ध्यान नागरिकों की बेहतरी की चिन्ता करने के बजाया सत्ता व सम्मान प्राप्त करने पर अधिक था। सिविल सोसाइटी ने भी पूरी लापरवाही बरती, विभाजित विपक्ष का नेतृत्व ऐसी पार्टी के हाथ में था जो स्वयं अपनी मृत्यु की प्रतीक्षा कर रही है तथा सरकार-समर्थक मीडिया इन मुद्दों पर खामोश रहा। ऐसा कर हमने अपने दृष्कृत्यों पर लीपापोती की तथा गलत विमर्श व विजय का प्रदर्शन किया।

हालांकि, प्रधानमंत्री के पास अपने सुरक्षित रेसकोर्स रोड कार्यालय से बाहर न निकलने के उचित कारण थे और उन्होंने वहीं से नेतृत्व करना पसंद किया। लेकिन उनको गौर करना चाहिए था कि अन्य नेताओं की जनता में उपस्थिति जरूरी है, नहीं तो वे निष्प्रभावी हो जाएंगे। मजेदार बात है कि युद्धक्षेत्र से सेना के किसी कमांडर की अनुपस्थिति से उसे फौरन नेतृत्व से हटा दिया जाता और इसके लिए यदि उसकी कायरता नहीं तो भी अक्षमता को जिम्मेदार बताया जाता। सरकार चाहे जो प्रदर्शित करने का प्रयास करे, पर अनेक आलोचकों की नजर में मोदी का पहले वाला करिश्मा और छवि अब कमजोर हो गई है।

विभीषिका की जिम्मेदारी स्वीकार न करने की उनकी इच्छा से लगता है कि अब उनमें नैतिक दृढ़ता की कमी आ गई है। ऐसे में सवाल उठता है कि सरकार और प्रधानमंत्री क्या सही कदम उठा कर एक बार फिर अपनी आक्रामकता प्रदर्शित करेंगे। जल्द ही हमें इस सवाल का जवाब मिल जाएगा। लेकिन हमें समझ लेना चाहिए कि समस्याओं से सीधे टकराने तथा उनसे निपटने वाली उनकी छवि और सम्मान प्रभावित हुआ है। वे जनता से सीधे जुड़े रहते हैं, पर इस महामारी के समय में उनकी यह क्षमता नहीं दिखाई पड़ी है। बार्ड ने हमेशा की तरह विद्वतापूर्ण ढंग से लिखा था, 'मनुष्य जो बुराई करता है वह उसके बाद भी जीवित रहती है तथा अच्छाई अक्सर उसकी हड्डियों के साथ दफन हो जाती है।'

कोरोना काल में नैतिक मानदंडों का क्षरण

सुमित मेदीरत्ता
(लेखक अपोलो अस्पताल में न्यूरोसर्जन हैं)

अफसोस की बात है कि पूरे देश में लोग जबरन वसूली का सामना कर रहे हैं और आवश्यक दवा, ऑक्सीजन, एम्बुलेंस इत्यादि प्राप्त करने के लिए बड़े भुगतान करने के लिए मजबूर हो रहे हैं।

जब से कोविड -19 संक्रमणों की दूसरी लहर ने हमारे देश को हिला दिया है, इसने कई लोगों के नैतिक मूल्यों को भी हिला दिया है। पूरे देश में गंभीर जबरन वसूली का सामना कर रहे लोगों की कोई भी संख्या है और आवश्यक दवा, ऑक्सीजन, एम्बुलेंस सेवा और अस्पतालों के बेड प्राप्त करने के लिए बड़े भुगतान करने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

शायद एक कारण है कि लोगों ने बर्ताव किया है और इस तरह के शर्मनाक तरीके से व्यवहार करना जारी रखते हैं। विस्तारित अवधि के दौरान आजीविका की हानि और आजीविका में गिरावट के बाद से महामारी ने कई लोगों के नैतिक और नैतिक मूल्यों को हिला दिया है। लेकिन यह अभी भी ऐसी कार्रवाइयों को सही नहीं ठहराता जब किसी की जिंदगी दांव पर लगी हो। अधिकतम खुदरा मूल्य 3,500 रुपये प्रति डोज़ होने पर यह 40,000 रुपये के रेमेडिसविर के इंजेक्शन को बेचने के लिए उचित नहीं है। कुछ गिरफ्तारियां की गई हैं, लेकिन यह व्यापार देश के कई हिस्सों में बेरोकटोक जारी है।

जब किसी का प्रिय व्यक्ति सांस लेने और जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहा होता है, तो लोग बड़ी रकम निकालने के लिए मजबूर हो जाते हैं। उत्पादन इकाइयों से इस दवा के स्रोत के लिए लोगों ने दिल्ली से मुंबई और हैदराबाद के लिए उड़ान भरी है। चूँकि यह एक निर्धारित दवा है और इसे केवल एक चिकित्सा व्यवसायी की देखरेख में दिए जाने की अनुमति है, इसलिए सरकार को फार्मेसियों के लिए यह दवा सीधे अस्पताल या नर्सिंग होम में बेचनी चाहिए, डॉक्टर के पर्चे के आधार पर, जहां मरीज भर्ती हैं। अस्पताल के बिल के साथ मरीज इसके लिए भुगतान कर सकते थे। यह पूरी पारदर्शिता के साथ होगा और कालाबाजारी के साथ जमाखोरी से निपटेगा।

अन्य बहुत बड़ा मुद्दा मेडिकल ऑक्सीजन की कमी रहा है। कोविड संकट से निपटने के लिए केंद्र को दैनिक आधार पर दिल्ली को 700 मीट्रिक टन मेडिकल ऑक्सीजन उपलब्ध कराने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद, दिल्ली अभी भी अपने हिस्से के लिए हांफ रही है और अरविंद केजरीवाल सरकार को पाने के लिए स्तम्भ से चल रही है इसका आवंटित कोटा है।

अन्य राज्यों में भी ऐसी ही विकट स्थिति विद्यमान है। छोटे अस्पतालों और कोविड देखभाल सुविधाओं में, रोगियों को अपनी ऑक्सीजन लाने के लिए कहा जा रहा है। लोग सिलेंडर भरने के लिए एक साथ घंटों तक ऑक्सीजन संयंत्रों के बाहर डेरा डाले हुए हैं। एक सामान्य सिलेंडर जिसकी कीमत पहले 600 रुपये 800 थी, उसे बेईमान लोग 20,000 रुपये में बेच रहे हैं। गुरुद्वारों ने अपने परिसर में अन्य धार्मिक स्थानों के रूप में ऑक्सीजन वितरित करना शुरू कर दिया है, जिससे कुछ दर्द कम हो जाते हैं। फिर भी, इस स्वाभाविक रूप से उपलब्ध उत्पाद की निरंतर कमी के साथ जीवन तीव्र गति से खो रहा है। जो लोग ऑक्सीजन सिलिंडर की पकड़ में नहीं आ सकते थे, वे बिना रिफिल किए ऑक्सीजन की आपूर्ति करने के लिए ऑक्सीजन सांद्रता की तलाश करने लगे। रात भर, ऑक्सीजन सांद्रता बाजार से गायब हो गई, हर ब्रांड का हर उपलब्ध टुकड़ा लिया गया और फिर सामान्य रूप से काला विपणन शुरू किया गया। एक ब्रांडेड हृष्ट जिसकी कीमत आमतौर पर 40,000 रुपये है, ब्लैक मार्केट में वारंटी के बिना घटिया चीनी उत्पादों के लिए लगभग 90,000 रुपये में बेचा जा रहा है, और तात्कालिकता और हताशा के आधार पर 1.5 लाख रुपये तक जाता है। दिल्ली में मेडिकल ऑक्सीजन के उत्पादन में वृद्धि के साथ उम्मीद है कि चीजें बेहतर हो जाएंगी।

एक कोविड मरीज को अस्पताल पहुंचाना एक और बुरा सपना रहा है। संक्रमण फैलने के डर से रिश्तेदारों द्वारा संचालित कार में मरीजों को नहीं लाया जा सकता है, एम्बुलेंस में परिवहन की आवश्यकता होती है। इसलिए, एम्बुलेंस प्रदाता यात्रा की कम दूरी के लिए अत्यधिक मात्रा में शुल्क लेते रहे हैं। दिल्ली-एनसीआर में पांच किमी से कम की सवारी के लिए न्यूनतम शुल्क 10,000 रुपये है, बशर्ते मरीज को ऑक्सीजन समर्थन या साथ में डॉक्टर की आवश्यकता न हो; एक मरीज को ऑक्सीजन के समर्थन की आवश्यकता के लिए एक ही सवारी और एक डॉक्टर को परिवार की कीमत 20,000 रुपये से ऊपर हो सकती है। एम्बुलेंस द्वारा अंतर-शहर स्थानांतरण, उदाहरण के लिए दिल्ली-चंडीगढ़ की कीमत 1,00,000 रुपये है। जब एक सेवा प्रदाता का सामना किया गया और बताया गया कि यह एयरलाइन की तुलना में कहीं अधिक है, तो प्रतिक्रिया थी :कृपया विमान ले जाएं!

मोलभाव और दलील देने का कोई तुक नहीं है। आपकी कहानी के लिए किसी के पास समय नहीं है। शुक्र है कि दिल्ली में, सरकार ने अब हस्तक्षेप किया है और कीमतों को विनियमित किया है। दूसरी समस्या अस्पताल के बिस्तरों की कमी है। अस्पताल के खाली पड़े अस्पतालों को दिखाने वाले सरकारी पोर्टलों को जमीनी हकीकत से अपडेट नहीं किया गया है।सरकारी वेबसाइटों पर पोस्ट किए गए कई टेलीफोन नंबर उपयोग में नहीं हैं या उनका जवाब नहीं दिया जा रहा है, जिससे लोगों का दुख बढ़ेगा। कई अस्पताल अपनी वेबसाइट पर खाली बेड दिखाते हैं लेकिन मरीजों के आने पर ये उपलब्ध नहीं होते हैं। कई अस्पतालों में स्टाफ मरीजों को बेड उपलब्ध कराने के लिए भारी भरकम शुल्क वसूल रहा है। मरीज को बिस्तर मिलने तक एंबुलेंस में इंतजार करने वालों से प्रति घंटे के हिसाब से 2,000 रुपये वसूले जा रहे हैं!

बड़े अस्पतालों में राजनेताओं और वरिष्ठ नौकरशाहों के लिए बेड होते हैं, जबकि आम को कई अस्पतालों में भागना पड़ता है, हर बिंदु पर बड़े रकम का भुगतान करना पड़ता है और फिर भी, देखभाल की जरूरत नहीं होने की उम्मीद है। क्या हमारे देश ने अपनी आत्मा खो दी है? क्या यह महामारी का प्रभाव है या हम स्वाभाविक रूप से इस तरह थे? जैसे ही देश अपने सबसे बड़े संकट से जूझता है और परिवार दिवंगत लोगों के लिए रोते हैं, भारतीयों को अपने टूटे हुए नैतिक कम्पास को ठीक करने की जरूरत है।

आप की बात

भारत-ब्रिटेन संबंध

भारत और यूनाइटेड किंगडम के मध्य मौजूद ऐतिहासिक संबंध में के साथ-साथ आधुनिक कूटनीतिक संबंध में भी मौजूद है। अभी हाल ही में दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के मध्य एक आभासी द्विपक्षीय बैठक का आयोजन किया गया और इसमें स्वास्थ्य क्षेत्र में आवश्यक रूप से मुख्य मुद्दा रहा किंतु भारत और ब्रिटेन के प्रतिनिधियों द्वारा द्विपक्षीय सहयोग से संबंधित विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की गई। जैसे-जैसे भारत की अर्थव्यवस्था बदल रही है इसकी राजनीति के सैन्य और सांस्कृतिक शक्ति भी बढ़ रही है। भारत वैश्विक तौर पर एक नए साथी की तलाश में है और इसके लिए ब्रिटेन अवश्य सहयोग करेगा। ब्रिटेन के पास शिक्षा अनुसंधान नागरिक समाज एवं रचनात्मक क्षेत्र में भारत को देने के लिए बहुत कुछ है। भारत में अंग्रेजी बोलने वाले मध्यम वर्ग की जनसंख्या में भारी वृद्धि ब्रिटेन के लिए महत्वपूर्ण अवसर है इससे पहले कि भारत की अगली पीढ़ी को कहीं और अवसर तलाश है ब्रिटेन व्यापार कूटनीतिक संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्र में भारत के लिए अपने दरवाजे खोल सकता है। ब्रिटेन भारत की आंतरिक क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करने के साथ-साथ वैश्विक महामारी का प्रबंधन करने में काफी हद तक सक्षम है।

– **सुदर्शन सोराड़ी,** नैनीताल

कोरोना संकट में बुजुर्ग

देश विदेश में कोरोना संक्रमण महामारी से करीब करीब सभी वर्ग आयु के लोग प्रभावित हुए है। वैसे जहां तक बुजुर्गों की अहमियत का सवाल है तो कोई सा भी देश क्यो न हो इनकी हिफाजत हर व्यक्ति की नैतिकताओं में शामिल होना चाहिए। समाचार पत्र के समाचार के आधार पर अमेरिका में बुजुर्गों को वृद्धाश्रम में छोड़ने का चलन घटा है। अपराधबोध के चलते अब घरों में ही देखभाल हो रही है। कोरोना काल मे सबसे ज्यादा असर उम्रदराज लोगों पर हुआ था। अब अमेरिका में 25 प्रतिशत वृद्धाश्रम खाली हो गए। बहुत ही बढ़िया और सार्थकता भरा पहलू है कि अमेरिकी अब बुजुर्गों की अहमियत समझने लगे। कोरोना काल मे बुजुर्गों की परेशानियों को बढ़ता देख लोगों ने अपने घर ही बुजुर्गों को रखने का मन बना लिया। पिछले साल कोरोना महामारी में 86 साल की निक्सन पिट्सबर्ग एक अपारमेन्ट में अपनी चारो बेटियों के साथ रहती थी। कोरोना महामारी से पहले उनकी तबीयत खराब हुई थी, तब बेटियों ने उन्हें वृद्धाश्रम भेजने का सोचा था। डिआने निक्सन पिट्सबर्ग बेटियों पर बोझ नही बनना चाहती थी। पर जब कोरोना से नर्सिंग होम में मौतें होने लगी और परिजनों को भी मिलने से रोक दिया गया तो परिवार ने इरादा बदल दिया। – **योगेश जोशी**, बड़वाह, मप्र

टीकाकरण का अमेरिकी फार्मूला

आज टीकाकरण अभियान ही दुनियाभर में कोरोना की लहर को थामने का कारगर उपाय साबित हुआ है। पहले और दूसरे टीकाकरण नें लाखों लोगों को संक्रमण और मौत से बचाया है। इस मामले में अमेरिकी सरकार आसान टीकाकरण के लिए जो फार्मूला लाई है वह अभियान को तेजी प्रदान कर सकता है। बाइडेन सरकार ने अब वहां के नागरिकों के लिए राह चलते आसानी से टीकाकरण की व्यवस्था की है। इसके लिए हजारों फार्मेसी और मोबाइल क्लीनिक को टीकाकरण की सेवा में लगाया गया है। इससे निश्चय ही बाइडेन सरकार के प्रयास रंग लाएंगे। भारत में टीकाकरण की गति अपेक्षाकृत धीमी है ऐसे में इस तकनीक का उपयोग हमारे देश में भी हो। इससे राह चलते लोगों का टीकाकरण संभव हो सकेगा। हां इसके लिए सरकार को टीके का बड़ा संग्रहण करना पड़ेगा। राह चलते टीकाकरण से लोगों का समय भी बचेगा। पहला टीका समस्त देशवासियों को लगने के बाद काफी कुछ राहत महसूस की जा सकती है।

– **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

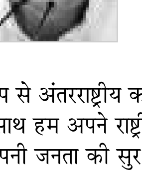

विदेशी सहायता पर सरकार का गौरवान्वित होना दयनीय है। यदि सरकार ने अपना काम किया होता तो ऐसी स्थिति न आती।

– **राहुल गांधी**
कांग्रेस नेता

रूस सतत रूप से अंतरराष्ट्रीय कानून का रक्षण करता है। साथ ही साथ हम अपने राष्ट्रीय हितों की भी रक्षा करेंगे और अपनी जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे।

– **व्लादिमीर पुतिन**
रूस के राष्ट्रपति

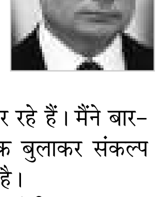

हम स्वास्थ्य आपातकाल से गुजर रहे हैं। मैंने बार-बार सरकार से सर्वदलीय बैठक बुलाकर संकल्प प्रदर्शित करने का आग्रह किया है।

– **सोनिया गांधी**
कांग्रेस अध्यक्ष

पायनियर
हरियाणा, बुधवार, 12 मई, 2021

श्रीगुरु तेग बहादुर ब्रिगेड ने गुरमत विद्यालय का किया शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

श्रीगुरु तेग बहादुर ब्रिगेड करनाल द्वारा शाहाबाद-बाबैन रोड पर ग्राम सुजरा के गुरुद्वारा यादगार शहीद गंज पातशाही 9वीं में गुरुमत विद्यालय का उद्घाटन किया गया। ब्रिगेड की प्रमुख एडवोकेट अनुराधा भार्गव और धार्मिक सलाहकार एवं अंतर्राष्ट्रीय गुरबाणी कथा वाचक ज्ञानी तेजपाल सिंह ने गुरु चरणों में अरदास करके इस विद्यालय का शुभारंभ किया।

बीबी अनुराधा भार्गव ने संगत को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने गुरु तेग बहादुर साहिब के जीवन उपदेशों को जन-जन तक फैलाने के लिए अपना जीवन समर्पित किया है। सुजरा नगर के निवासियों ने उन्हें गुरुद्वारा साहिब और गुरुमत विद्यालय बनाने के लिए यह जगह दी है। दर्शन सिंह के परिवार और सभी नगरवासियों को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा कि आज सिख समुदाय या सिख इतिहास के बारे में विवाद और गलत धारणाएं कुछ सिख विरोधी संगठनों द्वारा समाज में फैलाई जा रही थीं।

इस कारण सनातन समाज गुरु साहिब जी के गुरु सिद्धांत से दूर हो कर पुराने रुढ़िवादी संस्कार में फंस गया है। श्री गुरु तेग बहादुर ब्रिगेड गुरुमत सिद्धान्त को उचित तरीके से उन तक पहुँचाने का कार्य करेगी, ताकि प्रत्येक प्राणी गुरु साहिब जी के बताए मार्ग पर चल कर जीवन आनंद को प्राप्त कर सके।

ओवर रेटिंग में कई फल-सब्जी विक्रेताओं के काटे चालान

डीसी यशेन्द्र सिंह की नाराजगी के बाद निरीक्षण टीम आई एक्शन मोड में

पायनियर समाचार सेवा। रेवाड़ी

जिला प्रशासन द्वारा कोविड काल में फल-सब्जियों के रेट तय किए हुए हैं, इनका निरीक्षण करने के लिए टीम गठित की हुई है।

बावल में फलों-सब्जियों की दुकानों का चालान करती निरीक्षण टीम।

मंगलवार को इस टीम ने बावल में फल-सब्जी विक्रेताओं की दुकानों पर जाकर रेट पता किए तो दुकानदार ने निर्धारित किए गए दामों से अधिक रुपए मांगे, इस पर टीम ने मौके पर ही दो दुकानों के एक-एक हजार रुपए के चालान काट दिए। निरीक्षण करने वाली टीम ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई दुकानदार निर्धारित रेट से अधिक पैसे वसूलेगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा और उस पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण करने वालों में नपा बावल के सचिव समयपाल व मार्केट कमेटी सचिव सत्यप्रकाश, निरीक्षक राजेन्द्र सिंह की टीम ने धरातल पर कार्य को देखने के लिए जिला नगरायुक्त दिनेश यादव के निर्देश पर निरीक्षण किया। यहां यह भी बता दें कि उपायुक्त यशेन्द्र सिंह ने किरयाना, मेडिकल स्टोर, ऑक्सीजन बैडस, एंबुलेंस, फलों-सब्जियों के रेट तय किए हुए हैं तथा लोगों को निर्धारित रेट पर ही सामान मिले इसके लिए टीमों का गठन भी किया हुआ है। डीसी यशेन्द्र सिंह ने रविवार को निरीक्षण टीम को स्पष्ट निर्देश दिए थे जिले में कालाबाजारी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, धरातल पर आदेशों की पालना होनी चाहिए ताकि कोई दुकानदार तय रेट से अधिक न वसूल सके।

इनके काटे चालान

निरीक्षण टीम ने बावल में निरीक्षण के दौरान सब्जी विक्रेता दुकानदार ईश्वर व अजीत द्वारा निर्धारित रेट से अधिक रेट वसूलने पर चालान काटे। टीम ने जिन दुकानों पर रेट लिस्ट नहीं लगी हुई थी उन दुकानदारों को भी चेतावनी देते हुए रेट लिस्ट चस्पा करने के निर्देश दिए।

करनाल के युवा घर-घर मरीजों को पहुंचाएंगे ऑक्सीजन सिलेंडर

हर चार घंटे के बाद नया ग्रुप संभालेगा ऑक्सीजन सिलेंडर वितरण की सेवा

रेडक्रॉस सोसायटी और निफा के स्वयं सेवक करेंगे कोविड मरीजों की सेवा

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

जिला रेड क्रॉस सोसायटी व नेशनल इंटेग्रेटेड फोरम आफ आर्टिस्ट्स एंड एक्टिविस्टस (निफा) के युवा कार्यकर्ता अब पूरे करनाल जिले के घरों में ऑक्सिजन सिलेंडर पहुंचाने के काम करेंगे। उल्लेखनीय है कि जिला उपायुक्त निशांत यादव की पहल पर करनाल प्रशासन की ओर से घर पर इलाज करवा रहे लोगों को आवश्यकता पड़ने पर घर पर ही ऑक्सीजन पहुंचाने की मुहिम शुरू की थी। जिसमें जरूरतमंदों का ऑनलाइन पंजीकरण किया जा रहा है।

जिला प्रशासन के पोर्टल पर आए इन नामों तक अब जिला रेडक्रॉस सोसायटी व निफा के कार्यकर्ता सिलेंडर पहुंचाया करेंगे। इसके लिए पूरे जिले को अलग अलग जोन में बांटा गया है व असंध, घरौंदा, निलोखेड़ी, तरावड़ी, इंद्री व करनाल में निफा की शाखाएं ओर रेड क्रॉस कार्यकर्ता यह सेवा कार्य करेंगे। इस कार्य के लिए जहां निफा की वैन की सभी सीटें निकाल कर उसे सिलेंडर वितरण के लिए 24 घंटे इस्तेमाल किया जाएगा वहीं प्राइवट वाहनों का इस्तेमाल भी किया जाएगा। आज करनाल जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव कुलबीर मलिक ने ऑक्सिजन सिलेंडर वितरण के लिए टीम को रवाना करने के अवसर पर कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि करोना से संक्रमित लोग व उनके परिजन अपने घरों से न निकलें। अस्पतालों पर भी बोझ कम हो ताकि अस्पताल बेड गम्भीर मरीजो के लिए खाली रहे। इसलिए ऐसे मरीज जिनका इलाज घर पर हो सकता है पर उन्हें ऑक्सीजन सपोर्ट की आवश्यकता है। उन्हें घर पर ही सिलेंडर उपलब्ध करवाने के लिए यह सेवा जिला उपायुक्त के दिशा निर्देश में शुरू की गई है। जिला रेडक्रॉस इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

निफा अध्यक्ष प्रीतपाल सिंह पन्नु ने कहा कि करोना का संकट वैश्विक व मानवीय है इसलिए हर व्यक्ति को एक दूसरे का सहयोग करना चाहिए। हम मिलकर ही इस मुसीबत को खत्म कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि करनाल जिला की टीम के युवा कार्यकर्ताओं के अलग अलग ग्रुप बनाए गए हैं। चार-चार घंटे के बाद नया ग्रुप ऑक्सीजन सिलेंडर वितरण का सेवा कार्य सम्भाल लेगा। आज के वितरण में करनाल से जिला रेडक्रॉस सोसायटी के पूर्व अधिकारी एमसी धिमान, डॉक्टर केसी चड्ढा, अरविंद कुमार, नवीन कश्यप, हवा सिंह, अभिषेक सैनी, रामचंद्र, बनारसी दत्त, राजीव, पंकज के साथ साथ निफा के जिला सचिव हितेश गुप्ता,उप प्रधान गुरजंट सिंह, अरविंद संधु, विवेक तोमर, मुकुल कुमार, मनिंदर सिंह आदि शामिल रहे। असंध में यह जिम्मेदारी जिला प्रधान रणजीत सिंह बिलोना, दलबीर गुराया, अमरीक सिंह, करनाल शहर में इन साथियों के साथ साथ वरुण कश्यप, गौरव पुनिया, घरौंदा में कमल कांत धिमान, इंद्री में श्रवण शर्मा, जगतार सिंह, निलखेड़ी में अमित बराना, तरावड़ी में पुनीत व जोनी जयंत व उनके साथियों की दी गई है।

वैक्सीनेशन शिविर में अधिवक्ताओं को लगाई वैक्सीन की डोज

शिविर में वैक्सीन लगवाते अधिवक्ता।

कुरुक्षेत्र। जिला बार एसोसिऐशन की तरफ से बार लाइब्रेरी में पांचवें कोरोना वैक्सीनेशन शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में अधिवक्ताओं को कोरोना वैक्सीन की पहली व दूसरी डोज लगाई गई। मंगलवार को बार लाइब्रेरी में एसोसिऐशन की तरफ से लगाए गए पांचवे वैक्सीनेशन शिविर का शुभारम्भ हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष धुम्मन सिंह किरमच ने किया। इसके उपरांत उपाध्यक्ष ने जिला बार एसोसिऐशन की लाईब्रेरी के 21 हजार रुपये का चेक भी सौंपा।

उन्होंने कहा कि बार एसोसिऐशन के यह प्रयास सराहनीय है। इससे दूसरी संस्थाओं को भी प्रेरणा मिलेगी। इस समय सभी लोगों को कोरोना वैक्सीनेशन के लिए आगे आना चाहिए। सरकार के आह्वान पर 1 मई से 18 वर्ष से ज्यादा आयुवर्ग के सभी नागरिकों को कोरोना वैक्सीन लगाने का अभियान शुरु कर दिया गया है। इसलिए अधिक से अधिक लोगों को वैक्सीन लगाकर अपने-आपको सुरक्षित रखने का प्रयास करना चाहिए।

जिला बार एसोसिऐशन के प्रधान गुरतेज सिंह शेखों ने मेहमानों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बार एसोसिऐशन की तरफ से यह पांचवा शिविर लगाया गया है। इस शिविर में एसोसिऐशन के प्रधान गुरतेज सिंह शेखों, मनोज अटवान, धर्मबीर बुरा, जगमोहन मनचंदा, हीरा लाल जांगड़ा, मंडल अध्यक्ष दीपक चौहान, विनीत बजाज, हरबीर हांडा ने उपाध्यक्ष धुम्मन सिंह को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया है। इस मौके पर सचिव साधु राम शर्मा, कैशियर अनिल वर्मा, दीपक शर्मा अमीन आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

ऑक्सीजन प्लांट में ड्यूटीरत कर्मचारी किए गए सम्मानित

भिवानी। कोरोना महामारी काल में हर व्यक्ति किसी न किसी तरह से अपनी सेवाएं दे रहा हैं। इस महामारी के दौरान कुछ लोग जागरूकता अभियान चलाए हुए है, कुछ मास्क व सैनेटाइजर वितरित कर रहे है तो कुछ लोग कोरोना मरीजों को खाना मुहैया करवा इंसानियत का परिचय दे रहे हैं। ऐसे ही भिवानी के नरेंद्र ऑक्सीजन प्लांट द्वारा कोरोना मरीजों को ऑक्सीजन उपलब्ध करवाना उन्हे दोबारा जीवनदान देने के बराबर हैं। इसी के तहत युवा कल्याण संगठन के पदाधिकारियों ने नरेंद्र ऑक्सीजन प्लांट के मालिक तथा वहां ड्यूटी दे रहे कर्मचारियों को कोविड योद्धा रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया। इस मौके पर संगठन के संरक्षक कमल सिंह प्रधान ने कहा कि इस महामारी के काल में जहां ऑक्सीजन की इतनी कमी महसूस की जा रही है, ताकि नरेंद्र ऑक्सीजन प्लांट द्वारा कोरोना मरीजों के लिए ऑक्सीजन उपलब्ध करवाना मरीजों को दूसरा जीवन देने के बराबर हैं। उन्होंने कहा कि उनके इसी नेक कार्य के चलते आज उन्हे कोविड योद्धा पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

कोविड-19 से बचाव के प्रति लोगों को कर रहे जागरुक

कुरुक्षेत्र। कोरोना काल के इस कठिन दौर में जब राज्य सरकार ने 17 मई तक लॉकडाउन लगाने की घोषणा की गई है, ऐसे में जन सम्पर्क विभाग फ्रंट लाइन में आगे आकर कार्य कर रहा है। विभाग द्वारा निरंतर आमजन को कोरोना से बचाव व इसकी रोकथाम के प्रति जागरुक करने का काम किया जा रहा है। विभाग के प्रचार मंडली व प्रचार वाहन द्वारा जिला के प्रत्येक गांव, गली, नुक्कड़, चौराहे, दूर दराज के इलाकों, ईंट-भट्टों, शहर के वार्डों में जन-जन तक कोाविड-19 की गाइडलाइंस की पालना व कोरोना से बचाव का संदेश पहुंचाया जा रहा है। सूचना, जन सम्पर्क व भाषा विभाग के महा-निदेशक अमित अग्रवाल के दिशा-निर्देशानुसार व उपायुक्त शरणदीप कौर बराड़ के मार्गदर्शन में विभागीय प्रचार वाहन के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इसके साथ-साथ जिला के ग्रामीण क्षेत्रों में मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों में मुनियादी के माध्यम से भी लोगों को कोविड-19 की पालना का आह्वान किया जा रहा है। साथ ही आमजन को कोविड हेल्पलाइन नंबर 1950 के बारे में जानकारी जा रही है।

जेल में बने कोविड केयर सेंटर से भागे 13 कैदी, पांच पकड़े

रेवाड़ी। जिला रेवाडी की फिदेडी जेल में बने कोविड केयर सेंटर से 13 कैदी भाग गए। रेवाडी पुलिस ने पांच कैदियों को थाना सदर ने काबू कर लिया। पुलिस अधीक्षक ने अन्य को काबू करने के लिए टीमें गठित की। काबू किए गए कैदियो की पहचान नविन शर्मा उर्फ गोलू पुत्र राजेन्द्र सिंह निवासी म.नंबर 90 आनंद विहार, दादी की फाटक थाना झोडवाडा जिला जयपुर, अजीत उर्फ नेता पुत्र सुरजबली निवासी बगडी बसाटा थाना शंकरगढ जिला इलाहाबाद, राजेश उर्फ कालिया पुत्र राजकुमार निवासी नांगल काठा जिला महेन्द्रगढ, अशिश पुत्र मिथुन निवासी काठूवास थाना मांढण जिला अलवर व अभिषेक पुत्र गोकलेन्द्र निवासी फर्श खाना नारनोल के रुप मे हुई है। जांचकर्ता उपनिरीक्षक यशंवत सिंह ने बतलाया की गत 09 मई की रात को जिला रेवाडी मे फिदेडी जेल मे बने कोविड केयर सेन्टर से कुल 13 कैदी लोहे का दरवाजा काटकर कपड़े की रस्सी बनाकर जेल कि छत पर चढ़कर जेल के पिछे से कुदकर फरार हो गए थे। कैदियों के भागने कि सूचना मिलने पर थाना सदर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अधीक्षक जेल रेवाडी कि शिकायत पर थाना सदर रेवाडी मे मामला दर्ज करके जांच शुरु कर दी।

कोविड-19 की दवाओं की कीमत निर्धारित: डीसी

रेवाड़ी। कोविड-19 महामारी की इन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में हमें हिम्मत से डट कर मुकाबला करना है, संकट की घड़ी में, राज्य सरकार कोविड के मरीजों के लिए हरसंभव मदद करने लिए प्रयासरत है। उपायुक्त यशेन्द्र सिंह ने कोरोना पीडितो का धैर्य बढ़ाते हुए बताया कि कोविड-19 के प्रबंधन के लिए इस्तेमाल होने वाली जरूरी दवाओं की रेट लिस्ट हरियाणा सरकार द्वारा जारी की गई हैं, ताकि कोई भी इन जरूरी दवाओं की कालाबाजारी, मुनाफाखोरी, अवैध भंडारण इत्यादि न कर सके। डीसी ने बताया कि यदि इस बारे शिकायत हो तो वह व्यक्ति अपने जिले के उपायुक्त कार्यालय, उपमण्डलाधीश कार्यालय, सिविल सर्जन अथवा दवा नियंत्रण अधिकारी से संपर्क करें सकते हैं। उपायुक्त यशेन्द्र सिंह ने चेतावनी दी कि इन दवाओं के निर्धारित रेट से यदि कोई ज्यादा रेट पर बेचने कि शिकायत मिली तो उसके खिलाफ कार्यवाही होगी।

अब जरुरतमंद मरीजों को घर पर ही मिलेगी आक्सीजन

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र में अब जरुरतमंद मरीजों को घर पर ही जीवन की संजीवनी आक्सीजन पहुंचाई जाएगी। इसके लिए जरुरतमंद मरीजों को सरकार द्वारा बनाए गए पोर्टल आक्सीजनएचआरवाईडाटइन पर अपना पंजीकरण करवाना होगा। इस पंजीकरण के बाद जरुरतमंद मरीज के पास रेडक्रास और समाज सेवी संस्थाओं के सहयोग से आक्सीजन पहुंच जाएगी। इस प्रणाली के लिए प्रशासन ने नगराधीश निशा यादव को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। राज्य सरकार ने जरुरतमंद मरीजों को डोर टू डोर आक्सीजन सिलेंडर रिफिल करने की सुविधा उपलब्ध करवाई है। इसके लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सभी जिलों में घर-घर आक्सीजन सिलेंडर की रिफिलिंग करने के आदेश भी दिए है। इन आदेशों के बाद प्रशासन ने कुरुक्षेत्र जिले में जरुरतमंद मरीजों को डोरटूडोर आक्सीजन सिलेंडर रिफिल करने की कार्रवाई को अंजाम दिया। इसके लिए नगराधीश निशा यादव को बकायदा नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया। रेडक्रास सचिव रणदीप सिंह को घर-घर सिलेंडर रिफिलिंग करने की जिम्मेवारी सौंपी गई है। उपायुक्त एवं जिला रेडक्रास शाखा की अध्यक्षा शरणदीप कौर बराड़ के मार्गदर्शन में रेडक्रास व अन्य समाज सेवी संस्थाओं ने कार्रवाई को अंजाम देना शुरु किया। अभी तक प्रशासन के पास राजा अजीत सिंह लाडवा मेमोरियल ट्रस्ट, अग्रवाल सभा व यूथ ब्लड डोनर सहित अन्य संस्थाएं काम करने के लिए आगे आई है। उन्होंने कहा कि आक्सीजन की कालाबाजारी किसी सूरत में सहन नहीं की जाएगी। अगर कोई व्यक्ति आक्सीजन की कालाबाजारी करते हुए मिला तो उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई भी अमल में लाई जाएगी।

टीम दीपेंद्र कोरोना महामारी मैं कर रही हर संभव मदद: पंकज गाबा

करनाल। कोरोना महामारी के चलते पंकज गाबा टीम दीपेंद्र के नेतृत्व में थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए आज 43वां ब्लड डोनेशन कैंप सिविल अस्पताल में लगाया गया। इस अवसर पर गाबा ने कहा राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा के नेतृत्व में पूरे हरियाणा में टीम दीपेंद्र कोरोना हेल्पलाइन टीम गठित की गई है। जिसमें कार्यकर्ताओं को जिले स्तर पर जिम्मेवारी सौंपी गई है। प्रदेश भर से ट्विटर और सोशल मीडिया के माध्यम से कोरोना मरीज और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा लगातार मदद मांगी जा रही है। जिसे सांसद दीपेंद्र हुड्डा खुद मॉनिटर कर रहे हैं और पीएम दीपेंद्र द्वारा कोरोना मरीजों के लिए अस्पताल में बेड ऑक्सीजन ब्लड प्लाजमा व दवाइयां उपलब्ध करवाई जा रही है। पंकज गाबा ने कहा कि लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूकता आई है और धीरे-धीरे लोग इसका महत्व समझने लगे हैं। गाबा ने कहा मैं उन सभी संस्थाओं का आभारी हूं, जो ऐसी संकट की घड़ी में जरूरतमंदों के लिए सहायता व ब्लड डोनेशन कैंप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा दान की महिमा तभी होती है जब वह निस्वार्थ भाव से किया जाता है जरूरतमंद की सहायता व सहयोग करना समाज के हर वर्ग का दायित्व बनता है। इसके लिए हर वर्ग को निस्वार्थ भाव से आगे आना चाहिए उन्होंने कहा आप के द्वारा किया गया रक्तदान किसी माँ के बच्चे को बचा सकता है।

अपनी और परिवार की सुरक्षा के लिए टीका लगवाएं: शारदा

शिविर में टीका लगवाते लाभार्थी।

गुरजोत दुग्गल। कुरुक्षेत्र

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के निर्देशानुसार डीएलएसए कुरुक्षेत्र द्वारा एडीआर सेंटर में वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय कुमार शारदा बतौर मुख्यातिथि मौजूद रहे, जबकि अध्यक्षता सीजेएम एवं डीएलएसए के सचिव दुष्यंत चौधरी ने की। शिविर में सीजेएम दुष्यंत चौधरी के साथ-साथ अन्य जजों ने भी वैक्सीन लगवाई। कैंप में सर्व समाज कल्याण सेवा समिति व बार एसोसिएशन के प्रधान गुरतेज सिंह सेखों ने भी भरपूर सहयोग दिया।

सर्व समाज कल्याण सेवा समिति के अध्यक्ष रामेश्वर सैनी, संरक्षक नरेश सैनी व मीडिया प्रभारी तरुण कुमार ने अतिथियों को गुलाब का फूल देकर स्वागत किया। वैक्सीनेशन के लिए आए युवा अधिवक्ताओं के हाथों को सैनिटाइज करवाया और मास्क भी वितरित किए। शिविर में सेशन जज अजय कुमार शारदा व सीजेएम दुष्यंत चौधरी ने स्टाफ सदस्यों व वैक्सीनेशन के लिए आए लोगों को प्रेरित करते हुए कहा कि सभी लोग स्वेच्छा से वैक्सीनेशन करवाएं।

अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि अपनी और परिवार की सुरक्षा के लिए टीका अवश्य लगवाएं। डीएलएसएस द्वारा भी एक हेल्प डेस्क को स्थापित किया गया है, जिसके माध्यम से आमजन को कोविड-19 विषय पर जानकारी प्रदान की जाती है। इस वैक्सीनेशन शिविर में 314 लोगों का टीकाकरण किया गया।

हत्या के आरोप में महिला गिरफ्तार

सोनीपत। थाना सदर पुलिस ने हत्या की घटना में शामिल महिला को गिरफ्तार किया है। महिला जगमति पत्नी सुभाष निवासी माहरा हाल मोहन नगर शहर सोनीपत की रहने वाली है।

पुलिस प्रवक्ता जगजीत सिंह ने बताया कि गत 25 फरवरी को दीपक निवासी राठधान ने थाना सदर सोनीपत में शिकायत दी थी कि प्रकाश उर्फ पिन्टू उर्फ काला निवासी मोहन नगर सोनीपत ने उसको व उसके भाई दीपचन्द के साथ मारपीट कर मोबाइल फोन व नकदी लेकर गया। बाद में पीजीआईएमएस रोहतक में उपचार के दौरान उसके भाई दीपचन्द की मौत हो गई है। अनुसंधान टीम ने घटना में शामिल प्रकाश उर्फ पिन्टू उर्फ काला निवासी मोहन नगर सोनीपत को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। आरोपी से प्रारम्भिक पूछताछ करने पर बताया था कि आपसी झगडे के कारण इस घटना को अंजाम दिया था। आरोपी के बताये अनुसार घटना में प्रयुक्त डंडा भी बरामद कर लिया गया था। आरोपी को न्यायालय में पेशकर न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत जेल भेज दिया गया था।

युवाओं ने जुटाई दवा तो बुजुर्गों ने किया घर-मोहल्लों को सैनेटाइज

गांव के अंदर सामूहिक रूप से हुक्का पीने और ताश खेलने पर बुर्जुर्गों ने लगाई पाबंदी

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

गांवों में बढ़ रहे कोरोना संक्रमण को रोकने तथा लोगों को मानसिक रूप से मजबूत करने के लिए अब प्रशासन के साथ-साथ ग्रामीणों ने अपने स्तर पर भी बचाव का कार्य शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में गांव जाटू लोहारी में बढ़ रहे कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए युवाओं ने जहां सैनेटाइज करने के लिए दवाई का प्रबंध किया तो वहीं बुजुर्गों ने सैनेटाइजर छिड़काव की जिम्मेवारी निभाई।

गांव जाट लोहारी में संक्रमण का खतरा तेजी से बढ़ता जा रहा है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए जाटू लोहारी के ग्रामीणों ने आगे आकर सकारात्मक पहल की है। इसके तहत सबसे पहले तो गांव में बढ़ते हुए संक्रमण को रोकने के लिए सेनिटाइजेशन करवाने का फैसला लिया। जब फैसला लिया गया तो बात यह आई कि दवाई का प्रबंध कौन करेगा। इस पर गांव के युवाओं ने दवाई मुहैया करवाने का फैसला लिया तथा दो दिन के अंदर ही 50 लीटर दवा का प्रबंध कर दिया। गांव को सैनेटाइज करवाने के लिए दवा का प्रबंध तो कर लिया गया लेकिन अब बात यह आई कि ट्रैक्टर कौन मुहैया करवाएगा। इस पर सभी लोगों ने आगे आकर अपने पाने में दवा की छिड़काव का बीड़ा उठाया। गांव में मौजिज लोगों ने गांव के अंदर सामूहिक रूप से हुक्का पीने तथा ताश खेलने पर पांबदी लगा दी है। मौजिज लोगों ने कहा कि अगर कोई भी लोग ताश खेलते हुए या हुक्का पीते हुए पाए गए तो उनकी शिकायत पुलिस को दी जाएगी तथा इसके जिम्मेवार वे स्वयं होंगे।

निजी एम्बुलेंस संचालकों को नहीं वसूलने देंगे मनमाने रेट: एसडीएम

निर्धारित रेट से अधिक वसूलने की शिकायत पर होगी कार्रवाई

चन्द्र अग्रवाल। थानेसर

उपमंडल अधिकारी अखिल पिलानी ने कहा कि शहर में किसी भी एम्बूलैंस चालक को मनमाने रेट वसूलने नहीं दिए जाएंगे। अगर कहीं से भी किसी एम्बूलेंस चालक द्वारा ज्यादा पैसे वसूलने की शिकायत सामने आई तो सम्बन्धित एम्बुलेंस चालक या संस्थान के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। एसडीएम अखिल पिलानी ने मंगलवार को बातचीत करते हुए कहा कि प्रशासन द्वारा एम्बुलेंस चालकों के लिए रेट निर्धारित किए गए हैं।

सभी एम्बुलेंस चालक व अस्पताल प्रशासन द्वारा निर्धारित रेटों के अनुसार ही मरीजों से चार्ज करेंगे। अगर किसी एम्बुलेंस चालक या अस्पताल द्वारा मनमाने रेट वसूलने की शिकायत सामने आई तो सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

ये है एंबुलेंस का किराया

एसडीएम ने कहा कि दुर्घटना या फिर किसी एमरजेंसी में 10 किलोमीटर तक एडवांस लाइफ सपोर्ट (एएलएस) के लिए 1200 रुपये तथा बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) 500 रुपये फिक्स किए गए है। इसी प्रकार 10 किलोमीटर से अधिक दूरी तय करने पर एडवांस लाइफ सपोर्ट (एएलएस) 28 रुपये प्रति किलोमीटर तथा बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) 15 रुपये प्रति किलोमीटर की दर से चार्ज किया जा सकेगा। इन एम्बुलेंस में सभी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने स्पष्ट किया यदि कोई निजी एम्बुलेंस का चालक अधिक राशि वसूलता है तो उसके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। उस चालक का ड्राईविंग लाईसेंस रद्द किया जाएगा या फिर गाड़ी की आरसी को रद्द किया जाएगा और 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है।

बिना मास्क 371 व्यक्ति और 142 चालकों के काटे चालान

सोनीपत। पुलिस अधीक्षक जशनदीप सिंह रंधावा के निर्देशानुसार जिले में पुलिस द्वारा अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से बचाने के लिए बिना मास्क घूमने वालों के चालान किए गए है। पुलिस प्रवक्ता जगजीत सिंह ने बताया कि लॉकडाउन के चलते पुलिस द्वारा अलग-अलग थाना क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों पर नाके लगाकर बिना मास्क घूमने वाले 371 व्यक्तियों तथा 142 वाहन चालकों के चालान किए गए है, 7 वाहनों को इम्पाउंड किया गया है। इसी के साथ उनसे मौके पर ही जुर्माना वसूल किया गया। कोरोना वायरस से बचाव के लिए मास्क पहनना व सामाजिक दूरी का पालन करना जरूरी है। इसी के साथ दुकानदारों को भी निर्देश दिए गए कि अपनी दुकान पर ग्राहकों की भीड़ एकत्रित ने होने दे और उचित दूरी बनाये रखे। घर पर रहे सुरक्षित रहें।

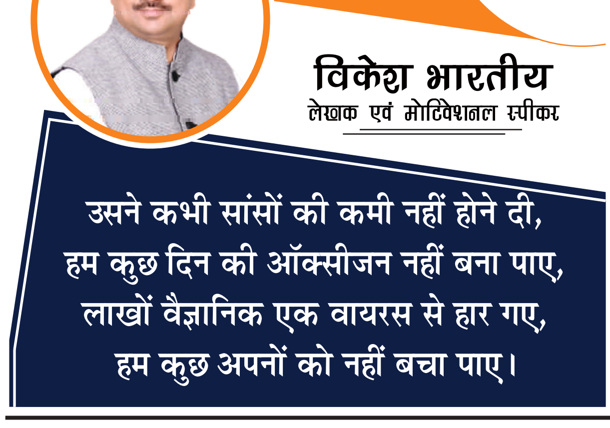

भारत में संसदीय संवाद की परंपरा वैदिक काल से : सदन संदेश

विधान सभा अध्यक्ष ने किया सदन की मासिक पत्रिका का विमोचन

जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए है उपयोगी सामग्री

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने मंगलवार को विधानसभा की पत्रिका 'सदन संदेश' के तीसरे अंक का लोकार्पण किया। यह अंक विधायी कामकाज, संविधान के शिल्पकार डॉ. अम्बेडकर और कोविड-19 की चुनौतियों पर केंद्रित है।

विधान सभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने कहा कि सदन संदेश की सामग्री न केवल हरियाणा के पाठकों से अपितु देशभर के प्रबुद्ध पाठकों से प्रशंसा बटोर रही है। पत्रिका में प्रकाशित लेख और विधायी कामकाज पर सामग्री विधायकों, सांसदों के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारियों के लिए मार्गदर्शक साबित हो रही है। इसके लिए उनके पास हरियाणा और दूसरे राज्यों से अनेक प्रकार की फीडबैक आ रही हैं, जो इस पत्रिका की उपयोगिता को दर्शाती है। पत्रिका में विधान सभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता द्वारा लिखे गए विशेष संपादकीय में कोरोना की वर्तमान चुनौती और विकट परिस्थितियों में जनप्रतिनिधियों के कर्तव्यों पर प्रकाश डाला गया है। इसमें कहा गया है कि संकटकाल में जनता की जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा बढ़ जाती है। इसलिए हर विधायक को इन अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए जी-जान से जुटना चाहिए।

प्रधान संपादक दिनेश कुमार ने संपादकीय में संसदीय संवाद के महत्व को रेखांकित किया है। इसमें लिखा गया है कि यह सदन के वातावरण का चमत्कारिक प्रभाव ही है, जहां कोई भी वाद संवाद में बदल जाता है। पत्रिका में विधान सभा के बजट सत्र पर विस्तृत सामग्री उपलब्ध है।

प्रधान संपादक दिनेश कुमार द्वारा लिए गए मुख्यमंत्री मनोहर लाल के साक्षात्कार में उनके जीवन के वह पहलू उजागर किए गए हैं, जिनसे अधिकतर लोग अनजान हैं। उनकी ग्रामीण पृष्ठभूमि, बाल्यकाल की विशेषताएं, किसानों और जवानों के प्रति झुकाव की झांकी प्रस्तुत की गई है। प्रदेश में व्यवस्था परिवर्तन के लिए उनके द्वारा किए जा रहे नए-नए प्रयोगों का ब्योरा भी इस साक्षात्कार का अंग है।

पत्रिका में मुलाना विधान सभा क्षेत्र से विधायक वरुण चौधरी ने हरियाणा गठन की पृष्ठभूमि और तत्कालीन आंकड़े रोचक ढंग से प्रस्तुत किए हैं। पत्रिका के चार पेज प्रश्नकाल को समर्पित किए गए हैं। इसमें कहा गया है कि प्रश्नकाल जनभावनाओं का प्रतिबिंब है तथा इसमें प्रदेश की जनता की जरूरतें और इच्छाओं की अभिव्यक्ति भी होती है। इसके साथ ही विधान सभा के डिजीटलाइजेशन को लेकर भी पत्रिका में प्रचूर सामग्री दी गई है। पत्रिका में महिला दिवस पर हरियाणा विधानसभा की कार्यवाही एक दिन के लिए महिला विधायकों को सौंपे जाने पर विशेष लेख लिखा गया है।

विधान सभा के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ कि पूरे दिन की कार्यवाही महिलाओं को सौंप दी गई हो। पत्रिका में विधान सभा और संविधान सभा की ऐतिहासिक कार्यवाहियों के अंश भी प्रकाशित हैं। सदन संदेश के लोकार्पण अवसर पर लोक लेखा समिति के अध्यक्ष के अध्यक्ष एवं घरौंडा से विधायक हरविन्दर कल्याण, हरियाणा विधान सभा के सचिव राजेंद्र नांदल, अतिरिक्त सचिव सुभाष चंद्र शर्मा समेत अनेक अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

स्वदेशी के कार्यकर्ताओं ने घर-घर बांटी महा सुदर्शन घनवटी

भिवानी। कोरोना महामारी के इस काल में लोगों को बचाने के लिए स्वदेशी जागरण मंच के कार्यकर्ता निरंतर कोई न कोई सामाजिक कार्य करते रहते हैं। इसी मुहिम का आगे बढ़ाते हुए आज मंगलवार को स्वदेशी के कार्यकर्ताओं ने भिवानी शहर में घर-घर जाकर महासुदर्शन घनवटी का वितरण किया। महासुदर्शन घनवटी एक आयुर्वेदिक औषधि है, जो कुरुक्षेत्र स्थित हरियाणा आयुष विश्वविद्यालय के उप कुलपति प्रो. बलदेव के मार्गदर्शन में बनाई गई। इस वटी से बहुत से नागरिकों ने लाभ प्राप्त किया है। यह औषधि स्वस्थ व्यक्ति को बुखार होने से रोकने मे सहायक है। आक्सीजन लेवल को बेहतर करती है। बुखार को खत्म करने मे सहायक है। रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है। कोरोना रोगियों के लिए लाभप्रद है। आज प्रथम चरण में स्वदेशी जागरण मंच ने महासुदर्शन घनवटी की 5000 टेबलेट मंगवा कर इसको लोगों में इसका वितरण किया । स्वदेशी जागरण मंच के नगर सहसंयोजक धीरज सोनी ने बताया कि भिवानी जिले मे नागरिकों को इस औषधि के बारे में अवगत कराया जाएगा ताकि वह भी इस औषधि का लाभ ले सके। यह वटी कुछ आयुर्वेदिक कम्पनी की भी आती है । स्वदेशी जागरण मंच के नगर संयोजक अमित बंसल ने कहा कि भिवानी के बन्धु औषधि लेने के लिए स्वदेशी जागरण मंच के किसी भी कार्यकर्ता से सम्पर्क कर सकते हैं।

एमबीबीएस के विद्यार्थी सम्भालेंगे कोविड चिकित्सा की कमान

भिवानी। उपायुक्त जयबीर सिंह आर्य ने कोरोना वायरस संक्रमण के दृष्टिगत जिला भिवानी के विभिन्न कॉलेजों में एमबीबीएस ईट्रन छात्र-छात्राओं की ड्यूटी लगाई है। ये विद्यार्थी अस्पताल में कोविड-19 के रोगियों के लिए चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों के साथ अपनी सेवाएं देंगे। एमबीबीएस ईट्रन विद्यार्थियों के रहने के लिए स्थानीय बैया टूरिज्म काम्पलैक्स, लोक निर्माण विश्राम गृह, पंचायती राज विश्राम गृह, चित्रकूट रैस्ट हाउस, देवसर धाम धर्मशाला में व्यवस्था की गई है।

महिला मेडिकल कालेज में चल रहा 170 मरीजों का उपचार

सोनीपत। उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ने बताया कि कोरोना से निपटने के लिए बीपीएस महिला मेडिकल कालेज खानपुर कलां बेहतरीन कार्य कर रहा है। मेडिकल कालेज में अब तक विभिन्न जिलों के 3852 मरीजों को उपचार के लिए भर्ती करवाया गया है और इनमें से 3368 मरीजों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। फिलहाल मेडिकल कालेज में 170 मरीज उपचार करवा रहे हैं। इनमें से 25 मरीज ऐसे हैं जो दस दिन से ज्यादा और 145 मरीज 11 दिन से कम समय से यहां भर्ती हुए हैं। उपायुक्त ने कहा कि बीपीएस मेडिकल कालेज में अब तक विभिन्न जिलों के 314 मरीजों की मौत हो चुकी है जिसमें 181 पुरूष तथा 135 महिलाएं शामिल हैं। उपायुक्त ने कहा कि मैडिकल कालेज में 3600 पीपीई किट उपलब्ध हैं। 10489 एन-95 मास्क, 17302 तीन लेयर मास्क, 24989 दस्ताने, 7120 हाईड्रोक्लोरोक्वीन टैबलेट, 16049 एजीथ्रोमाईसिन टेबलेट, 1437.5 लीटर सेनेटाईजर, 4100 वीटीएम और 1100 लीटर सोडियम हाईपोक्लोराईड उपलब्ध हैं।

कोविड अस्पतालों की सुरक्षा में तैनात करें फोर्स

भिवानी। कोई भी बीमारी परिवार के लोगों को आर्थिक और मानसिक रूप से कमजोर कर देती है। ऐसे में कोविड महामारी के कारण लोगों में अवसाद की समस्या के बढ़ने की सम्भावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। इसके लिए पुलिस प्रशासन सरकारी व निजी कोविड अस्पतालों में सुरक्षा के लिए आवश्यक बल तैनात करें ताकि ऐसी स्थिति में यदि किसी मरीज के साथ कोई अप्रिय घटना हो जाती है, तो उसके परिजन आक्रोश के कारण किसी प्रकार की तोड़फोड़ न कर सके। यह बात जिला आपदा प्रबन्धन के नोडल अधिकारी नितिन यादव ने जिला कोविड आपदा प्रबन्धन से संबंधित विषयों की समीक्षा करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि हमारा चिकित्सीय अमला पूरी मुस्तैदी से दिन-रात लोगो की सेवा में लगा हुआ है। इनमे कई लोग या उनके परिजन खुद इस बीमारी से जूझ रहे हैं, तो भी उन्होंने अपनी ड्यूटी से कोई कोताही नहीं की है। ऐसे में उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी हमारी है ताकि वे एक सुरक्षित व सकारात्मक माहौल में अपनी ड्यूटी दे सकें। यादव ने डीआईओ एनआईसी पंकज बजाज को निर्देश दिये कि वे कोविड मरीजो का डाटा संकलन इस प्रकार करें जिससे सभी संवेदनशील सूचकांक एक ही शीट पर दिखाई दे। जिससे उनका तुलनात्मक अध्ययन करने और उस पर आगामी कार्यवाही की रूपरेखा बनाने में आसानी हो सके। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डाक्टर सपना गहलावत से फील्ड स्टाफ की प्रतिनियुक्ति व कोविड केअर सेंटर में स्टाफ बढ़ाने सम्बन्धी कदमों की समीक्षा भी की। पुलिस अधीक्षक अजित सिंह ने बताया कि सिविल अस्पताल परिसर स्थित पुलिस चौकी में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त सभी सरकारी कोविड अस्पतालों में बेरिकेटिंग करवा दी गई है तथा मरीज के साथ सिर्फ एक ही अटेंडेंट जाने की अनुमति दी गई है। निजी अस्पतालों में सुरक्षा के लिए अतिरिक्त बल 24 घण्टे तैनात रहेगा, जो किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए चंद मिनटों के भीतर अस्पताल में पहुंच जाएगा। इसके साथ-साथ पुलिस लाइन में भी अतिरिक्त टुकड़ी तैनात रहेगी।

निजी एंबुलेंस का हुआ किराया निर्धारित

भिवानी। जिलाधीश एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के चेयरमैन राहुल नरवाल ने जिला में कोविड-19 के दृष्टिगत निजी एंबुलेंस का किराया निर्धारित किया है। जिलाधीश द्वारा जारी आदेशानुसार दो प्रकार की एंबुलेंस का किराया निर्धारित किया गया है। एडवॉस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस (एएलएस)का किराया 30 रुपये प्रति किलोमीटर निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार बैसिक लाइफ सपोर्ट एंबूलेंस (बीएलएस) का किराया 15 रुपये प्रति किलोमीटर रहेगा।

गेटपास कट चुके गेहूं की आज बुधवार को होगी खरीद

दो दिन में किसानों के खातों में पहुंचेगी बकाया धनराशि

खातों में गड़बड़ी के कारण रुके गेहूं के भुगतान का जल्द होगा समाधानः चौटाला

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

राज्य में ज्यादातर किसानों की गेहूं की खरीद राशि का भुगतान कर दिया गया है। विभिन्न कारणों से जिन किसानों की रकम ट्रांसफर होनी बाकी है, उनका भुगतान जल्द से जल्द करने के आदेश उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने दिए हैं।

मंगलवार को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग और हैफेड के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक के बाद उपमुख्यमंत्री ने बताया कि किसानों के लगभग 56 हजार बैंक खातों में पैसे जाने बाकी हैं, जिनमें से 50 हजार खातों में भुगतान बुधवार तक हो जाएगा। बैठक में उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ फसल खरीद व भुगतान प्रक्रिया के बारे में समीक्षा की तथा उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बताया कि लगभग 12 हजार खातों की जांच की जा रही है और इसके लिए किसानों से सम्पर्क साधकर सही जानकारी ली जा रही है। इनके अलावा 16 हजार से ज्यादा किसान ऐसे हैं। जिन्होंने अपनी जानकारी सही रूप से अपलोड नहीं की है। ऐसे किसानों को एक सप्ताह में अपना ऑनलाइन रिकॉर्ड सही करने को कहा जाएगा ताकि उनका भुगतान किया जा सके।

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने इस वर्ष गेहूं खरीद के ऑनलाइन ट्रांसफर कार्यक्रम पर संतोष जाहिर किया और कहा कि किसानों को उपज का पैसा उनके अकाऊंट में देना सरकार के प्रमुख उद्देश्यों में है। उन्होंने उम्मीद जताई कि रिकॉर्ड अपलोड करने और बैंक अकाऊंट की सही जानकारी देने के मामले में अगले सीजन में सुधार देखने को मिलेगा और फिर हर किसान को 48 घंटे में उसकी फसल का भुगतान अकाउंट में पहुंच जाएगा।

इसके साथ ही उपमुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश की सभी अनाज मंडियों में जितनी गेहूं गेट पास कटने के बाद रखी हुई है, उसकी खरीद बुधवार को करने के आदेश दे दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को गेहूं खरीद संबंधी काम 15 मई तक निपटाने के निर्देश दिए गए हैं। डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने बताया कि जिन किसानों की गेहूं अब तक मंडियों में नहीं आई है, उनके लिए भी जल्द ही एक दिन के लिए सरकारी खरीद की जाएगी।

कोरोना काल में बेसहारा बच्चों का सहारा बनेगी परिषद : अत्री

सोनीपत। हरियाणा राज्य बाल परिषद के मानद महासचिव प्रवीण अत्री ने कहा कि कोविड-19 महामारी का संकट सभी के लिए बड़ी मुश्किलें खड़ी करने वाला है। कोई भी वर्ग महामारी के कहर से अछूता नहीं है। कोविड-19 महामारी ने परिवारों के परिवार को लील लिया है। ऐसे भी कई परिवार हैं, जिनमें बच्चों का पालनकर्ता ही कोई नहीं बचा है।

ऐसे में बेसहारा बच्चों का भविष्य अंधकार में जाने का खतरा पैदा हो सकता है। मानद महासचिव प्रवीण अत्री ने कहा कोविड-19 के खतरे को देखते हुए बाल कल्याण के क्षेत्र में पिछले कई दशकों से लगातार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद बेसहारा बच्चों के जीवन में उजाले की नई किरण लेकर आई है। मानद महासचिव ने कहा है कि किसी भी बच्चे का भविष्य अंधकारमय नहीं होने दिया जाएगा।

कोविड-19 महामारी ने जिन बच्चों के परिवार को लील लिया है, उन बच्चों का पालन पोषण हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद करेगी। उन्होंने कहा कि परिषद द्वारा चलाए जा रहे होम बच्चों का एक परिवार हैं। जहां बच्चों को सभी सुविधायें मुहैया करवाई जाती हैं।

रोडवेज की पांच मिनी बसें बनीं एम्बुलेंस

सभी एबुलेंस बसों में होंगे ऑक्सीजन सिलेंडर सहित अन्य स्वास्थ्य उपकरण

रोडवेज करनाल के जीएम बोले, हरियाणा रोडवेज ने भी बढ़ाया सहयोग को हाथ

करनाल। बढ़ते कोरोना को देखते हुए हरियाणा रोडवेज करनाल डिपो की पांच बसों को एम्बुलेंस बनाया गया है। यह बसें ऑक्सीजन सिलेंडर सहित जरूरी उपकरणों से सुसज्जित होंगी। यह बसें किसी भी आपातकालीन स्थिति में ग्रामीण क्षेत्र में बढ़ते कोरोना के उपचार में बेहतरीन सहयोग करेंगी और रोडवेज कर्मचारी ही इन बसों में सेवा देंगे।

डीसी ने बताया कि कोविड-19 महामारी का प्रसार गांव की ओर बढ़ रहा है। इस प्रसार को रोकने तथा किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सरकार हर तरीके से तैयारियां कर रही है। इसी कड़ी में हरियाणा राज्य परिवहन करनाल डिपो में 5 मिनी बसों को एम्बुलेंस के रूप में तैयार किया जा रहा है। इन एम्बुलैंस में ऑक्सीजन सिलेंडर, चिकित्सा उपकरणों के अलावा पीपीई किट भी उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने बताया कि किसी भी स्थिति से निपटने के लिए प्रदेश के सभी जिलों के रोडवेज डिपों में इस तरह की एम्बुलेंस तैयार करने की योजना है।

सिविल सर्जन डा. योगेश शर्मा ने बताया कि कोरोना महामारी में जरूरत पड़ने पर इन एम्बुलेंस बसों को इस्तेमाल में लाया जाएगा। परिवहन विभाग द्वारा जिले में 5 बसें दी गई हैं, जिनको एम्बुलेंस का रूप दिया गया है। इन्हें किसी भी आपात स्थिति में इस्तेमाल किया जाएगा और इन एम्बुलेंसों को रोडवेज के चालक ही चलाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार का यह निर्णय मरीजों को बेहतर सुविधा देने के लिए लिया गया है, ताकि किसी भी मरीज को परेशानी न हो और जरूरत पड़ने पर एम्बुलेंस सुविधा तुरंत मिल सके।

हरियाणा रोडवेज करनाल के जीएम कुलदीप सिंह ने बताया कि कोरोना महामारी को देखते हुए हरियाणा रोडवेज ने भी अपना हाथ बढ़ाया है, जिले में 5 मिनी बसों को एम्बुलेंस का रूप दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से इसमें सभी जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवा दी गई हैं। रोडवेज की ओर से ड्राईवरों की ड्यूटी लगाई गई है।

कोविड से बचाव को सीबीएलयू चला रहा जागरुकता अभियान

भिवानी। कोविड महामारी से बचाव को लेकर चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय जिला प्रशासन के साथ मिलकर विशेष जागरूकता अभियान चलाने जा रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.राजकुमार मित्तल ने इस अभियान को लेकर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डाक्टर जितेन्द्र भारद्वाज, सभी डीन एवं एनएसएस वालंटियर्स के साथ वर्चुअल बैठक की। वर्चुअल बैठक को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल ने कहा कि विश्वविद्यालय जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर इस कोविड महामारी से बचाव के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष जागरूकता अभियान संचालित करने जा रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी एनएसएस वालंटियर्स से वर्चुअल संवाद कर एनएसएस टीमों द्वारा संचालित जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि इस विकट दौर में हम किस प्रकार हम लोगों की मदद कर उनकी सहायता कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के एनएसएस वालंटियर्स ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों सामूहिक हुक्का नहीं पीने और ताश नहीं खेलने के लिए जागरूक करेंगे।

बीपीएस मेडिकल कालेज में बेडों की उचित व्यवस्थाः पूनिया

कोरोना मरीजों को नियमित रूप से उपलब्ध करवाई जा रही है ऑक्सीजन

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ने बताया कि कोरोना से निपटने के लिए बीपीएस महिला मेडिकल कालेज खानपुर कलां में कोरोना मरीजों के लिए 500 बेडों की व्यवस्था की गई है, जिसमें आईसीयू में 200 आक्सीजन बेडों तथा 100 नॉन ऑक्सीजन बेडों तथा 50 वेंटीलेटर बेड्स शामिल हैं। इसके अलावा आईसीयू से अलग भी 150 ऑक्सीजन बेडों की उचित व्यवस्था की गई है।

उपायुक्त ने बताया कि बीपीएस खानपुर में आईसीयू में 100 नॉन ऑक्सीजन बेड्स में से 88 खाली है वहीं आईसीयू में ही 200 ऑक्सीजन बेड्स में से 42 बेड खाली है। उन्होंने बताया कि आईसीयू से अलग 150 ऑक्सीजन बेडों में से 35 बेड खाली है वहीं 50 वेंटीलेटर बेड्स में से 07 वेंटीलेटर बेड खाली है।

उन्होंने बताया कि बीपीएस खानपुर में कोरोना मरीजों को नियमित रूप से आक्सीजन उपलब्ध करवाई जा रही है। बीपीएस मेडिकल कॉलेज में डी-टाईप के 435 ऑक्सीजन सैलेंडर, बी-टाईप के 34 सिलेंडर तथा ए-टाइप के 26 सिलेंडरों की व्यवस्था की गई है। खानपुर मेडिकल कालेज में 53 ऐसे कोरोना मरीज है जो सामान्य आक्सीजन बेडस पर एडमिट है और 145 मरीज है जो हाई फ्लो आक्सीजन थैरेपी बेडों पर एडमिट हैं।

उपायुक्त ने कहा कि बीपीएस मेडिकल खानपुर में एक ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किया जा रहा है, जिसका कार्य बड़ी तेजी से चल रहा है जिसे बहुत ही जल्द शुरू किया जाएगा। इसके शुरू होने से खानपुर मेडिकल कालेज में मरीजों के लिए बाहर से ऑक्सीजन मंगवाने की जरूरत नहीं पडेगी और ऑक्सीजन के मामले में मेडिकल कॉलेज आत्मनिर्भर हो जाएगा।

रात्रि कर्फ्यू के दौरान आदेशों की अवहेलना करने पर 10 गिरफ्तार

सोनीपत। थाना बरोदा, शहर गोहाना, सदर गोहाना, सदर सोनीपत, मोहाना, राई व खरखौदा की पुलिस ने कोरोना संक्रमण के चलते रात्रि कर्फ्यू के दौरान सरकारी आदेशों की अवहेलना करने की घटनाओं में शामिल लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता जगजीत सिंह ने बताया कि जिला सोनीपत के अन्तर्गत अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कोरोना संक्रमण के चलते रात्रि कर्फ्यू के दौरान सरकारी आदेशों की अवहेलना करने की घटनाओं में शामिल 10 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। व्यक्तियों के विरूद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धाराओं के अन्तर्गत थाना बरोदा, शहर गोहाना, सदर गोहाना, सदर सोनीपत, मोहाना, राई व खरखौदा में मामले दर्ज किए गए हैं।

अप्रैल में कम हुई जमीनों की रजिस्ट्रियां

राजस्व घटने से हरकत में आई सरकार, जिला उपायुक्त करेंगे निगरानी

स्टाफ की कमी से नहीं रुकेगा जमीनों का पंजीकरण

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में लॉकडाउन के चलते सरकार को जमीनों की रजिस्ट्री के माध्यम से आने वाले राजस्व में कमी आ गई है। जिसके चलते सरकार ने बुधवार से तहसीलों में पहले की द्रुतरह कामकाज के निर्देश जारी कर दिए हैं।

हरियाणा सरकार की आमदनी का बड़ा साधन शराब की बिक्री तथा तहसीलों में होने वाली रजिस्ट्री रही है। पिछले साल लॉकडाउन के दौरान प्रदेश में शराब और रजिस्ट्री घोटाला हुआ था। पिछले साल के रजिस्ट्री घोटाले में कार्रवाई को लेकर दर्जनों अधिकारी व कर्मचारी जांच के दायरे में हैं। ऐसे में इस साल अप्रैल माह के दौरान ही प्रदेश की तहसीलों में न केवल स्टाफ कम हो गया बल्कि सामान्य दिनों के मुकाबले रजिस्ट्रियों में संख्या में भी कमी आ गई।

हालांकि सरकार द्वारा ऑनलाइन टोकन सिस्टम के अलावा रोजाना की रजिस्ट्रियां बढ़ाने के निर्देश भी जारी किए गए। इसके बावजूद प्रदेश की तहसीलों में पहले की तरह रजिस्ट्री नहीं हुई। जिसके चलते राजस्व विभाग की मासिक बैठक में सरकार के खजाने में आने वाले राजस्व में कमी का मुद्दा उठा है।

हरियाणा के वित्तायुक्त एवं राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के वित्तायुक्त ने प्रदेश के सभी जिला उपायुक्तों को एक पत्र जारी करके कहा है कि रजिस्ट्रेशन तथा स्टांप ड्यूटी कलेक्शन का रिव्यू करते समय पता चला है कि अप्रैल माह तथा मई माह के पहले सप्ताह के दौरान राजस्व में भारी कमी आई है। विभिन्न जिलों से मिली रिपोर्ट के मुताबिक तहसीलों में स्टाफ की उपलब्धता न होने के कारण लोग जमीनों का पंजीकरण नहीं करवा रहे हैं। कई तहसीलों में तो कोरोना व लॉकडाउन का हवाला देकर जमीनों का पंजीकरण बंद कर दिया गया है।

वित्तायुक्त ने सभी जिला उपायुक्तों को निर्देश जारी किए गए हैं कि वह अपने-अपने जिला की तहसीलों में यह सुनिश्चित करें कि कर्मचारी की उपलब्धता न होने के कारण जमीनों का पंजीकरण रूके। जिला उपायुक्तों को निर्देश दिए गए हैं कि वह तहसीलदारों तथा एसडीएम के साथ बैठक करके तहसीलों में जमीनों का पंजीकरण करने के लिए कर्मचारियों को उपस्थिति को यकीनी बनाएं।

कोरोना महामारी प्रकृति के कोप का परिणाम है: माई महाराज

भिवानी। भारत माता सेवा चेरिटीबल ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं श्री कुसुमेश्वर महादेव मंदिर के श्रीमहंत आचार्य माई जी महाराज ने कहा है कि कोरोना महामारी प्रकृति के कोप का परिणाम है। प्रकृति मनुष्य के सात्विक नियमों के विरुद्ध किए जाने वाले क्रियाकलापों से कोपित हो गई है। इसीलिए यह महामारी आई है। उन्होंने कहा है कि कोरोना महामारी से बचने के लिए संयम और नियमों की अनुपालना आवश्यक है।

महाराजजी ने कहा है कि इस महामारी से बचाव के लिए दवा के साथ साधना और आराधना भी जरूरी है। उन्होंने सलाह दी कि लोगों को चाहिए कि वें अपने घरों में रहे और सात्विक भोजन करें तथा अपने इष्ट देव की आराधना करें। अगर धर में शंख हो तो सुबह-सवेरे शंखनाद करें और गायत्री महामंत्र का जाप करें। उन्होंने बताया कि मंत्र का अर्थ मन को एक तंत्र में बांधना है। यदि अनावश्यक और अत्यधिक विचार उत्पन्न हो रहे हैं और जिनके कारण चिंता पैदा हो रही है, तो मंत्र सबसे कारगर औषधि है। उन्होने कहा कि मंत्रों से मनुष्य के अंदर साकारात्मक ऊर्जा पैदा होती है, जिससे हर प्रकार की बीमारी से लड़ने की शक्ति आती है। उन्होने अपने अपने घरों में हवन करने को भी कहा। आचार्य महाराज ने कहा कि हवन से वातावरण में शुद्धि आती है और आक्सीजन की मात्रा बढ़ती है। साथ ही उन्होंने सुबह और शाम की पूजा में घंटी बजाने को भी कहा।

सरकार बताए शराब तस्करों को है किसका संरक्षणः दीपेंद्र हुड्डा

पिछले साल की रिपोर्ट को सार्वजनिक करे सरकार

दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की बजाए मामला दबाया गया

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

राज्य सभा सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने प्रदेश में लॉकडाउन के बावजूद हो रही शराब तस्करी पर हैरानी जताते हुए कहा कि सरकार बताए कि लॉकडाउन में ही शराब तस्करों की बल्ले-बल्ले क्यों हो जाती है। उन्होंने कहा कि बोंदकलां पुलिस ने बीते दिनों शराब की 290 तथा फतेहाबाद की भूना पुलिस ने 340 शराब की जो पेटियां बरामद की वो शराब कहां से निकली इसका पता लगाने से भी ज्यादा जरुरी ये पता लगाना है कि शराब तस्करों को किसका संरक्षण मिला हुआ है।

किसके संरक्षण में शराब तस्करी का गोरखधंधा चल रहा है। पूरा प्रदेश पिछले साल भी लॉक डाउन के दौरान हुए शराब घोटाले का गवाह है। जब पूरी दुनिया कोरोना की पहली लहर से लड़ाई लड़ रही थी तब लॉकडाउन में ठेके बंद रहते हुए भी हरियाणा में धड़ल्ले से शराब बिकी और हज़ारों करोड़ रुपये की अवैध कमाई की गई। अवैध तस्करी और चोर दरवाजे से महंगे दामों पर शराब की होम डिलीवरी तक की गई।

शराब माफिया, प्रशासन और सरकार में उच्च पदों पर बैठे राजनीतिज्ञों ने गठजोड़ करके करोड़ों रुपए के इस शराब घोटाले को अंजाम दिया। कुछ दिन शोर मचने के बाद सब कुछ ठंडे बस्ते में चला गया। आज ये भी पता नहीं है कि जांच रिपोर्ट कहां है। लगता है कि जांच रिपोर्ट की फाइल किसी सरकारी दफ्तर में धूल फांक रही होगी। उन्होंने कहा कि पिछली बार जिन लोगों ने करोड़ों रुपये के शराब घोटाले को अंजाम दिया जब उनका कुछ नहीं बिगड़ा तो इस बार फिर तस्करों के हौसले बुलंद हो गये। सरकार बताये कि गत वर्ष लॉक डाउन के दौरान शराब घोटाला करने वालों पर क्या कार्रवाई हुई। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि इस हाईलेवल शराब घोटाले पर पर्दा डालने की एक के बाद एक कई कोशिशें की गई। मामले को दबाने के लिए जो एसईटी बनाई गई थी, उसने भी अपनी रिपोर्ट में माना कि लॉकडाउन के दौरान प्रदेश में बड़ा शराब घोटाला हुआ।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने सोनिया को लिखे पत्र में कहा

कोविड-19 में लोगों को गुमराह और भयभीत न करे कांग्रेस

एजेंसी। नई दिल्ली

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंगलवार को कांग्रेस पर कोविड-19 के खिलाफ जारी देश की लड़ाई में लोगों को गुमराह करने और भय का झूठा माहौल पैदा करने का आरोप लगाया। कहा कि संकट के इस दौर में राहुल गांधी सहित उसके नेताओं के व्यवहार को छल कपट और ओछेपन के लिए याद किया जाएगा।

नड्डा ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को लिखे चार पन्नों के एक पत्र में यह आरोप लगाए हैं। ज्ञात हो कि सोमवार को कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक हुई थी

राहुल गांधी सहित अन्य नेताओं के व्यवहार, छल कपट और ओछेपन को याद करेगा देश

जिसमें कोविड-19 प्रबंधन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आड़े हाथों लिया गया था। भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेसी मुख्यमंत्रियों सहित पार्टी के अन्य नेताओं पर टीकों को लेकर असमंजस की स्थिति पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह स्थिति ऐसे समय में पैदा की गई

जब देश संकट से जूझ रहा है और वह भी सदियों में एक बार आने वाली महामारी से।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विज्ञान में अटूट विश्वास, नवोन्मेष को समर्थन, सहकारी संघवाद के साथ वैश्विक महामारी से निपटा जा रहा है। नड्डा ने कहा कि वह संकट के इस काल में कांग्रेस के रवैए से दुखी हैं लेकिन आश्चर्यचकित नहीं हैं। कांग्रेस की शीर्ष नीति निर्धारण इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने देश में कोरोना महामारी की गंभीर स्थिति पर चिंता प्रकट करते हुए सोमवार को कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपनी गलतियां स्वीकार करना चाहिए और इस महामारी से लड़ने के लिए पूरी तरह समर्पित होना चाहिए। सीडब्ल्यूसी की डिजिटल बैठक में पारित प्रस्ताव में यह आरोप भी लगाया गया था कि केंद्र सरकार ने कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई में अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ लिया तथा टीकाकरण एवं दूसरे कदमों का पूरा उत्तरदायित्व राज्यों पर छोड़ दिया।

एचसीएल दिल्ली सरकार को 21 ऑक्सीजन संयंत्र देगी

नई दिल्ली। प्रौद्योगिकी कंपनी एचसीएल ने मंगलवार को कहा कि वह दिल्ली सरकार को 12,000 ऑक्सीजन सिलेंडर और 21 ऑक्सीजन संयंत्र देगी। एचसीएल ने एक बयान में कहा कि प्रत्येक सिलेंडर में 40 लीटर ऑक्सीजन की क्षमता है, जबकि 21 ऑक्सीजन संयंत्र प्रति मिनट 8,800 लीटर ऑक्सीजन तैयार करेंगे।

बयान में कहा गया कि इनमें से इस्तेमाल के लिए तैयार दो ऑक्सीजन संयंत्र फ्रांस से आयात किए गए हैं और उन्हें पहले सी सौंपा जा चुका है, जिन्हें राष्ट्रीय राजधानी के संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय में स्थापित किया जाएगा।

सरकारें कोविड-19 से निपटने के लिए कर रही हैं काम

कोई कमी लगे तो सुझाव दें आलोचना न करें : राजनाथ

रक्षामंत्री और सांसद ने लखनऊ एचएएल के बनाए कोविड अस्पताल की शुरूआत कर कहा

एजेंसी। लखनऊ

कोरोना वायरस से निपटने के मामले में विपक्ष की लगातार आलोचनाओं का जवाब देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को यहां कहा कि सभी राज्य सरकारें और केंद्र सरकार इस चुनौती से निपटने के लिए जितना हो सकता है, कर रही हैं। यदि कोई चूक रह जाती है तो आलोचना करने के बजाय सुझाव दिए जाने चाहिए।

रक्षामंत्री और स्थानीय सांसद सिंह मंगलवार को राजधानी के कानपुर रोड स्थित हज हाऊ स में हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा बनाए गए 255 बिस्तरों वाले कोविड अस्पताल की शुरूआत करने आए थे। इससे पहले रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने पांच मई को राजधानी के अवध शिल्पग्राम में 450

से अधिक बिस्तर वाले अटल बिहारी वाजपेई कोविड अस्पताल की शुरूआत की थी। बाद में रक्षा मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, उत्तर प्रदेश सरकार ने कोविड के मामलों से निपटने में जितनी तत्परता दिखाई है उसकी जितनी भी सराहना की जाए, कम है। खामियां किसी से भी हो सकती हैं, जो काम करेगा उसी से कहीं कोई चूक भी हो सकती है, लेकिन मैं समझता हूं कि आलोचना का समय नहीं है। यदि कहीं पर किसी को कोई कमी दिखाई देती है और यदि वह अपना सुझाव देता है तो प्रदेश सरकार स्वागत करेगी।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस आपदा को चुनौती के रूप में स्वीकार किया है। इस चुनौती से निपटने के लिए जो भी प्रयास हो सकते हैं, सरकार कर रही है। सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार ने जिस प्रकार से दुनिया के दूसरे देशों के साथ अच्छे कूटनीतिक संबंध बनाने में कामयाबी हासिल की है, उसी का परिणाम है कि देश में इस संकट के समय विश्व के कई देश मदद के लिए तैयार हैं। मदद मुहैया भी करा रहे हैं। सिंह ने कहा, कोरोना वायरस संक्रमण के कारण जो जानें गई हैं, उनके परिवारों के प्रति भी मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।

रक्षा मंत्री ने दावा किया कि प्रदेश सरकार के कामकाज की सराहना विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भी की है। गौरतलब है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सोमवार को ट्वीट में कहा, भारत के सबसे घनी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में राज्य सरकार ग्रामीण इलाकों में कोविड-19 के मामलों का पता घर-घर जाकर लगा रही है और त्वरित पृथक-वास, रोग प्रबंधन और संपर्कों का पता कर इसका प्रसार रोक रही है। सिंह ने कहा कि सभी राज्य सरकारें और केंद्र सरकार इस चुनौती से निपटने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्र के प्रयासों के लिए प्रधानमंत्री मोदी और रक्षा मंत्री सिंह का आभार व्यक्त किया।

अमेरिका में भारतीय राजदूत ने की केंटकी के गवर्नर से व्यापार बढ़ाने को चर्चा

वाशिंगटन। अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए अमेरिकी राज्य केंटकी के गवर्नर एंडी बेशर के साथ एक आभासी बैठक की। बैठक में स्वास्थ्य, ज्ञान और कृषि साझेदारी को मजबूत करने और आपूर्ति श्रृंखलाओं में निवेश बढ़ाने पर चर्चा हुई। भारत और केंटकी के बीच 2020 में द्विपक्षीय व्यापार 1.7 अरब अमेरिकी डॉलर था।

केंटकी के लिए भारत का निर्यात 1.5 अरब डॉलर और आयात 15.5 करोड़ डॉलर था। केंटकी से भारत में निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तुएं-रसायन, मशीनरी (विद्युत को छोड़कर), कंप्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद और परिवहन उपकरण हैं। संधू ने ट्वीट किया, गवर्नर एंडी बेशर के साथ आज दोपहर हमने केंटकी के साथ भारत के संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए चर्चा की।

उन्होंने कहा, हमने स्वास्थ्य, ज्ञान और कृषि साझेदारी को मजबूत बनाने और आपूर्ति श्रृंखलाओं में निवेश बढ़ाने पर चर्चा की। केंटकी में लगभग 10 भारतीय कंपनियां मौजूद हैं, जिनमें नॉवेलिस, यूफ्लेक्स, पिरामल समूह, फर्स्टसोर्स समूह, चंद्रा प्रोटेको, कैंब्रिज टेक्नोलॉजी एंटरप्राइजेज शामिल हैं।

राहुल ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधा, बोले: गुलाबी चश्मा उतारिए

गुलाबी चश्मे से सेंट्रल विस्टा परियोजना के अलावा कुछ और दिखाई नहीं देता

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश में कोरोना महामारी की गंभीर स्थिति को लेकर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनको अपने उस गुलाबी चश्मे को उतारना चाहिए जिससे सेंट्रल विस्टा परियोजना के अलावा कुछ और नहीं दिखाई देता।

उन्होंने ट्वीट किया, नदियों में बहते शव, अस्पतालों में लंबी लाइनें , जीवन सुरक्षा का छीना हुआ हक़ प्रधानमंत्री, वो गुलाबी चश्में उतारिए जिससे सेंट्रल विस्टा के सिवा कुछ दिखता ही नहीं। राहुल गांधी ने लोगों का आह्वान किया कि वे कोरोना महामारी के इस मुश्किल समय में एक दूसरे की मदद करें। उन्होंने कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने के मकसद से चलाए गए सोशल मीडिया अभियान स्पीकअप टू सेव लाइव्स के तहत लोगों से इस वक्त एकजुट होने की अपील की। कांग्रेस नेता ने एक मिनट का वीडियो साझा किया जिसमें दिखाया गया है कि ऑक्सीजन, वेंटिलेटर, आईसीयू बेड और टीके की कमी है तथा लोग इनके लिए संघर्ष कर रहे हैं। राहुल गांधी ने ट्वीट किया, हमारे देश को इस मुश्किल समय में मददगार हाथों की जरूरत है।

राहुल ने कोरोना संकट में लोगों से एक दूसरे की मदद का आह्वान किया

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को लोगों का आह्वान किया कि वे कोरोना महामारी के इस मुश्किल समय में एक दूसरे की मदद करें।

उन्होंने कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने के मकसद से चलाए गए सोशल मीडिया अभियान स्पीकअप टू सेव लाइव्स के तहत लोगों से इस वक्त एकजुट होने की अपील की। कांग्रेस नेता ने एक मिनट का वीडियो साझा किया जिसमें दिखाया गया है कि ऑक्सीजन, वेंटिलेटर, आईसीयू बेड और टीके की कमी है तथा लोग इनके लिए संघर्ष कर रहे हैं। राहुल गांधी ने ट्वीट किया, हमारे देश को इस मुश्किल समय में मददगार हाथों की जरूरत है।

पाकिस्तान में नहीं मिला भारतीय कोरोना वैरियंट

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान में कोरोना वायरस के भारतीय स्वरूप का अब तक कोई मामला नहीं आया है। देश में कोरोना वायरस कार्य बल के एक वरिष्ठ प्रभारी मंत्री ने यह बात कही। योजना मंत्री और राष्ट्रीय स्तर पर कोविड-19 से निपटने के लिए बनाई गई केंद्रीकृत संस्था नेशनल कमांड एंड ऑपरेशन सेंटर (एनसीओसी) के प्रमुख असद उमर ने उन खबरों को भी सोमवार को खारिज किया कि वायरस का भारतीय स्वरूप देश से थाईलैंड पहुंचा है।

खबरों के अनुसार थाईलैंड से स्वास्थ्य अधिकारियों ने सोमवार को कोरोना वायरस के भारतीय स्वरूप के पहले मामले की पुष्टि की। यह वायरस एक थाई महिला और उसके चार साल के बेटे में पाया गया है। दोनों पाकिस्तान से लौटने के बाद पृथक-वास में हैं। कोरोना वायरस की नई लहर से जूझने के बीच थाईलैंड में यह मामला सामने आया है। इन खबरों पर प्रतिक्रिया करते

एनसीओसी के प्रमुख ने खारिज किया कि वायरस का भारतीय स्वरूप देश से थाईलैंड पहुंचा

हुए उमर ने कहा कि यह संभव नहीं है कि पाकिस्तान से गए दो थाई नागरिक कोरोना वायरस के भारतीय स्वरूप से संक्रमित हुए हों, क्योंकि देश में अब तक इस स्वरूप का कोई मामला नहीं आया है। डॉन अखबार ने उमर के हवाले से कहा कि ब्रिटेन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के स्वरूप के कुछ मामले देश में सामने आए हैं, लेकिन भारतीय स्वरूप का एक भी मामला सामने नहीं आया है। वायरस के भारतीय स्वरूप का सबसे पहले पता पिछले साल अक्टूबर में महाराष्ट्र में चला था। वायरस का यह स्वरूप कम से कम 21 देशों में देखा गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भूटानी समकक्ष लोटे शेरिंग से की बात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अपने भूटानी समकक्ष लोटे शेरिंग से बात की और इस दौरान पड़ोसी देश की सरकार ने कोविड-19 महामारी की ताजा लहर से जूझ रहे भारत के प्रति एकजुटता प्रदर्शित की।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि टेलीफोन से हुई इस वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने संकट के इस समय भारत का सहयोग करने के लिए धन्यवाद दिया। मोदी ने कोविड-19 के खिलाफ जंग में बेहतर प्रबंधन के लिए भूटान नरेश शेरिंग के नेतृत्व की सराहना की और उनके प्रयासों के लिए शुभकामनाएं भी दीं। बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने वर्तमान संकट की स्थिति के मद्देनजर भारत और भूटान के विशेष दोस्ताना संबंधों को रेखांकित किया जिसका आधार आपसी तालमेल और सम्मान, साझा सांस्कृतिक विरासत और लोगों के बीच मजबूत संबंध हैं।

इजराइली हमले में मरे बच्चों समेत 24 गाजा के चरमपंथी

हमास ने दो सुरंगों को भी बनाया निशाना

गाजा सिटी (गाजा पट्टी)। इजराइल ने मंगलवार सुबह गाजा की ओर हवाई हमले किए और एक इमारत को निशाना बनाया जिसमें हमास के चरमपंथी रहते थे। इन हमलों में सीमा पर स्थित दो सुरंगों को भी निशाना बनाया गया, जिन्हें चरमपंथियों ने खोदा था। वहीं हमास तथा अन्य हथियारबंद समूहों ने भी इजराइल की ओर अनेक रॉकेट दागे।

गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि सोमवार शाम सीमापार लड़ाई शुरू हो गई थी जिसमें नौ बच्चों समेत 24 फलस्तीनी मारे गए। ज्यादातर की मौत हवाई हमलों के कारण हुई। इजराइल की सेना ने कहा कि मृतकों में से 15 चरमपंथी थे। गाजा के चरमपंथियों ने 200 से अधिक रॉकेट इजराइल की ओर दागे, जिनके कारण इजराइल के छह आम नागरिक घायल हो गए। इससे पहले सोमवार को फलस्तीनी लोगों और इजराइल के सुरक्षा बलों के बीच कई घंटों तक संघर्ष हुए थे। बीते 24 घंटों में यरूशलम और वेस्ट बैंक क्षेत्र में इजराइल के सुरक्षा बलों के साथ संघर्ष में 700 से अधिक फलस्तीनी घायल हो गए। इनमें से 500 को अस्पतालों में भर्ती करवाना पड़ा। हिंसा का कारण यरूशलम पर फलस्तीन और इजराइल दोनों द्वारा दावा जताना है।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार को चेतावनी दी थी कि यह लड़ाई कुछ समय तक जारी रह सकती है। इजराइल की सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल जोनाथन कॉनरिकस ने मंगलवार को संवाददाताओं को बताया कि सेना गाजा में लक्ष्यों को निशाना बनाने के शुरुआती चरण में है। इन लक्ष्यों को निशाना बनाने की योजना बहुत पहले बना ली गई थी।

ओयो ऐप पर बताएगा होटलों के कर्मियों के टीकाकरण की स्थिति

नई दिल्ली। आतिथ्य क्षेत्र की कंपनी ओयो ने मंगलवार को कहा कि वह अपने ऐप पर भागीदार होटलों के कर्मचारियों के कोविड-19 टीकाकरण की स्थिति को बताएगा, क्योंकि उसका मानना है कि ऐसी पहल से ग्राहकों के बीच भरोसा और बढ़ेगा।

ओयो ने कहा कि पर्यटन और यात्रा उद्योग को पटरी पर लाने के लिए टीकाकरण बेहद महत्वपूर्ण है। ओयो के संस्थापक और समूह सीईओ रितेश अग्रवाल ने एक ट्वीट में कहा, कोविड-19 के खिलाफ टीकाकरण सबसे महत्वपूर्ण पहल है। ओयो में हम होटल कर्मचारियों की टीकाकरण की स्थिति को दर्शाने के लिए एक नया फीचर वैक्सीनएड पेश कर रहे हैं। ओयो के सर्वेक्षणों से पता चला है कि 87 प्रतिशत लोग जब फिर से यात्रा की योजना बनाएंगे, तो वे प्रतिरक्षित कर्मचारियों वाले होटल को पसंद करेंगे।

प्रवर्तन निदेशालय ने महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री देशमुख के खिलाफ धन शोधन का मामला दर्ज किया

प्रवर्तन निदेशालय अब देशमुख और अन्य को तलब कर सकता है पूछताछ के लिए

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित रिश्वत के मामले में महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ धन शोधन रोकथाम कानून के तहत एक आपराधिक मामला दर्ज किया है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को इस बारे में बताया। उन्होंने बताया कि देशमुख के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा पिछले महीने दर्ज की गई प्राथमिकी का अध्ययन करने के बाद धन शोधन रोकथाम कानून

(पीएमएलए) की धाराओं के तहत यह मामला दर्ज किया गया है।

अधिकारी ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय अब देशमुख (71) और अन्य लोगों को पूछताछ के लिए तलब कर सकता है। बंबई उच्च न्यायालय के आदेश पर नियमित मामला दर्ज कर सीबीआई द्वारा की गई प्रारंभिक जांच के बाद ईडी ने यह मामला दर्ज किया है। बंबई उच्च न्यायालय ने मुंबई पुलिस के पूर्व आयुक्त परमबीर सिंह द्वारा देशमुख के खिलाफ लगाए गए रिश्वत के आरोपों की जांच करने को कहा था। एजेंसी जांच करेगी कि महाराष्ट्र में पुलिसकर्मियों के स्थानांतरण और पोस्टिंग के नाम पर क्या अवैध धन अर्जित किए गए और क्या पुलिसकर्मियों ने अवैध वसूली की थी जैसा कि सिंह ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था। एजेंसी के पास छानबीन के दौरान आरोपियों की संपत्तियां जब्त करने का अधिकार है और वह इसके बाद मुकदमे के लिए पीएमएलए अदालत के समक्ष आरोपपत्र दाखिल करेगी। उद्योगपति मुकेश अंबानी के आवास के पास एक संदिग्ध एसयूवी मिलने के मामले में छानबीन के दौरान पुलिसकर्मी सचिन वाजे की भूमिका सामने आने के बाद सिंह को उनके पद से हटा दिया गया था। संदिग्ध एसयूवी में जिलेटन की छड़ें रखी हुई थी।

पुलिस आयुक्त पद से हटाए जाने के बाद सिंह ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को एक पत्र में कहा था कि देशमुख ने वाजे को मुंबई में बार और रेस्तरां से 100 करोड़ रुपए की कथित रूप से वसूली के लिए कहा था। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता देशमुख, ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र विकास आघाड़ी सरकार में गृह मंत्री थे। सीबीआई की प्राथमिकी में आरोप लगाया है, प्रारंभिक जांच से कुछ ऐसा ही खुलासा हुआ है।

कोरोना संकट में कम हों पेट्रोल-डीजल की कीमतें

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर मंगलवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि कोरोना महामारी के संकट के समय पेट्रोलियम उत्पादों के दाम में कमी करके जनता को राहत दी जाए।

पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यह भी कहा कि पेट्रोल-डीजल को माल एवं सेवा (जीएसटी) कर के दायरे में लाया जाए और यह होने तक उत्पाद शुल्क में की गई बढ़ोतरी को वापस लिया जाए। उन्होंने एक बयान में दावा किया, भारत के 130 करोड़ लोग आज कोरोना महामारी से लड़ रहे हैं लेकिन भारतीय जनलूट पार्टी (भाजपा) की लूट जारी है। पांच विधानसभाओं के चुनाव खत्म होते ही भाजपा सरकार का तेल की लूट का खेल

चुनाव खत्म होते ही भाजपा सरकार का तेल की लूट का खेल शुरू हुआ : सुरजेवाला

शुरू हो गया है, जिसके अंतर्गत मोदी सरकार ने पिछले आठ दिन में पेट्रोल 1.40 रुपये और डीजल को 1.63 रुपये प्रति लीटर महंगा कर दिया है।

उन्होंने कहा, सच्चाई यह है कि कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमत कांग्रेस के समय से एक चौथाई कम है, लेकिन मोदी सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क को बार-बार बढ़ा कर जनता का तेल निकाल दिया है। सुरजेवाला के मुताबिक, 26 मई, 2014 को जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता संभाली थी, तब भारत की तेल कंपनियों को कच्चा तेल 108 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल मिल रहा था।

संक्षिप्त समाचार

उपराष्ट्रपति नायडू ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर बधाई दी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने मंगलवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर देश के वैज्ञानिकों और अनुसंधानकर्ताओं को बधाई दी और समाज में खुशहाली, उत्तम स्वास्थ्य व समृद्धि लाने के लिए उनकी सफलता की कामना की। उपराष्ट्रपति कार्यालय की ओर से किए गए एक ट्वीट में नायडू ने कहा, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर देश के वैज्ञानिकों और अनुसंधानकर्ताओं का हार्दिक अभिनंदन करता हूं। विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अन्वेषण ही आज प्रगति के पर्याय हैं। हमारे शोधकर्ता समाज में खुशहाली, स्वास्थ्य, समृद्धि लाएं, इस दिशा में आपकी भावी सफलताओं की कामना करता हूं। वर्ष 1998 में 11 मई के दिन ही भारत ने तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के कार्यकाल में दूसरा सफल परमाणु परीक्षण किया था। यह परीक्षण राजस्थान के पोखरण में किया गया था। प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की इस उपलब्धि को लेकर, हर साल 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया जाता है।

एमपी में पटाखे बनाते समय विस्फोट से तीन महिलाओं की मौत

हरदा (मप्र)। मध्य प्रदेश के हरदा में सिविल लाइन पुलिस थाने से करीब 500 मीटर दूर एक मकान में कथित तौर पर अवैध पटाखे बनाए जाते समय अचानक विस्फोट हो गया, जिससे एक ही परिवार की तीन महिलाओं की मौत हो गई। सिविल लाइन पुलिस थाना प्रभारी हिमलेंद्र पटेल ने मंगलवार को बताया कि यह घटना सोमवार देर शाम हरदा शहर के मगरधा रोड स्थित बैरागढ़ के एक मकान में घटी। उन्होंने कहा कि मृतकों की पहचान विमला बाई (60), शांता बाई (80) एवं पप्पी (16) के रूप में की गई है। तीनों पटाखे बना रही थीं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। पटेल ने बताया कि इस हादसे में घर के दूसरे कमरे में मौजूद दो अन्य लोग घायल हो गए, जिनका हरदा अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि इस विस्फोट से घर में आग लग गई। इसी बीच, हरदा जिले के अपर कलेक्टर जेपी सय्याम ने बताया कि इस घर में अवैध रूप से पटाखे बनाए जा रहे थे। उन्होंने कहा, इस बात की जांच की जा रही है कि इस परिवार को पटाखे बनाने के लिए विस्फोटक पदार्थ सहित कच्चा माल कहां से उपलब्ध कराया गया था।

चीन की जनसंख्या बढ़कर 1.41178 अरब, 2022 में घटेगी

बीजिंग। चीन की आबादी 2019 की तुलना में 0.53 प्रतिशत बढ़कर 1.41178 अरब हो गई है। 2019 में आबादी 1.4 अरब थी। हालांकि इसके अगले साल की शुरुआत से घटने का अनुमान है। चीन की सरकार की तरफ से मंगलवार को जारी की गई सातवीं राष्ट्रीय जनसंख्या जनगणना के अनुसार, चीन के सभी 31 प्रांत, स्वायत्त क्षेत्र और नगरपालिका की आबादी 1.41178 अरब थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) के अनुसार, नई जनगणना के आंकड़ों से पता चलता है कि चीन जिस संकट का सामना कर रहा था, उसके और गहराने की उम्मीद है, क्योंकि देश में 60 वर्ष से अधिक लोगों की आबादी बढ़कर 26.4 करोड़ हो गई है। एनबीएस ने एक बयान में कहा कि जनसंख्या औसत आयु बढ़ने से दीर्घकालिक संतुलित विकास पर दबाव बढ़ेगा। देश में 89.4 करोड़ लोगों की उम्र 15 से 59 वर्ष के बीच है, जो कि 2010 की तुलना में 6.79 प्रतिशत कम है। चीन के नेताओं ने जनसंख्या को बढ़ने से रोकने के लिए 1980 से जन्म संबंधी सीमाएं लागू की थीं, लेकिन अब उन्हें इस बात की चिंता है कि देश में कामकाजी आयु वर्ग के लोगों की संख्या तेजी से कम हो रही है और इसके कारण समृद्ध अर्थव्यवस्था बनाने के प्रयास बाधित हो रहे हैं। चीन में जन्म संबंधी सीमाओं में ढील दे दी गई है, लेकिन दंपती महंगाई, छोटे आवास और मांओं के साथ नौकरी में होने वाले भेदभाव के कारण बच्चों को जन्म देने से कतराते हैं।

मोदी ने कोविड-19 से लड़ाई में अन्वेषकों का योगदान सराहा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर कहा कि देश के वैज्ञानिक और अन्वेषक चुनौतिपूर्ण परिस्थितियों में पिछले साल भर से कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में कड़ी मेहनत कर अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। मोदी ने ट्वीट कर कहा, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर हम अपने वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकी के प्रति समर्पित लोगों की कड़ी मेहनत को नमन करते हैं। उन्होंने कहा, आज के दिन हम गर्व से 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षण को याद करते हैं जिसने भारत की वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीय क्षमता का लोहा मनवाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के वैज्ञानिक और अन्वेषक प्रत्एक चुनौती का सामना करने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कहा, पिछले एक साल से कोविड-19 के खिलाफ उन्होंने कड़ी मेहनत की है। मैं उनकी भावना और जज्बे की सराहना करता हूं। वर्ष 1998 में 11 मई के दिन ही भारत ने तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के कार्यकाल में दूसरा सफल परमाणु परीक्षण किया था। यह परीक्षण राजस्थान के पोखरण में किया गया था। प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की इस उपलब्धि पर ही राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया जाता है।

अमेरिका में भारतवंशी पर अपनी मां की हत्या का आरोप

न्यूयार्क। भारतीय मूल एक व्यक्ति पर न्यूयार्क में घर पर अपनी 65 वर्षीय मां की यौन प्रताड़ना और उनकी हत्या करने का आरोप लगा है। मीडिया की खबरों के मुताबिक अभियोजकों ने बताया कि पुष्कर शर्मा (28) ने शनिवार सुबह बेल्लेरोस मनोर के जमैका में अपने घर पर सरोज शर्मा पर हमला किया। आरोप है कि उसने अपनी मां का गला दबा दिया और कई घूंसे मारे। न्यूयार्क पोस्ट ने अधिकारियों के हवाले से बताया है कि मां की यौन प्रताड़ना के बाद बेटा उन पर लगातार हमला करता रहता। इससे पीड़िता अचेत हो गई और उसकी मौत हो गई। शर्मा ने पुलिस को बताया, उसने तब तक मां का गला दबाए रखा जब तक कि उनकी मौत नहीं हो गई। घटना के बाद शर्मा 105 प्रेसिंक्ट पहुंचा और उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया। पुलिसकर्मियों ने बताया सरोज शर्मा की बेटी ने मां को मृत अवस्था में देखा। महिला को अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। क्वींस डिस्ट्रिक्ट की अटॉर्नी मेलिंडा काट्ज ने रविवार को बताया, मदर्स डे पर आरोपी ने खौफनाक, बर्बर घटना को अंजाम दिया। शर्मा पर हत्या और यौन प्रताड़ना के आरोप लगाए गए हैं। उसे जमानत नहीं मिलेगी और मामले में अदालत में 24 मई को सुनवाई होगी। शर्मा के पड़ोसी केल्विन ने बताया उसे पता चला था कि शर्मा कुछ मानसिक परेशानियों से जूझ रहा था लेकिन इस तरह की घटना के बारे में जानकर वह स्तब्ध हैं।

पंजाब में एनएचएम के एक हजार संविदा कर्मी हटाए

चंडीगढ़। पंजाब के स्वास्थ्य विभाग ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) में अनुबंध के तहत काम करने वाले करीब एक हजार प्रदर्शनकारी कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त करने के आदेश दिए हैं। ये कर्मचारी कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के दौरान अपनी ड्यूटी पर नहीं लौटे थे। पैरामेडिकल कर्मचारी समेत एनएचएम पंजाब के लिए काम करने वाले करीब नौ हजार संविदा कर्मचारी जिनमें भी शामिल हैं, वे नौकरी के नियमन और वेतन वृद्धि की मांग को लेकर हड़ताल पर हैं। पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिधु की अपील के बाद करीब आठ हजार प्रदर्शनकारी कर्मचारी काम पर लौट आए थे। राज्य के सभी सिविल सर्जनों को सोमवार को दिए गए आदेश में एनएचएम, पंजाब के निदेशक ने कहा है कि सभी प्रदर्शनकारी कर्मचारियों की सेवाएं तत्काल प्रभाव से खत्म कर दी जाए। इसके अलावा कहा गया है कि इन कर्मचारियों के स्थान पर अन्य कर्मचारियों की सेवाएं ली जाएं। यह कार्रवाई आपदा प्रबंधन कानून के तहत की गई है। एनएचएम राज्य कर्मचारी संघ के अध्यक्ष इंद्रजीत राणा ने मंगलवार को कहा कि संघ ने स्वास्थ्य अधिकारियों से अपील की है कि वे इन कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करें और उन्हें ड्यूटी पर लौटने दें।

महाराष्ट्र सरकार 45 प्लस आयु वालों के लिए वैक्सीन देगी

मुंबई। कोविड-19 रोधी टीकों की कमी के बीच महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को फैसला किया कि वह 18-44 आयुवर्ग के लोगों के लिए आई कोवैक्सीन की तीन लाख शीशी 45 और उससे ज्यादा आयुवर्ग के लोगों के इस्तेमाल के लिए देगी। संवाददाताओं से बात करते हुए प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने यह भी कहा कि राज्य में 45 साल से ज्यादा उम्र के पांच लाख से ज्यादा लोग टीके की दूसरी खुराक का इंतजार कर रहे हैं। टोपे ने कहा, अगर तय समय में दूसरी खुराक न लगाई जाए तो टीके के प्रभाव पर व्यापक असर पड़ता है। ऐसे स्वास्थ्य संकट से बचने के लिए प्रदेश सरकार ने 18 से 44 आयुवर्ग के लोगों के लिए खरीदी गई कोवैक्सीन की तीन लाख शीशियों को 45 साल से ज्यादा उम्र के लोगों के टीकाकरण के लिए देने का फैसला किया है।

गाजियाबाद में इसी माह चालू हो जाएंगे ऑक्सीजन के नौ प्लांट

जिला स्तरीय अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए हुए स्वीकृत

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

फाइल फोटो

● विधायक निधि से तीन, सीएसआर फंड से चार और एक-एक पीएम केयर व सांसद निधि से बनेगा

कोरोना पीड़ितों के लिए एक राहत भरी खबर आ रही है। देश की राजधानी दिल्ली से सटे जनपद के सरकारी अस्पतालों में जल्द ही ऑक्सीजन की समस्या दूर हो जाएगी। शासन के निर्देश पर जनपद के नौ सरकारी अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट स्वीकृत किए गए हैं। इनमें तीन प्लांट जिला स्तरीय सरकारी अस्पतालों में होंगे और सभी चार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों व एक प्राथमिक स्वास्थ्य और एक ईसीआईसी अस्पताल के लिए ऑक्सीजन प्लांट स्वीकृत किया गया है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. एनके गुप्ता ने बताया सभी प्लांट इसी माह के अंत तक काम करने लगेंगे। तीन ऑक्सीजन प्लांट विधायक निधि से, चार ऑक्सीजन प्लांट कारपोरेट सोशल रेस्पोंसबिलिटी (सीएसआर) फंड से और एक प्लांट सांसद निधि से व एक प्लांट के लिए पीएम केयर फंड से धनराशि उपलब्ध कराई गई है।

सीएमओ ने बताया कि मुख्यमंत्री ने सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर ऑक्सीजन प्लांट लगाए जाने की घोषणा की थी। शासन के निर्देश पर जनपद में भी नौ ऑक्सीजन प्लांट स्वीकृत किए गए हैं। इनमें जिला एमएमजी चिकित्सालय, संयुक्त जिला चिकित्सालय और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुरादनगर में विधायक निधि से ऑक्सीजन प्लांट स्थापित कराया जा रहा है, जबकि जिला महिला चिकित्सालय, स्वास्थ्य केंद्र डासना, सामुदायिक स्वास्थ्य मोदीनगर और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लोनी के लिए सीएसआर फंड से धन उपलब्ध कराया गया है। इसके अलावा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भोजपुर को पीएम केयर फंड से धन उपलब्ध कराया गया है।

साहिबाबाद स्थित ईएसआईसी चिकित्सालय में ऑक्सीजन प्लांट सांसद निधि से बनाया जा रहा है। सीएमओ ने बताया 30 मई तक सभी नौ ऑक्सीजन प्लांट काम करना शुरू कर देंगे। उन्होंने बताया पांच अस्पतालों में प्लांट के इंस्टालेशन के लिए एजेंसी भी नियुक्त कर दी गई है कि जबकि चार अन्य के लिए एजेंसी की नियुक्ति प्रक्रिया में है।

ऑक्सीजन मशीन का बटन दबाकर कोविड अस्पताल का उद्घाटन करते हुए प्रदेश के स्वास्थ्य राज्य मंत्री अतुल गर्ग।

नोएडा में मंगलवार को संक्रमण से 12 की मौत

नोएडा। भरपूर कोशिशों के बावजूद गौतमबुद्धनगर में कोरोना संक्रमण थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार को एक बार फिर 12 लोगों की महामारी के कारण मौत हो गई है। अब तक जिले में 339 लोगों की जान जा चुकी हैं।

बड़ी बात यह है कि मंगलवार को मौतों की संख्या के मामले में गौतमबुद्धनगर ने गाजियाबाद जिले को पीछे छोड़ दिया है। इतना ही नहीं पिछले 24 घंटों के दौरान जिले में 1229 नए मामले दर्ज किए गए हैं। मेरठ के बाद गौतमबुद्ध नगर में सबसे ज्यादा मरीज रिपोर्ट किए गए हैं। लोगों में आने वाले दिनों को लेकर तमाम तरह की आशंकाएं बनी हुई हैं।

कृष्णा डेंटल कॉलेज में बनाया कोविड अस्पताल

● स्वास्थ्य राज्यमंत्री ने किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

हिंडन पार मोहन नगर स्थित कृष्णा डेंटल कॉलेज में 50 बेड का कोविड अस्पताल मंगलवार शाम से शुरू हो गया। इस प्रकार गाजियाबाद जिले में कोविड अस्पतालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है। इसको श्री गुरुद्वारा प्रबंधन समिति इंदिरापुरम के सहयोग से यहां ऑक्सीजन युक्त आइसोलेशन सेंटर खोला गया है। मंगलवार को प्रदेश के स्वास्थ्य राज्यमंत्री व गाजियाबाद शहर की विधायक अतुल गर्ग ने इसका औपचारिक उद्घाटन किया।

बता दें कि कृष्णा डेंटल कॉलेज का संचालन गर्ग परिवार करता है। इस मौके पर स्वास्थ्य राज्यमंत्री ने बताया कि इस आइसोलेशन वार्ड में मरीजों की सेवा देने का जिम्मा श्री गुरुद्वारा प्रबंधन समिति इंदिरापुरम ने उठाया है। जबकि तमाम व्यवस्था कॉलेज प्रबंधन करेगा। इस वार्ड के सभी बेड ऑक्सीजन युक्त होंगे। खास बात यह है कि वार्ड के सभी बेड पर ऑक्सीजन होगी। इस आइसोलेशन वार्ड में प्रारंभिक लक्षण वाले मरीजों, 85 फीसद तक के लेवल वाले मरीज या ऐसे व्यक्ति जिनके पास खुद के आइसोलेट करने की अपने आवास में व्यवस्था नहीं है,उन्हें यहां भर्ती किया जाएगा।

गाजियाबाद में कोरोना का कहर

जीडीए की कई परियोजनाओं में होगी देरी

● प्राधिकरण चला रहा जागरुकता अभियान

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

कोरोना संक्रमण के कारण जहां गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने अपनी साप्ताहिक प्रॉपर्टी नीलामी की बैठकों को रोक दिया है। वहीं शहर में चल रही कई विकास उन्मुख परियोजनाओं का काम रोक दिया है।

जिले में गरीबों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाए जा रहे 856 ईडब्ल्यूएस भवनों का निर्माण भी रुक गया है। ये सभी भवन जून तक तैयार होने की सूची में थे लेकिन कोरोना के चलते इस परियोजना पर भी ब्रेक लग गया है। इसके अलावा मधुबन बापूधाम योजना में सड़कों के निर्माण, नाले-नाली निर्माण के अलावा बुनकर मार्ट का निर्माण कार्य भी रोक दिया गया है। यही नहीं प्रताप विहार, डासना निवाड़ी और लोनी में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत करीब 1800 ईडब्ल्यूएस भवनों के निर्माण कार्य पर भी ब्रेक लग गया है। जीडीए सचिव संतोष राय ने बताया कि मधुबन बापूधाम योजना को दिल्ली मेरठ हाईवे से कनेक्ट करने के लिए रेलवे ट्रैक के ऊपर से आरओबी का निर्माण कार्य भी रोक दिया गया है।

अस्पतालों में बढ़ेंगे 868 बेड : एमएलसी श्रीचंद शर्मा

नोएडा। सोमवार को गौतमबुद्धनगर के कोविड कंट्रोल रूम में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जिले के प्रभारी मंत्री जय प्रताप सिंह और शिक्षक विधायक श्रीचंद शर्मा ने महत्वपूर्ण बैठक की। जिसमें प्रशासन की तरफ से नोडेल अधिकारी नरेंद्र भूषण, जिलाधिकारी सुहास एलवाई और जिला चिकित्सा अधिकारी समेत आला अफसर मौजूद रहे।

इस बैठक में अभी तक प्रशासन की ओर से किए गये कामों और अब तक मिली सफ लता पर जानकारी ली गई है। किस हॉस्पिटल को कितना रेमेडसेवेर इंजेक्शन और ऑक्सिजन दिया जा रहा है, इस पर भी चर्चा की गई है। श्रीचंद शर्मा ने बताया कि जिले के अस्पतालों में 868 कोविड बेड बढ़ाने की योजना पर काम चल रहा है।

लॉकडाउन में खुले शराब के ठेके, उमड़ी भीड़

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जिले में मंगलवार से शराब के ठेके खोल दिये गए। लॉकडाउन के कारण काफी दिनों से बंद चल रहे शराब ठेकों के खुलते ही शौकीनों की लंबी-लंबी लाइनें लग गयी। पहले ही खुले ठेके में लाखों रुपए की शराब बिक गयी। इस दौरान प्रशासन द्वारा तय गाइडलाइंस का भी कहीं पालन होता नजर नहीं आया।

बता दें कि शासनादेश के बाद मंगलवार से प्रशासन ने सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक अंग्रेजी, देसी शराब व बियर के ठेके खोले जाने की अनुमति दी है। सरकार के इस आदेश से शराब के शौकीन लोगों के चेहरे खिल उठे हैं। सुबह ठेके खुलने से पहले ही शराब के ठेको के बाहर शराब लेने के लिए लोगों की लंबी लाइनें लग गयी। शराब के ठेकों पर मौजूद कर्मचारियों को कोविड-19 को लेकर सरकार के द्वारा दी गई गाइडलाइन का पालन करने वालों को ही शराब देने के निर्देश दिए गए थे लेकिन ठेकों पर उमड़ी भीड़ के सामने सारी गाइडलाइंस धरी रह गईं। हालांकि लोगों से गाइडलाइन का पालन कराने के लिए ठेका संचालकों ने अपने कर्मचारी शराब ठेके के बाहर खड़े किए हुए थे।

सरकार के इस फैसले से शराब के शौकीन बेहद खुश नजर आए। उनका कहना है कि जिन लोगों को शराब पीनी होती है। वह कहीं ना कहीं से किसी भी कीमत पर शराब का इंतजाम करने का प्रयास करता है। इस दौरान शराब माफिया भी सक्रिय हो जाते हैं और ज्यादातर ऐसे दौर में नकली शराब मिलने का भी खतरा बना रहता है।

व्यापारी नेता को किया नजरबंद

शराब के ठेके खुलने का विरोध करना सिहानी गेट व्यापार मंडल के अध्यक्ष अनुराग गर्ग को महंगा पड़ा। पुलिस ने उन्हें सुबह ही घर से गिरफ्तार कर सिहानी गेट थाने में नजरबन्द कर दिया। पुलिस ने उन्हें दोपहर में छोड़ा। गर्ग ने घोषणा की थी कि अगर गाजियाबाद में मंगलवार को शराब के ठेके खोले गए तो वो भी सिहानी गेट बाजार खुलवा देंगे। उन्होंने सिर्फ राजस्व के नाम पर शराब के ठेके खोले जाने को नाजायज बताया। उन्होंने कहा कि अगर सिर्फ राजस्व की बात है तो व्यापारी सबसे ज्यादा राजस्व देता है। उसे भी दुकान खोलने की परमिशन दी जाए।

ऑक्सीजन बैंक से 2500 रुपये में घर ले जाएं सिलेंडर

नोएडा प्राधिकरण ने शहर के सभी केन्द्रों के साथ हेल्पलाइन नंबर भी किया जारी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा प्राधिकरण ने ऑक्सीजन सिलिंडर बैंक की स्थापना की है। प्राधिकरण अब पांच लीटर क्षमता के भरे सिलिंडर लोगों को देगा। इसके लिए शहर में 10 केंद्र बनाए गए हैं। यह सुविधा मंगलवार से शुरू हो गई। सिलिंडर लेने के लिए सिक्योरिटी मनी के रूप में 2500 और रिफिल कराने के 200 रुपये देने होंगे। सिलिंडर वापस करने पर सिक्योरिटी मनी वापस हो जाएगी।

सीईओ रितु महेश्वरी

कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण फैली महामारी से निपटने के लिए नोएडा अथॉरिटी ने एक और बड़ा प्रयास किया है। अपने घरों में रहकर होम आइसोलेशन में इस बीमारी से लड़ रहे लोगों की मदद के लिए प्राधिकरण ऑक्सीजन ही नहीं अब ऑक्सीजन सिलेंडर भी उपलब्ध करवाएगा। अभी तक प्राधिकरण शहर के दो केंद्रों में ऑक्सीजन रिफ लिंग कर रहा था। अब जिन लोगों के पास ऑक्सीजन सिलेंडर नहीं हैं, वह प्राधिकरण से सीधे सिलेंडर ले सकते हैं। स्वस्थ होने के बाद यह सिलेंडर लोगों को वापस लौटाने होंगे।

सोमवार को प्राधिकरण सीईओ ने इस सुविधा की शुरुआत की। सीईओ ने बताया कि शहर में 10 स्थानों पर ऑक्सीजन सिलेंडर बैंक की स्थापना की गई है। नोएडा में गांव और सेक्टरों के ऐसे मरीज हैं, जो हम आइसोलेशन में हैं और उनको डॉक्टर की सलाह पर कम ऑक्सीजन से इलाज की सुविधा दी जा सकती है, उन्हें इस सुविधा का लाभ दिया जाएगा। ऐसे लोगों के पास अगर ऑक्सीजन सिलेंडर नहीं है, तो वे प्राधिकरण के बैंक से सिलेंडर ले सकते हैं। प्राधिकरण के पास 5 लीटर क्षमता के ऑक्सीजन सिलेंडर हैं। शहर के सभी 10 वर्क सर्किलों में 200 ऑक्सीजन सिलेंडर आवंटित किए गए हैं। सीईओ ने बताया कि यह सिलेंडर अदानी उद्योग समूह ने कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के तहत प्राधिकरण को उपलब्ध करवाए हैं।

सीईओ ने कहा कि यह सुविधा लोगों को मंगलवार सुबह से मिलने लगी है। इसके लिए वर्क सर्किल के कार्यालय में न्यूनतम 2500 रुपए सिक्योरिटी मनी जमा करनी होगी। प्रत्येक बार रिफिलिंग का चार्ज 200 रुपए जमा करना पड़ेगा। जब मरीज के परिजन खाली ऑक्सीजन सिलेंडर वापस लौटाएंगे तो उन्हें सिक्योरिटी मनी वापस कर दी जाएगी।

केंद्र और प्रभारियों के नंबर

सामुदायिक केंद्र, झुंडपुरा	राहुल-8076645695
सामुदायिक केंद्र, मोरना	शेखर चौहान-7042978910
सामुदायिक केंद्र, होशियारपुर	सुभाष चंद्र-9818156025
सामुदायिक केंद्र, सेक्टर-62	सौरभ-9999997419
स्टोर नियम मानस अस्पताल, सेक्टर-34	हिमांक कटारिया-9990111467
सामुदायिक केंद्र, पर्थला खंजरपुर	हीरा लाल-9818874481
सामुदायिक केंद्र, ककराला ख्वासपुर	एसबी मौर्य-9582798364
सामुदायिक केंद्र, शहदरा	धर्मेंद्र सिंह कुशवाहा 9205691592
सामुदायिक केंद्र, सेक्टर-135	भगवत भाटी-9971732652
सामुदायिक केंद्र, झट्टा	स्वदेश रंजन-9205691412

नोएडा का एनजीओ एक रुपये में देगा ऑक्सीजन कंसंट्रेटर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

शहर में काम करने वाले दो एनजीओ जिले में कोरोना से संक्रमित होकर घर में अपना उपचार कर रहे लोगों के लिए बड़ी मदद लेकर आए हैं। युवाओं की ये संस्थाएं महज एक रुपये में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मुहैया करवाएंगे।

चैलेंजर्स ग्रुप और वॉइस ऑफ स्लम के संयुक्त प्रयासों से इस अनूठी पहल की शुरुआत हुई है। दोनों संगठनों ने इसके लिए सोमवार को नोएडा स्थित सेक्टर-44 कार्यालय में एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इस योजना के तहत कोविड-19 से जूझ रहे आर्थिक रूप से कमजोर और असहाय लोगों को मात्र एक रुपए की कीमत पर ऑक्सीजन कंसंट्रेटर उपलब्ध कराया जाएगा। वॉइस ऑफ स्लम के संस्थापक देव प्रताप के मुताबिक अभी 50 कंसन्ट्रेटर मंगाए गए हैं। इसके अलावा बाहर विदेशों से और कंसंट्रेटर ऑर्डर किये जा चुके हैं।

चैलेंजर्स ग्रुप के अध्यक्ष प्रिंस शर्मा ने बताया कि कंसन्ट्रेटर के लिए जरूरतमंद लोग संस्था की मेल आईडी challengersgroupofficial@gmail.com ¥õÚU info@voiceofslum.org के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं। जिसमें दस्तावेजों के तौर पर पीड़ित का आधारकार्ड, ऑक्सीजन सैचुरेशन लेवल रिपोर्ट, कोरोना रिपोर्ट, चिकित्सक का पर्चा, परिवार से किसी सदस्य का पहचान पत्र और मोबाइल नंबर प्रमाण के तौर प्रेषित करना होगा।

ईरिपा अध्यक्ष बालकिशन शर्मा का कोरोना से निधन

गाजियाबाद। रेलवे ठेकेदारों की अखिल भारतीय संस्था ईरिपा के अध्यक्ष व अखिल भारतीय भारतवंशी ब्राह्मण महासभा के सचिव बालकृष्ण शर्मा का मंगलवार सुबह देहांत हो गया। वह काफी समय से कोरोना से पीड़ित थे। बाल किशन छह बहनों में अकेले भाई थे। वह अपने पीछे पत्नी अंजना शर्मा और दो पुत्रों को छोड़ गए हैं। बाल किशन शर्मा मधुर भाषी और और सामाजिक उत्थान से जुड़े कार्यों में बढ़-चढ़कर सहयोग करते थे। रेलवे कि कई परियोजनाओं में उनकी कंपनी का काम चल रहा था। उनके निधन से इन परियोजनाओं पर भी प्रभाव पड़ना लाजमी है।

मरीजों को रेमडेसिविर के लिए नहीं होना पड़ेगा परेशान

रेडक्रॉस सोसायटी में 1800 रुपये जमा कराकर सीएमओ कार्यालय से मिलेगा इंजेक्शन

पायनियर समाचार सेवा। हापुड़

गंभीर उपचाराधीनों के लिए अब उनके तीमारदारों को रेमेडेसिविर इंजेक्शन की व्यवस्था करने के लिए इधर-ऊधर धक्के नहीं खाने पड़ेंगे और न ही मोटी रकम देनी पड़ेगी। शासन के निर्देश पर अब प्राइवेट कोविड अस्पतालों में भर्ती उपचाराधीनों को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से यह इंजेक्शन मिल सकेगा। एक इंजेक्शन के लिए जनपद रेडक्रॉस सोसायटी के खाते में मात्र 1800 रुपए जमा कराने होंगे। रुपए जमा कराने की रसीद के साथ ही उपचाराधीन की कोविड पॉजिटिव रिपोर्ट, चिकित्सक का पर्चा, आधार कार्ड की फोटो कॉपी और अपना मोबाइल नंबर सीएमओ कार्यालय के स्टोर रूम में देना होगा।

बता दें कि रेमेडेसिविर इंजेक्शन के लिए काफी मारामारी हो रही थी। इंजेक्शन ब्लैक करते

कितने ही लोगों की गिरफ्तारी अलग-अलग जनपदों में हो चुकी है। इसके अलावा कई शातिर नकली इंजेक्शन बेचते और कई इंजेक्शन के नाम पर धोखाधड़ी करते धरे जा चुके हैं। मामले का शासन ने संज्ञान लिया और सीएमओ कार्यालय के जरिए उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाइज कारपोरेशन लिमिटेड से कराने का निर्णय लिया है। सरकारी कोविड अस्पतालों का कोटा तय करने के साथ ही आपातकाल कोटा रिजर्व रखने के भी आदेश अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद की ओर से दिए गए हैं। इसके साथ ही निजी कोविड अस्पतालों में उपचाराधीनों के लिए सीएमओ कार्यालय में इंजेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। जहां से रेडक्रॉस सोसायटी में प्रति इंजेक्शन 1800 रुपए के भुगतान पर एक बार में तीन और एक उपचाराधीन के लिए कुल मिलाकर छह इंजेक्शन प्राप्त किए जा सकते हैं।

जनपद रेडक्रॉस सोसायटी के खाते में 1800 रुपए जमा कराकर सीएमओ कार्यालय से रेमिडिशिविर इंजेक्शन प्राप्त किया जा सकता है। इंजेक्शन लेने के लिए उपचाराधीन की पॉजिटिव रिपोर्ट, चिकित्सक का पर्चा और आधार कार्ड की कॉपी देनी होगी। किसी भी उपचाराधीन के लिए एक बार में केवल तीन और कुल मिलाकर छह इंजेक्शन दिए जा सकेंगे और यह सुविधा केवल प्राइवेट कोविड अस्पतालों में भर्ती उपचाराधीनों के लिए ही है।

डा. रेखा शर्मा, सीएमओ हापुड़

541 किसान परिवारों को भूखंड आवंटित

नोएडा। जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट परियोजना के प्रभावित परिवारों को जेवर बांगर में भूखंड आवंटित किए जा रहे हैं। सोमवार को जिला प्रशासन ने नगला शरीफ और किशोरपुर गांवों के 541 परिवारों को भूखंड आवंटित किए गए हैं। इससे पहले 1,220 परिवारों को भूखंड आवंटित किए जा चुके हैं।

इनको यहां घर बनाने की मंजूरी यमुना प्राधिकरण ने दे दी है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर परियोजना के प्रभावित परिवारों को जेवर बांगर में बसाया जा रहा है। शासन ने इन परिवारों के लिए भूखंड विकसित करने के लिए यमुना प्राधिकरण को जिम्मेदारी दी है। प्राधिकरण तय समय से पहले भूखंड विकसित करके जिला प्रशासन को सौंप रहा है।

राशिफल ज्योतिष गुरु राजेश जी सेक्टर-19 फरीदाबाद

मेष

(चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

भाग्य आज आपका साथ देगा। आने वाली कठिनाइयां दूर होंगी और रुके हुए काम भी प्रगति करेंगे। रचनात्मक खोज आकर्षित करेगी। यदि आप लेखन, साहित्य, कला, फिल्म, टीवी, विज्ञापन आदि में शामिल हैं, तो काम की सराहना होगी। विदेश की यात्रा भी हो सकती है। आय स्थिर रहेगी और आप भौतिक सुखों की प्राप्ति के लिए धन भी खर्च करेंगे। प्रभावशाली लोगों का सहयोग मिलेगा अच्छी प्रगति होगी।

भाग्यांक: 6

विशेष: प्रात: सुबह सूर्य देव को प्रणाम करें।

वृष

(ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)

मानसिक थकान का अनुभव करेंगे। किसी जोशीले, स्थिर, स्नेही व्यक्ति को खोजने का एक अवसर पाएंगे, जो एक खुशहाल संबंध के लिए सर्वश्रेष्ठ पसंद में बदल जाएगा। मित्रों की सहायता से कोई कोर्ट कचहरी संबंधित कार्य बनेगा। घुटनों के दर्द से छुटकारा मिलेगा। दिनचर्या नियमित करें खानपान का विशेष ख्याल रखें। अप्रत्याशित रूप से खोया धन मिल सकता है, सभी वित्तीय प्रतिबद्धताओं को पूरा कर पाएंगे।

भाग्यांक: 5

विशेष: बुध के मंत्रों का जाप करें।

मिथुन

(का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा)

धन लाभ हो सकता है, जो लंबे समय तक चलेगा। कई तरह के रोचक विचार और योजनाएं आज बन सकती हैं। अविवाहित लोगों का विवाह भी तय हो सकता है। आप बुद्धि से काम पूरे करवा सकते हैं। आप खुद को साबित करके दिखा देंगे। दोस्तों और परिवार से सहयोग मिलने के योग हैं। कोई अच्छी खबर भी आज आपको मिल सकती है। बेरोजगार लोगों के लिए दिन अच्छा कहा जा सकता है।

भाग्यांक: 4

विशेष: भगवान गणेश को लड्डू का भोग लगाएं।

कर्क

(ही, हूं ,हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

अधिकारी वर्ग से पॉजीटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। माता-पिता का सहयोग प्राप्त होगा। अनियमित दिनचर्या के कारण आप आलस्य और थकान महसूस होगा। नौकरी में इन्क्रीमेंट और पदोन्नति के योग बन रहें है। ओवर कॉन्फिडेंस जैसी स्थिति बन सकती है। किसी से बात करते समय वाणी पर संयम रखे। लवमेटस के लिए दिन बढ़िया रहने वाला है। आज दिनभर आप खुश हो रहेंगे।

भाग्यांक:

विशेष: माथे पर हल्दी का टीका लगाएं।

सिंह

(मा, मी ,मू, में, मो, टा, टी, टू, टे)

इस समय लिए गए निर्णय आपको लाभ देंगे। यह एक नई साझेदारी या एसोसिएशन में प्रवेश करने का एक अच्छा समय है और इससे अच्छे लाभ प्राप्त होंगे। व्यावसायिक वर्ग महत्वपूर्ण सौदा कर सकते हैं। वित्तीय निर्णय निवेश के वांछित परिणाम प्रदान करेंगे और बचत भी हो सकती है। पारिवारिक जीवन जस का तस रहेगा। कुछ के लिए प्रेम संबंध अधर में है। अपने खान-पान और दिनचर्या के प्रति सजग रहें।

भाग्यांक: 5

विशेष: मिट्टी की गुल्लक में सिक्के जोड़ना शुरू करें।

कन्या

(टो ,पा, पी, पू, ष, ष, ण, ठ, पे, पो)

माता-पिता की तबियत में सुधार होगा। परिश्रम की तुलना में फल कम मिलेगा। शुभ समय शुरू हो चुका है। नकारात्मक विचारों से बचना होगा। कार्य करने के लिए दिन अच्छा रहने वाला है। परिवार के साथ समय बिताना जरूरी होगा। आर्थिक रूप से सोच-समझकर निर्णय लेना बिल्कुल सही साबित होने वाला है। कोई बड़ा कार्य करने के लिए परिवार से जुड़े मामले संपन्न हो सकते हैं।

भाग्यांक: 4

विशेष: दोपहर को दही का सेवन करें।

तुला

(रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,)

सोचे हुए पुराने काम शुरू करें। फायदा हो सकता है। आज आप अच्छा महसूस करेंगे। सामूहिक और सामाजिक काम के लिए दिन अच्छा है। परिवार के ज्यादातर काम आपको निपटाने पड़ सकते हैं। किसी तरह के निवेश की योजना भी बना सकते हैं। धन लाभ हो सकता है। उधार दिया गया पैसा आपको मिल सकता है। ऑफिस और बिजनेस में आपके लिए गए फैसले बड़ा फायदा देने वाले होंगे।

भाग्यांक: 6

विशेष: गोमाता को साबूत मूंग खिलाएं।

वृश्चिक

(तो, ना ,नी, नू, ने, नो, या, यी, यू,)

कोई बड़ा ऑफर मिलने से धन लाभ होगा। जीवनसाथी के साथ आपके रिश्तों में और मधुरता आएगी। आप कुछ नया करने की सोचेंगे। इसमें आपको सफलता भी मिलेगी। किसी अनुभवी व्यक्ति से मुलाकात आपको फायदा दिलाएगी। अधिकारी वर्ग आपके काम से प्रसन्न होंगे। शाम को बच्चों के साथ अच्छा टाइम बीतेगा। लवमेटस के लिए दिन अच्छा रहाने वाला है। दोस्तों के साथ समय बिताएंगे।

भाग्यांक: 8

विशेष: काले कुत्ते को दूध पिलाएं।

धनु

(ये, यो, भा, भी, भू, ध, फा, ढा, भे)

व्यावसायिक संदर्भ में आपको कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता हो सकती है। वरिष्ठों को खुश करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। इस अवधि के दौरान कड़ी मेहनत और विनम्र स्वाभाव ही सफलता की कुंजी है। सुनिश्चित करें कि कोई आपका विरोध न कर पाए अन्यथा कठिन निर्णय आपकी प्रगति को अवरुद्ध कर सकते हैं। कयासों के लिए समय ठीक नहीं है। जीवनसाथी के गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार के चलते पारिवारिक जीवन अशांतिपूर्ण हो सकता है।

भाग्यांक: 5

विशेष: गजेंद्र मोक्ष का पाठ करें।

मकर

(भो, जा, जी, खी, खू, खा, गा, गी)

आज परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। पुराने मित्र से मिलकर खुश होंगे। यात्रा करने के लिए अच्छा दिन रहेगा। आपके काम से सीनियर काफी प्रभावित होंगे। जीवनसाथी उसे हर मदद मिलेगी आर्थिक कार्य में तेजी आ सकती है। खर्च की व्यवस्था करना कठिन होगा। आज किसी काम के लिए ज्यादा उतावलापन न दिखाएं। आपको कुछ अच्छे मौके मिलते-मिलते रह सकते हैं।

भाग्यांक: 5

विशेष: नीम की पत्तियां पानी में डालकर स्नान करें।

कुंभ

(गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो ,दा)

मजबूती और धैर्य से काम लेंगे। दिनभर पैसों के बारे में ही सोचते रहेंगे। भूमि और प्रॉपर्टी के कामों से भी धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। कोई नया काम करने की सोच रहे हैं, तो आपके सामने कुछ और काम आ सकते हैं। रोजमर्रा के कामकाज ज्यादा ही रहेंगे। थोड़े समय में सब ठीक हो जाएगा. धैर्य रखें। ऑफिस में अपनी प्रगति के बारे में विचार करेंगे। आगे बढ़ने के लिए आपको कुछ नया सीखना होगा। सेहत संबंधी मामलों में चिंता कम हो जाएगी। आज का दिन अच्छा रहेगा।

भाग्यांक: 3

विशेष: हरा रुमाल जेब में रखें।

मीन

(दी, दू ,थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)

पारिवारिक स्तर पर खुशियों में वृद्धि होगी। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आएगा, गुस्से का कंट्रोल में आपके लिए फायदेमंद रहेगा। सोशल साइट पर नए दोस्त बनेंगे। अपने नए कार्यों को करने का कुछ नया प्लान बनाएंगे। आपको बहुत कुछ नया सिखने को मिलेगा. स्वास्थ्य के प्रति आपको थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। लवमेटस के बीच चल रही अनबन समाप्त हो जाएगी। वैवाहिक जीवन सुखी और सानंद रहेगा। अपने लाइफ पार्टनर को समय देंगे।

भाग्यांक: 9

विशेष: हरे रंग की बर्फी छोटी कन्याओं में बांट दें।

कोरोना हुआ तो टीम से बाहर, बीसीसीआई की खिलाड़ियों को दो टूक, कहा

जो कोरोना वायरस से बच पाएगा वहीं इंग्लैंड दौरे पर जाएगा

एजेंसी। मुंबई

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड दौरे पर जाने वाले खिलाड़ियों को सख्त निर्देश दिए हैं। बोर्ड ने कहा है कि इंग्लैंड रवाना होने से पहले अगर कोई खिलाड़ी पॉजिटिव आता है, तो उसको टीम से बाहर कर दिया जाएगा। टीम के फीजियो योगेश परमार ने प्लेयर्स को सख्त हिदायत देते हुए कहा है कि मुंबई में क्वारेंटाइन होने से पहले सभी खिलाड़ी सावधानी बरतें और अपने आप को आइसोलेट रखें। टीम इंडिया 19 मई से मुंबई के बायो-बबल में एंट्री कर सकती है। इसके बाद इंग्लैंड पहुंचकर भी विराट कोहली की टीम को 10 दिन क्वारेंटाइन रहना होगा।

बायो-बबल में एंट्री के बाद इंडियन प्लेयर्स, सपोर्ट स्टाफ और उनके फैमिली मेंबर्स की पहले दिन ही कोरोना जांच होगी। इसके साथ ही बीसीसीआई खिलाड़ियों के लिए एक स्पेशल बायो-बबल तैयार करना चाहता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि टूर पर जा रहे 20 खिलाड़ी देश के अलग-अलग राज्यों से हैं और कोरोना को लेकर सभी राज्यों के हालात अलग-अलग हैं। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने बताया कि बोर्ड खिलाड़ियों को हिदायत दे चुका है। खिलाड़ियों से ये भी कहा गया है कि मुंबई में कोरोना पॉजिटिव आने पर किसी भी खिलाड़ी के लिए अलग से चार्टर्ड फ्लाइट अरेंज नहीं की जाएगी। आइपीएल 2021 में कोरोना के मामले सामने आने के बाद से बोर्ड पहले से ज्यादा सावधान हो चुका है। अधिकारी के मुताबिक, खिलाड़ियों के साथ उनके परिवार वालों की भी जांच की जाएगी। मुंबई से इंग्लैंड रवाना होने से पहले खिलाड़ियों को दो निगेटिव टेस्ट लाने होंगे। इससे ये पता करने की कोशिश करेंगे कि वे बबल में बिना इंफेक्शन के आए हैं। बोर्ड ने खिलाड़ियों से प्राइवेट कार और हवाई जहाज से ट्रैवल करने के निर्देश दिए हैं।

बोर्ड ने इंग्लैंड टूर पर जाने वाले खिलाड़ियों से सिर्फ कोवीशील्ड वैक्सीन का पहला डोज लेने का ही निर्देश दिया है। बोर्ड वैक्सीन के दूसरे डोज के लिए इंग्लैंड से संपर्क में है। दरअसल, इंग्लैंड में एस्ट्रेजेनेका वैक्सीन उपलब्ध है, जो कि कोवीशील्ड का वर्जन है। बोर्ड चाहता है कि इंग्लैंड दौरे पर खिलाड़ियों को दूसरे डोज में एस्ट्रेजेनेका उपलब्ध कराया जाए। विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे, ईशांत शर्मा, चेतेश्वर पुजारा और उमेश यादव जैसे खिलाड़ी पहला डोज ले चुके हैं। बोर्ड ने यह भी कहा है कि अगर किसी के शहर में वैक्सीन उपलब्ध नहीं है तो वो उनसे कहा सकता है। बोर्ड उनके लिए वैक्सीन उपलब्ध कराएगा।

भारतीय टीम करीब तीन महीने इंग्लैंड में रहेगी

18 जून से होने वाले पहले आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में भारत के सामने न्यूजीलैंड की चुनौती होगी। यह मैच 18 जून से 22 जून के बीच साउथैम्पटन के द एजीस बाउल (द रोज बाउल) स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद टीम इंडिया को करीब डेढ़ महीने यूके में गुजारना है। चार अगस्त से इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की शुरुआत होगी। भारतीय मेन्स टीम के साथ-साथ वुमन्स टीम भी इंग्लैंड का दौरा करेगी। वुमन्स टीम इंग्लैंड में 16 जून से 15 जुलाई के बीच एक टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी-20 खेलेगी। ऐसे में बीसीसीआई खुद से इंग्लैंड में बायो सिक्योर बबल तैयार करने में जुट गया है। बीसीसीआई फिलहाल यूके गवर्नमेंट से 14 दिन के सख्त क्वारेंटाइन नियमों में छूट देने की मांग कर रहा है। बीसीसीआई चाहता है कि 14 दिन की जगह 10 दिन का सख्त क्वारेंटाइन हो। यूके जाने से पहले बीसीसीआई भारत में ही कुछ दिनों तक खिलाड़ियों को क्वारेंटाइन रखना चाहता है। इसके बाद बोर्ड चार्टर्ड फ्लाइट में खिलाड़ियों को यूके भेजेगा। बीसीसीआई का मानना है कि टीम इंडिया के प्लेयर्स पिछले 9 महीने से लगातार बायो बबल में हैं। ऐसे में उनको भी थोड़ी राहत दी जानी चाहिए। अगर डब्ल्यूटीसी फाइनल और इंग्लैंड दौरे के बाद सितंबर में आइपीएल होता है, तो खिलाड़ियों के लिए लगातार बायो बबल में रहना काफी मुश्किल होगा।

तेज गेंदबाज बुमराह ने लगवाया कोरोना टीका

मुंबई। भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने कोरोना के टीके का पहला डोज लगवा लिया है। बुमराह ने अपनी तस्वीर ट्वीट करके कहा, टीका लग गया। हर कोई सुरक्षित रहे। बुमराह अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल और उसके बाद इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम का हिस्सा हैं। इससे पहले छह मई को सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने कोरोना टीके का पहला डोज लगवाया था। उसके बाद कप्तान विराट कोहली, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे, उमेश यादव और ईशांत शर्मा भी टीके लगवा चुके हैं। मुख्य कोच रवि शास्त्री ने मार्च में ही टीका लगवा लिया था।

आईपीएल का नया कार्यक्रम आने पर नहीं खेल सकेंगे इंग्लैंड के क्रिकेटर

एजेंसी। लंदन

इंग्लैंड क्रिकेट टीम का जून के बाद कार्यक्रम काफी व्यस्त है और अगर आईपीएल के बचे हुए मैच इस साल नए सिरे से आयोजित होते हैं तो इंग्लैंड के क्रिकेटर नहीं खेल सकेंगे। ईसीबी के क्रिकेट निदेशक एशले जाइल्स ने यह जानकारी दी। आईपीएल बायो बबल में कोरोना संक्रमण के मामले आने के बाद लीग पिछले सप्ताह अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। अब इसे या तो सितंबर के आखिर में टी-20 विश्वकप से पहले या नवंबर के मध्य में आयोजित किया जा सकता है।

इंग्लैंड के शीर्ष क्रिकेटर दोनों समय व्यस्त होंगे। उन्हें सितंबर और अक्टूबर में बांग्लादेश और पाकिस्तान जाना है जबकि टी-20 विश्वकप के ठीक बाद एशेज श्रृंखला खेली जाएगी। जाइल्स ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो से कहा, हमारा एफटीपी शेड्यूल काफी व्यस्त है। पाकिस्तान और बांग्लादेश का दौरा है। आईपीएल की विभिन्न टीमों में इंग्लैंड के 11 क्रिकेटर भाग ले रहे हैं। जाइल्स ने कहा, हमें नहीं पता कि आईपीएल के बाकी मैचों का शेड्यूल क्या होगा और ये कब और कहां होंगे। इस सत्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैचों से हमारा कार्यक्रम काफी व्यस्त है। उन्होंने कहा, हमें टी-20 विश्वकप और उसके बाद एशेज श्रृंखला खेलनी है। अपने खिलाड़ियों के कार्यभार का भी ध्यान रखना है। जाइल्स ने इन सुझावों को खारिज किया कि ईसीबी ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है जिसने पहले कहा था कि आईपीएल खेलने के कारण उसके खिलाड़ी जून में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से बाहर रह सकते हैं। जाइल्स ने कहा, न्यूजीलैंड का परिदृश्य अलग था। उस श्रृंखला का कार्यक्रम जनवरी के आखिर में बना था और तब तक खिलाड़ियों को आईपीएल खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र मिल चुके थे।

मुझे नहीं लगता कि दोबारा वैसे स्वर्णिम दिन लौटेंगे

एजेंसी। किंगस्टन

महान तेज गेंदबाज कर्टली एम्ब्रोज का मानना है कि मौजूदा दौर के कैरेबियाई क्रिकेटरों को पता ही नहीं है कि वेस्टइंडीज के लिए क्रिकेट के क्या मायने हैं और उन्हें नहीं लगता कि दो बार की विश्व चैंपियन टीम फिर वह वैभवशाली दौर देख पाएगी। वेस्टइंडीज ने 1975 और 1979 में पहले दो विश्वकप जीते थे। इसके 33 साल बाद उसने फिर आईसीसी ट्रॉफी जीती जब डेरेन सैमी की अगुवाई में टीम ने 2012 टी-20 विश्वकप जीता था।

एम्ब्रोज ने टॉक स्पोर्ट्स लाइव से कहा, आज के दौर के अधिकांश युवाओं को पता ही नहीं है कि वेस्टइंडीज के लिए क्रिकेट के क्या मायने हैं। क्रिकेट एकमात्र खेल है जो कैरेबियाई लोगों को एकजुट करता है। उन्होंने कहा, आज के खिलाड़ियों के प्रति कोई अपमान की भावना नहीं है क्योंकि हमारे पास कई बेहतरीन खिलाड़ी हैं जो महान बन सकते हैं लेकिन हमें समझना होगा कि हम शायद वह पुराना दौर फिर नहीं जी सकेंगे। एम्ब्रोज ने कहा, दूसरा विव रिचर्डस या डेसमंड हैंस या गोर्डन ग्रीनिज ढूंढना कठिन होगा। ऐसे ही दूसरा ब्रायन लारा, रिची रिचर्डसन, मैल्कम मार्शल, कर्टली एम्ब्रोज , कर्टनी वाल्श, माइकल होल्डिंग या एंडी राबर्टस भी नहीं मिल सकेगा।

संक्षिप्त समाचार

एमसीसी ने बांस के बल्ले अवैध बताकर खारिज किए

लंदन। मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने बांस के बने बल्ले इस्तेमाल करने का सुझाव यह कहकर खारिज कर दिया कि मौजूदा नियमों के तहत यह अवैध है। इसने कहा कि उसके नियमों संबंधी उप समिति की बैठक में इस मसले पर गौर किया जाएगा। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के दर्शील शाह और बेन टिंकलेर डेविस द्वारा किए गए अध्ययन में कहा गया था कि बांस के बने बल्ले किफायती होने के साथ अधिक मजबूत होते हैं। एमसीसी ने सोमवार को एक बयान में कहा, इस समय नियम 5.3.2 कहता है कि बल्ले लकड़ी के ही होने चाहिए। बांस चूंकि घास का एक रूप है तो उसके बल्ले इस्तेमाल करने के लिए नियम में बदलाव करना होगा। शोधकर्ताओं ने पाया कि बांस के बने बल्ले अधिक मजबूत होते हैं और इसमें निचले हिस्से की तरह मुलायम हिस्सा होता है जिससे यॉर्कर पर चौका लगाना आसान होता है। इससे हर तरह के शॉट लगाना रोचक होगा। एमसीसी ने कहा कि उसे सावधानी से सुनिश्चित करना होगा कि खेल में बल्ले और गेंद में संतुलन बना रहे।

एफआईएच प्रो लीग: आस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड का सामना जून में

लुसाने। आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड हॉकी टीमें 26 और 27 जून को पर्थ में दो चरण का एफआईएच प्रो लीग मैच खेलेंगी। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ ने एक बयान में कहा, कोरोना महामारी के कारण दोनों देशों के बीच रद्द हुआ एफआईएच हॉकी प्रो ली मैच अब 26 और 27 जून को पर्थ में खेला जाएगा। दोनों टीमों को अप्रैल में एक दूसरे से खेलना था लेकिन कोरोना महामारी के कारण लगे यात्रा प्रतिबंधों की वजह से यह स्थगित करना पड़ा। एफआईएच ने कहा, पिछले महीने अंतर तस्मान बायो बबल बनाने की वजह से यह संभव हो सका। इसके अलावा आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में परस्पर यात्रा के बाद पृथकवास की जरूरत नहीं है।

कनाडा के अगले दो क्वालीफायर अमेरिका में

वाशिंगटन। कनाडा कोरोना वायरस महामारी के कारण लगे यात्रा प्रतिबंधों की वजह से विश्वकप फुटबॉल क्वालीफायर में अपने अगले दो मैच अमेरिका में खेलेगा। कनाडा को अगला मैच पांच जून को अरूबा से खेलना है जो फ्लोरिडा में खेला जाएगा। कनाडा फुटबॉल संघ ने यह जानकारी दी। इसके आद आठ जून को सूरीनाम के खिलाफ मैच इलिनोइस में होगा। कनाडा उत्तर और मध्य अमेरिका और कैरेबियाई क्षेत्र के ग्रुप बी में शीर्ष पर है। ग्रुप के विजेता का सामना ग्रुप ई की शीर्ष टीम से होगा।

फ्रांस से रिहा होने के बाद सेनेगल लौटे डियाक

डकार (सेनेगल)। विश्व एथलेटिक्स के पूर्व प्रमुख लेमाइन डियाक एक स्थानीय फुटबॉल क्लब द्वारा 600,000 डालर से अधिक के बांड का भुगतान करने के बाद फ्रांस से रिहा होकर सोमवार को अपने देश सेनेगल पहुंच गए। डियाक 1999 से 2015 तक विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष रहे। उन पर अपने कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार के कई आरोप लगे जिनमें से कुछ रूसी डोपिंग कांड से भी जुड़े थे। सितंबर में पेरिस में उन्हें इन आरोपों का दोषी पाया गया था और उन्हें चार साल की सजा सुनाई गई थी जिसमें दो साल की सजा निलंबित थी। डियाक अभी 87 साल के हैं और इसलिए फ्रांसीसी न्यायालय ने कहा था कि अपनी अधिक उम्र के कारण उनका जेल में समय बिताना संभव नहीं होगा। वह 2015 से ही फ्रांस में नजरबंद थे। डियाक को 5,00,000 यूरो के बांड के भुगतान के बाद रिहा कर दिया गया। यह धनराशि सेनेगल के एक फुटबॉल क्लब ने जुटाई थी। डियाक कभी इस क्लब के सर्वेसर्वा थे। क्लब के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। वह डियाक के वकील भी हैं। डियाक सोमवार को डकार पहुंचे और वह काफी कमजोर लग रहे थे। उन्होंने यहां पहुंचने पर किसी तरह की टिप्पणी नहीं की।

रिजिजू ने खिलाड़ियों से कहा, अन्य देशों के कोविड नियम कभी मत तोड़ो

एजेंसी। नई दिल्ली

खेलमंत्री किरेन रिजिजू ने भारतीय खिलाड़ियों को ट्रेनिंग या प्रतियोगिता के लिए यात्रा करते हुए दूसरे देशों के कोविड-19 नियमों को तोड़ने के खिलाफ मंगलवार को चेताया। मंगलवार को ही क्रोएशिया दौरे पर गए ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले निशानेबाजों को सफल दौरे के लिए शुभकामनाएं देते हुए रिजिजू ने ट्वीट किया। रिजिजू ने ट्वीट किया, सुरक्षित यात्रा। अन्य देशों के कोविड-19 नियमों को कभी मत तोड़ो। ट्रेनिंग पर ध्यान लगाओ, ध्यान लगाओ और सुरक्षित रहो। हम अपने खिलाड़ियों और कोचों को सभी जरूरत समर्थन मुहैया कराएंगे। आप सभी को शुभकामनाएं।

बेंगलुरू एफसी के खिलाड़ियों ने माले में पृथकवास से जुड़े मेजबान शहर के नियमों का उल्लंघन किया था, जिसके बाद ईगल्स एफसी के खिलाफ टीम के एएफसी कप प्ले आफ मुकाबले को स्थगित कर दिया गया, जिसके बाद रिजिजू ने यह टिप्पणी की। टीम हालांकि अपने बर्ताव के लिए माफी मांग चुकी है। मालदीव के खेलमंत्री अहमद माहलूफ ने बेंगलुरू एफसी को देश से जाने को कहा था जब उसके दो खिलाड़ी और एक सहयोगी स्टाफ के सदस्य को पृथकवास के नियम तोड़कर माले की सड़कों पर घूमते देखा गया था और उनकी फोटो खींची गई थी। क्लब के मालिक पार्थ जिंदल ने कहा था कि नियमों का उल्लंघन करने वाले क्लब के विदेशी खिलाड़ी थे। यह प्ले आफ मुकाबला मंगलवार को कहा था लेकिन माहलूफ के बयान के बाद से स्थगित कर दिया गया, जिन्होंने उल्लंघन को अस्वीकार्य करार दिया था। क्लब ने बाद में बिना शर्त माफी मांगी और नियम तोड़ने वाले खिलाड़ियों तथा सहयोगी स्टाफ के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का वादा किया।

एएफसी प्रमुख शेख सलमान ने फ्रेंको के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के अध्यक्ष शेख सलमान अल खलीफा ने भारत के 1962 एशियाई खेल स्वर्ण पदक विजेता फुटबॉल टीम के सदस्य फोर्टुनाटो फ्रेंको के निधन पर शोक व्यक्त किया है। फ्रेंको का सोमवार को गोवा में निधन हो गया था। वह 84 वर्ष के थे। भारत के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डरों में शुमार फ्रेंको 1960 से 1964 के बीच भारतीय फुटबॉल के स्वर्णिम दौर का हिस्सा थे। शेख सलमान ने एआईएफएफ अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल को लिखे पत्र में कहा, एएफसी और एशियाई फुटबॉल परिवार की ओर से मैं फोर्टुनाटो फेंको के निधन पर शोक और संवेदना व्यक्त करता हूं।

कुछ भारतीय खिलाड़ियों को प्रतिबंध पसंद नहीं आए, लेकिन

हमें आईपीएल में बबल सुरक्षित लगा : पोमेंट

एजेंसी। नई दिल्ली

मुंबई इंडियंस के क्षेत्ररक्षण कोच जेम्स पामेंट ने दावा किया है कि कुछ भारतीय क्रिकेटरों को आईपीएल बायो बबल में प्रतिबंधों में रहना पसंद नहीं आया, लेकिन उन्हें बबल बिल्कुल सुरक्षित लगा। उन्होंने किसी खिलाड़ी का नाम नहीं लिया। आईपीएल में खिलाड़ियों में कोरोना संक्रमण के मामले आने के बाद लीग को चार मई को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था।

पामेंट ने स्टफ डॉट कॉम डॉट न्यूजीलैंड से कहा, कुछ भारतीय खिलाड़ियों को प्रतिबंध और दिशा निर्देश पसंद नहीं आ रहे थे। लेकिन हमें बिल्कुल सुरक्षित लगा। हमें एक बार भी नहीं लगा कि बबल में सुरक्षा को लेकर कोई समझौता हो रहा है। न्यूजीलैंड के नार्दर्न डिस्ट्रिक्ट के पूर्व कोच ने कहा कि लीग रोके जाने से थोड़ा पहले ही वह और मुंबई टीम के खिलाड़ी आशंकित होने लगे थे। उन्होंने कहा, जब टीमों में मामले आने लगे तो हम थोड़ा डर गए और आशंकित भी हो गए थे। उन्होंने कहा, चेन्नई सुपर किंग्स ने बताया कि उसकी टीम में मामले हैं और हमने उसी सप्ताह चेन्नई से खेला था। मैंने ज्यादातर समय आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के क्रिकेटरों के साथ बिताया और मैंने पाया कि उनकी सोच बदल चुकी थी। उन्होंने कहा कि उन्हें हालांकि एक पल को भी ऐसा नहीं लगा कि मुंबई इंडियंस द्वारा टीम होटल में बनाए गए बायो बबल में उनके स्वास्थ्य को लेकर कोई समझौता किया गया।

श्रीलंका दौरे के लिए कप्तानी की दौड़ में शामिल हैं शिखर और हार्दिक

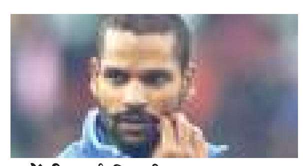

एजेंसी। नई दिल्ली

श्रेयस अय्यर यदि श्रीलंका के जुलाई में होने वाले सीमित ओवरों के दौरे तक फिट नहीं हो पाते हैं, तो फिर अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन और आलराउंडर से विशेषज्ञ बल्लेबाज बने हार्दिक पंड्या ही भारतीय कप्तानी की दौड़ में बने रहेंगे। भारत के सीमित ओवरों के विशेषज्ञ श्रीलंका में तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय और इतने ही वनडे मैच खेलेंगे। इस दौरान विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में इंग्लैंड में रहेंगे।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि श्रेयस श्रीलंका दौरे तक पूरी तरह से फिट हो पाएंगे या नहीं। आम तौर पर इस तरह की चोट के ऑपरेशन और रिहैबिलिटेशन में लगभग चार महीने का समय लगता है। उन्होंने कहा, यदि श्रेयस उपलब्ध रहते हैं तो वह कप्तान पद के लिए स्वत: पसंद होंगे। उनके बाद आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले धवन और मैच विजेता हार्दिक कप्तानी की दौड़ में सबसे आगे हैं।

अधिकारी ने कहा, शिखर का दो आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन रहा है जिनमें हाल में स्थगित किया गया टूर्नामेंट भी शामिल है। वह सीनियर बल्लेबाज है और चयन के लिए उपलब्ध रहेगा। वह कप्तानी का मजबूत दावेदार है। इसके अलावा पिछले आठ वर्षों में उसने भारत की तरफ से भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। जहां तक हार्दिक का सवाल है तो सीमित ओवरों की क्रिकेट में उनकी मैच विजेता की छवि को कम करके नहीं आंका जा सकता है। उन्होंने कहा, हां, हार्दिक ने हाल में मुंबई इंडियन्स और भारत की तरफ से गेंदबाजी नहीं की लेकिन वह टीम के लिए तुरुप का इक्का है।

भारत में 2022 एएफसी महिला एशियाई कप के क्वालीफाइंग राउंड का ड्रॉ स्थगित

कुआलालंपुर। भारत में होने वाले 2022 एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वालीफाइंग दौर का 27 मई को होने वाला ड्रॉ मेजबान देश और महाद्वीप में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण मंगलवार को स्थगित कर दिया गया। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने कहा कि यहां होने वाले ड्रॉ को अगली सूचना तक स्थगित कर दिया गया है।

एएफसी ने बयान में कहा, मौजूदा चुनौतियों और इंतजामों को ध्यान में रखते हुए एएफसी सहमत हुआ है कि मेजबान देश के अलावा पूरे महाद्वीप में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण सभी टीमों, खिलाड़ियों, अधिकारियों और संबंधित हितधारकों की सुरक्षा को देखते हुए ड्रॉ को स्थगित करना जरूरी है। बयान के अनुसार, सही समय पर एशिया के शीर्ष महिला टूर्नामेंट से जुड़े नए इंतजामों की अधिक जानकारी की घोषणा की जाएगी। जनवरी में एएफसी ने घोषणा की थी कि मुख्य टूर्नामेंट का आयोजन अगले साल 20 जनवरी से छह फरवरी के बीच किया जाएगा। हालांकि उज्बेकिस्तान में होने वाले 2022 एएफसी अंडर 20 महिला एशियाई कप और इंडोनेशिया में होने वाले 2022 एएफसी अंडर 17 महिला एशियाई कप के क्वालीफाइंग मैचों का ड्रॉ 27 मई को ही होगा।

यूरोप और अर्जेंटीना के सफल दौरों पर वीडियो विश्लेषण से मदद मिली: रोहिदास

एजेंसी। बेंगलुरू

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के डिफेंडर अमित रोहिदास का मानना है कि यूरोप और अर्जेंटीना दौरे पर तैयारियों के दौरान वीडियो विश्लेषण के इस्तेमाल का उनकी टीम की कामयाबी में बड़ा हाथ रहा। उन्होंने कहा कि वीडियो विश्लेषण से राष्ट्रीय शिविर में खिलाड़ियों को अपनी गलतियों का पता चल जाता है।

उन्होंने कहा, वीडियो विश्लेषण से हमें दोनों दौरों पर मदद मिली। हमने विरोधी टीम के खेलने के तरीके, आक्रमण और डिफेंस में उनके मूवमेंट और हालात के अनुरूप खुद को ढालने में मदद मिली। रोहिदास ने कहा, हमें मैदान पर उतना अनुभव नहीं था लेकिन हमने होमवर्क अच्छा किया। वीडियो विश्लेषण से काफी मदद मिली। रोहिदास इस समय भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र पर सीनियर पुरुष टीम के कोर समूह के साथ अभ्यास कर रहे है। उन्होंने कहा, शिविर में भी वीडियो विश्लेषण की मदद से हमें उन क्षेत्रों पर काम करने में मदद मिली जिनमें सुधार की जरूरत है। इससे ओलंपिक की तैयारियों को लेकर काफी फायदा हो रहा है।

भारतीय टीम मार्च में यूरोप दौरे पर अपराजेय रही। भारत ने जर्मनी को 6-1 से हराने के बाद 1-1 से ड्रॉ खेला। इसके बाद ब्रिटेन से 1-1 से ड्रॉ खेलने के बाद 3- 2 से जीत दर्ज की। अर्जेंटीना दौरे पर दोनों अभ्यास मैचों के अलावा एफआइएच प्रो लीग के भी दोनों मैच जीते। एक साल के ब्रेक के बाद अंतरराष्ट्रीय हॉकी खेलने वाले सुंदरगढ के इस खिलाड़ी ने कहा, मैं इस मानसिकता के साथ गया था कि कुछ असाधारण नहीं करना है। मुझे वही सब दोहराना है जो अभ्यास सत्रों के दौरान हम कर रहे थे।

टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके

भारतीय निशानेबाज ट्रेनिंग सह प्रतियोगिता दौरे के लिए क्रोएशिया रवाना

एजेंसी। नई दिल्ली

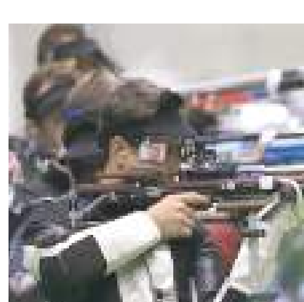

ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके भारतीय निशानेबाजों की टीम मंगलवार को ढाई महीने के ट्रेनिंग सह प्रतियोगिता दौरे के लिए क्रोएशिया रवाना हो गई। यह टोक्यो ओलंपिक से पहले टीम के पास तैयारी का अंतिम मौका होगा। कोच और सहयोगी स्टाफ के साथ भारत की 13 सदस्यीय निशानेबाजी टीम क्रोएशिया की राजधानी जागरेब के लिए रवाना हुई, जहां टीम ट्रेनिंग शिविर में हिस्सा लेगी। ट्रेनिंग शिविर में हिस्सा लेने के बाद टीम ओसिएक रवाना होगी, जहां उसे यूरोपीय चैंपियनशिप (20 मई से छह जून) और फिर संयुक्त आईएसएसएफ विश्वकप (22 जून से तीन जुलाई) में हिस्सा लेना है।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष रानिंदर सिंह ने टीम की रवानगी से ठीक पहले ट्वीट किया, टीम इंडिया 20 मिनट में रवाना होगी। टीम की सफलता के लिए कड़ी मेहनत करो। ओलंपिक के लिए जाने वाले दो स्कीट निशानेबाज अंगद वीर सिंह बाजवा और मेराज अहमद खान इटली में ट्रेनिंग करेंगे। गुरजोत सिंह खांगुरा सहित दो भारतीय निशानेबाजों ने लोनाटो में चल रहे शॉटगन विश्वकप में हिस्सा लिया जहां वे सोमवार को पुरुष स्कीट स्पर्धा के फाइनल में जगह नहीं बना पाए। राष्ट्रीय राइफल टीम की हाई परफोर्मेंस कोच और पूर्व भारतीय निशानेबाज सुमा शिरूर ने रवानगी से पहले ट्वीट किया, भारत माता की जय के साथ हम क्रोएशिया जाने के लिए तैयार हैं। वहां से सीधे टोक्यो 2020 ओलंपिक के लिए रवाना होंगे। कुल मिलाकर 80 दिन। भारतीय निशानेबाजी टीम को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए आपकी दुआओं की जरूरत है।

क्रोएशिया से ही टोक्यो ओलंपिक रवाना होंगे भारतीय निशानेबाज

क्रोएशिया के बाद भारतीय टीम 23 जुलाई से शुरू हो रहे ओलंपिक में हिस्सा लेने के लिए सीधे टोक्यो रवाना होगी। ओसिएक में आईएसएसएफ विश्वकप का आयोजन अजरबेजान के बाकू में 21 जून से दो जुलाई तक होने वाले विश्वकप की जगह किया जा रहा है जिसे देश में कोविड-19 मामलों में इजाफे के बाद रद्द कर दिया गया था। 13 राइफल और पिस्टल निशानेबाजों के साथ नौ कोच होंगे लेकिन समरेश जंग, जसपाल राणा और रोनक पंडित जैसे कुछ कोच विभिन्न कारणों से टीम के साथ नहीं जा सके। क्रोएशिया में कोविड-19 नियमों के अनुसार ट्रेनिंग शुरू करने से पहले भारतीय दल को अनिवार्य पृथकवास से गुजरना होगा।

पायनियर
हरियाणा, बुधवार, 12 मई, 2021

कोरोना महामारी पर नियंत्रण के लिए दुनिया के कई देशों में टीकाकरण अभियान शुरू हो चुके हैं। इससे जुड़ी सूचनाएं और सुझाव कई बार आपको पेचीदा लग सकती हैं, लेकिन कुछ बुनियादी तथ्य हैं, जो आपकी यह समझने में मदद करेंगे कि एक वैक्सीन आखिर काम कैसे करती हैं।

कोरोना वायरस वैक्सीन

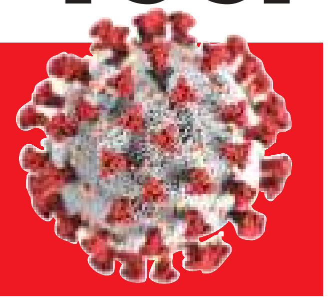

एक वैक्सीन आपके शरीर को किसी बीमारी, वायरस या संक्रमण से लड़ने के लिए तैयार करती है। वैक्सीन में किसी बीमारी का कारण बनाने वाले वायरस के कुछ कमजोर या निष्क्रिय अंश होते हैं। ये शरीर के प्रतिरक्षा प्रणाली 'इम्यून सिस्टम' को संक्रमण (आक्रमणकारी वायरस) की पहचान करने के लिए प्रेरित करते हैं और उनके खिलाफ शरीर में एंटीबॉडी बनाते हैं जो बाहरी आक्रमण से लड़ने में हमारे शरीर की मदद करती हैं। वैक्सीन लगने का नकारात्मक असर कम ही लोगों पर होता है, लेकिन कुछ लोगों को इसके साइड इफेक्ट्स का सामना करना पड़ सकता है। हल्का बुखार या खारिश होना, इससे सामान्य दुष्प्रभाव हैं। वैक्सीन लगने के कुछ वक्त बाद ही आप उस बीमारी से लड़ने की इम्यूनिटी विकसित कर लेते हैं। अमेरिका के सेंटर ऑफ डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) का कहना है कि वैक्सीन बहुत ज्यादा शक्तिशाली होती हैं क्योंकि ये अधिकांश दवाओं के विपरीत, किसी बीमारी का इलाज नहीं करतीं, बल्कि उन्हें होने से रोकती हैं।

हर्ड इम्यूनिटी क्या होती है?

विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि संक्रमण को रोकने के लिए कम से कम 65-70 प्रतिशत लोगों को वैक्सीन लगानी होगी, जिसका मतलब है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को टीका लगवाने के लिए प्रेरित करना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि संक्रमण को रोकने के लिए कम से कम 65-70 प्रतिशत लोगों को वैक्सीन लगानी होगी, जिसका मतलब है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को टीका लगवाने के लिए प्रेरित करना होगा।

हर्ड इम्यूनिटी यानि अगर लगभग 70-90 प्रतिशत लोगों में बीमारी के प्रति रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो जाए, तो बाकी भी बच जाएंगे। विशेषज्ञों के अनुसार कोरोना वायरस से लोगों के बीच हर्ड इम्यूनिटी तभी उत्पन्न होगी, जब लगभग 60 प्रतिशत जनसंख्या संक्रमित हो चुकी हो। हालांकि इस साठ प्रतिशत के आंकड़े को लेकर भी अभी तक विशेषज्ञों में एक राय नहीं है। हर्ड इम्यूनिटी के सिद्धांत के अनुसार अगर कोई बीमारी किसी समूह के बड़े हिस्से में फैल जाती है, तो मानव की रोग प्रतिरोधक क्षमता उस बीमारी से लड़ने में संक्रमित लोगों की मदद करती है। जो लोग बीमारी से लड़कर पूरी तरह ठीक हो जाते हैं, वो उस बीमारी से 'इम्यून' हो जाते हैं, यानी उनमें प्रतिरक्षात्मक गुण विकसित हो जाते हैं। इम्यूनिटी का मतलब यह है कि व्यक्ति को संक्रमण हुआ और उसके बाद उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता ने वायरस का मुकाबला करने में सक्षम एंटी-बॉडीज तैयार कर लिया। जैसे-जैसे ज्यादा लोग इम्यून होते जाते हैं, वैसे-वैसे संक्रमण फैलने का खतरा कम होता जाता है, क्योंकि अब वायरस से प्रभावित हो सकने वाले व्यक्तियों की संख्या कम है।

क्या टीके सुरक्षित हैं?

वैक्सीन का एक प्रारंभिक रूप चीन के वैज्ञानिकों ने 10वीं शताब्दी में खोज लिया था, लेकिन 1796 में एडवर्ड जेनर ने पाया कि चेचक के हल्के संक्रमण की एक डोज चेचक के गंभीर संक्रमण से सुरक्षा दे रही है। उन्होंने इस पर और अध्ययन किया। उन्होंने अपने इस सिद्धांत का परीक्षण भी किया और उनके निष्कर्षों को दो साल बाद प्रकाशित किया गया। तभी 'वैक्सीन' शब्द की उत्पत्ति हुई। वैक्सीन को लैटिन भाषा के 'Vacca' से गढ़ा गया जिसका अर्थ गाय होता है।

वैक्सीन को आधुनिक दुनिया की सबसे बड़ी चिकित्सकीय उपलब्धियों में से एक माना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, टीकों की वजह से हर साल करीब बीस से तीस लाख लोगों की जान बच पाती है। सीडीसी का कहना है कि बाजार में लाए जाने से पहले टीकों की गंभीरता से जांच की जाती है। पहले प्रयोगशालाओं में और फिर जानवरों पर इनका परीक्षण किया जाता है। उसके बाद ही मनुष्यों पर वैक्सीन का ट्रायल होता है। अधिकांश देशों में स्थानीय दवा नियामकों से अनुमति मिलने के बाद ही लोगों को टीके लगाए जाते हैं। टीकाकरण में कुछ जोखिम जरूर हैं, लेकिन सभी दवाओं की ही तरह, इसके फायदों के सामने वो कुछ भी नहीं। उदाहरण के लिए, बचपन की कुछ बीमारियां जो एक पीढ़ी पहले तक बहुत सामान्य थीं, टीकों के कारण तेजी से लुप्त हो गई हैं। चेचक जिसने लाखों लोगों की जान ली, वो अब पूरी तरह खत्म हो गयी है। लेकिन सफलता प्राप्त करने में अक्सर दशकों लग जाते हैं। वैश्विक टीकाकरण अभियान शुरू होने के लगभग 30 साल बाद अफ्रीका को अकेला पोलियो मुक्त देश घोषित किया गया। यह बहुत लंबा समय है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि कोविड-19 के खिलाफ पूरे विश्व में पर्याप्त टीकाकरण करने में महीनों या संभवत: वर्षों का समय लग सकता है, जिसके बाद ही हम सामान्य स्थिति में लौट सकेंगे।

टीके कैसे बनाए जाते हैं?

जब एक नया रोगजनक (पैथोजन) जैसे कि एक जीवाणु, विषाणु, परजीवी या फंगस शरीर में प्रवेश करता है तो शरीर का एक उप-भाग जिसे एंटीजन कहा जाता है, वो उससे लड़ने के लिए एंटीबॉडी का उत्पादन शुरू कर देता है। वैक्सीन में किसी बीमारी का कारण बनाने वाले वायरस के कुछ कमजोर या निष्क्रिय अंश होते हैं। ये शरीर के 'इम्यून सिस्टम' यानी प्रतिरक्षा प्रणाली को संक्रमण (आक्रमणकारी वायरस) की पहचान करने के लिए प्रेरित करते हैं और उनके खिलाफ शरीर में एंटीबॉडी बनाते हैं जो बाहरी हमले से लड़ने में हमारे शरीर की मदद करती हैं।

पारंपरिक टीके शरीर के बाहरी हमले से लड़ने की क्षमता को विकसित कर देते हैं। लेकिन टीके विकसित करने के लिए अब नये तरीके भी इस्तेमाल किए जा रहे हैं। कोरोना के कुछ टीके बनाने में भी इन नए तरीकों को आजमाया गया है। वैश्विक स्तर पर अभूतपूर्व वैज्ञानिक प्रयासों के चलते दुनिया को कोरोना वायरस की कई वैक्सीन रिकॉर्ड समय में तैयार करने में सफलता मिल सकी है। इन टीकों की मदद से कोविड-19 की भयंकर महामारी से सबसे ज्यादा जोखिम वाले लोगों को सुरक्षित करने में मदद मिलेगी।

वैक्सीन की जिंदगी प्रयोगशाला में शुरू होती है

वैज्ञानिकों ने नए कोरोना वायरस की वैक्सीन विकसित करने का काम तभी शुरू कर दिया था, जब जनवरी 2020 में इसके जेनेटिक सीक्वेंस यानी जैविक बनावट को जारी किया गया था। दुनिया के तमाम विशेषज्ञों ने पहली बार बड़े पैमाने पर सहयोग करते हुए, वैक्सीन के विकास के अलग-अलग चरणों पर एक साथ काम करना शुरू किया था। इस अभूतपूर्व वैश्विक सहयोग का ही नतीजा था कि वैक्सीन के विकास का जो काम दस साल में होता है, उसे बारह महीनों के अंदर पूरा करने में कामयाबी मिल सकी।

वैक्सीन के विकास के लिए आपस में सहयोग कर रहे दुनिया के तमाम वैज्ञानिकों में से कई ऐसे थे, जिन्होंने सार्स और मर्स महामारियों के वायरस के बारे में अध्ययन किया था। इसीलिए, नए कोरोना वायरस को हराने वाली वैक्सीन तैयार करने की मजबूत बुनियाद पहले से तैयार थी। वैज्ञानिकों ने इस वायरस के बारे में विस्तार से अध्ययन किया, जिससे वो वायरस में मौजूद उस छोटे से तत्व का पता लगा सकें, जो हमारे शरीर के इम्यून सिस्टम या रोग प्रतिरोधक क्षमता को सक्रिय करता है। वायरस में मौजूद इस तत्व को वैज्ञानिक जुबान में एंटीजन कहते हैं। वायरस को हराने में कामयाब होने वाली ज्यादातर वैक्सीन में इस वायरस को बनाने वाले छोटे छोटे ब्लूप्रिंट या वायरस के नुकसान न करने वाले अंश होते हैं, जिससे कि ये हमारे शरीर में ही बन सकें। वैज्ञानिकों ने इन एंटीजन का टेस्ट लैब में कंप्यूटर मॉडल पर किया, जिससे कि इनके साइड इफेक्ट पर नजर रखी जा सके।

इसके बाद इन टीकों का परीक्षण मानवों में शुरू किया गया। जब लैब में हुए ये परीक्षण पूरे हो गए, तब ये टीके दुनिया के तमाम देशों में ऐसे लोगों को लगाए गए, जो खुद पर इन टीकों का परीक्षण कराने के लिए तैयार थे। इन्हें वैक्सीन वॉलंटियर्स कहा जाता है। इन टीकों के ह्यूमन ट्रायल या मानव पर परीक्षण का उद्देश्य न सिर्फ ये सुनिश्चित करना था कि टीके इंसानों के लिए सुरक्षित हैं, बल्कि ये पता लगाना भी था कि वायरस से बचने के लिए वैक्सीन की कितनी खुराक देनी पड़ेगी। आम तौर पर वैक्सीन के ऐसे ट्रायल या परीक्षण करने में दस साल तक का समय लगता है। लेकिन, कोविड-19 के लिए टीकों के कई चरण के परीक्षण एक साथ किए गए, जिससे वैक्सीन को जल्द से जल्द इस्तेमाल किया जा सके। वैक्सीन के सफल परीक्षण के नतीजों को उन संस्थाओं को भेजा गया, जो दवाओं के सुरक्षित होने को प्रमाणित करती हैं, और उन्हें इस्तेमाल करने की मंजूरी देती हैं। इन संगठनों और उनके वैज्ञानिकों ने तमाम टीकों के परीक्षण के नतीजों और उनके सुरक्षित होने के दावों का बारीकी से विश्लेषण किया। इसके अलावा इनकी गुणवत्ता और असरदार होने का भी सत्यापन किया, जिससे कि टीकों के इस्तेमाल को हरी झंडी दी जा सके। वैक्सीन के इस्तेमाल को मंजूरी देने की प्रक्रिया जल्द पूरी करने के लिए ब्रिटेन की नियामक संस्था ने 'रॉलिंग रिव्यू' नाम की एक व्यवस्था का इस्तेमाल किया। इसमें वैक्सीनों के परीक्षणों के पूरा होने का इंतजार करने और उसके बाद जुटाए गए आंकड़ों का विश्लेषण करने के बजाय, ट्रायल के दौरान ही जुटाए जा रहे आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर टीकों को मंजूरी दी गई।

वैक्सीनों की खुराक की बड़ी तादाद किसी दवा कारखाने में बनाई जाती है: आम तौर पर इस चरण तक पहुंचने के बाद ही-यानी जब किसी दवा को नियामक संस्था से मंजूरी मिल जाती है। दवाओं का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू किया जाता है, लेकिन कोविड की वैक्सीनों के मामले में, उनके इस्तेमाल की मंजूरी मिलने से पहले से ही उन्हें बडे पैमाने पर बनाने की क्षमता विकसित कर ली गई थी। वो भी उस समय जब वैक्सीन पर रिसर्च जारी थी। उन्हें तैयार करने के लिए वैज्ञानिक काम कर ही रहे थे। इसका कारण ये था कि वैक्सीन तैयार करने में भारी मात्रा में निवेश किया जा रहा था।

वैक्सीन को मंजूरी मिलने से पहले ही उन्हें बनाने की क्षमता विकसित करने का मकसद ये था कि जब सुरक्षित और असरदार वैक्सीन तैयार कर ली जाए और उसे मंजूरी मिल जाए, तो कंपनियां उनके जल्द से जल्द वितरण के लिए तैयार रहें। कोई भी वैक्सीन बनाने की प्रक्रिया के दौरान वायरस के सक्रिय तत्वों को बड़ी मात्रा में अन्य तत्वों जैसे कि स्टेबिलाइजर से मिलाया जाता है। इस दौरान वैक्सीन में वो केमिकल भी मिलाया जाता है जिसे 'एडजुवेंट' कहते हैं। 'एडजुवेंट' हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता या इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाता है। बड़ी मात्रा में तैयार किए गए इन टीकों को छोटी-छोटी कीटाणु रहित शीशियों में पैक करने और मंजिल की ओर रवाना किए जाने से पहले, इनकी गुणवत्ता की पड़ताल की जाती है।

वैक्सीन को कोल्ड चेन या फ्रीजर वैन और आइस कूलिंग रेफ्रिजरेटर जैसे माध्यमों से ही एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जाता है। जब वैक्सीन के निर्माता, उन्हें अपने प्लांट से निकालते हैं, तो उन्हें रेफ्रिजेरेटेड ट्रकों के जरिए तय मंजिल की ओर रवाना किया जाता है। इससे वैक्सीन को लगातार एक खास तापमान पर सुरक्षित रखा जाता है। ज्यादातर पारंपरिक टीके 2 से 8 डिग्री सेल्सियस तापमान पर सुरक्षित रखे जाते हैं। लेकिन, कोविड-19 के कई टीके ऐसे भी हैं, जो इससे कम तापमान पर स्टोर किए जाते हैं। उदाहरण के लिए, फाइजर-बायोएनटेक की वैक्सीन को बेहद कम तापमान यानी -70 डिग्री सेल्सियस पर रखना पड़ता है। हालांकि, ब्रिटेन में तैयार की गई ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन को किसी सामान्य फ्रिज के तापमान पर भी रखा जा सकता है। इसीलिए, इस टीके को कहीं लाने-ले जाने में कम चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इस वैक्सीन को कम तापमान पर रखी जाने वाली अन्य दवाओं की कोल्ड चेन के जरिए भी कहीं लाया-ले जाया जा सकता है। इस वैश्विक महामारी के खात्मे के लिए जरूरी ये है कि उन लोगों तक पहले वैक्सीन पहुंचे, जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। न कि उन लोगों को पहले मिले, जो इसे खरीद पाने की कुव्वत रखते हैं। अमीर देशों की सरकारों ने एक साथ कई टीकों की करोड़ों डोज या खुराक के ऑर्डर दे रखे हैं। लेकिन, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दुनिया के गरीब और कम आमदनी वाले देशों के सबसे कमजोर तबके के लोगों तक वैक्सीन पहुंचाने के लिए कोवैक्स के नाम से एक कार्यक्रम चला रखा है।

वैक्सीन की खुराक को प्रमुख केंद्रों से टीकाकरण केंद्रों तक ले जाया जाता है

जब कोई वैक्सीन, अपनी तय मंजिल वाले देश पहुंचती है, तो उसे तुरंत वितरित करने के बजाय, एक खास ठिकाने पर उसकी गुणवत्ता की पड़ताल की जाती है। फाइजर की वैक्सीन को सुरक्षित रखने के लिए खास तरह के रेफ्रिजरेटर की जरूरत होती है। कई देशों ने इस टीके को रखने के लिए विशेष फ्रीजर फार्म बनाए हैं। ये वो गोदाम हैं, जहां वैक्सीन को सुरक्षित रखने के लिए कई डीप फ्रीजर रखे गए हैं। जब परीक्षण करने वाले, बाहर से आई वैक्सीन की खेप को हरी झंडी दे देते हैं, तो उन्हें कम तापमान वाले विशेष वाहनों के जरिए अस्पतालों, क्लिनिक और दूसरे टीकाकरण केंद्रों तक ले जाया जाता है। कई बार केंद्रीय वैक्सीन हब से टीकों को अस्पतालों और क्लिनिक तक ले जाने से पहले क्षेत्रीय केंद्रों पर ले जाया जाता है।

मरीजों को वैक्सीन, टीकाकरण केंद्रों में दी जाती है

टीकाकरण केंद्रों के प्रशिक्षित कर्मचारियों को वैक्सीन की छोटी-छोटी खेप पहुंचाई जाती है। इन केंद्रों में इस बात का भी ध्यान रखा जाता है कि मरीजों को लगाने के लिए लाए गए टीके, सही तरीके से यानी उचित तापमान पर रखे जाएं। फ्रीज किए हुए टीकों को मरीजों को लगाने से पहले उन्हें सामान्य तापमान पर लाकर पिघलाया और पतला किया जाता है।

असली काम तब शुरू होता है, जब वैक्सीन को सिरिंज में भरकर मरीज की बांह के ऊपरी हिस्से में लगाया जाता है। हमारे शरीर के अंदर जाने के बाद ये वैक्सीन, हमारे इम्यून सिस्टम या रोग प्रतिरोधक व्यवस्था को शरीर में कहीं भी मौजूद नए कोरोना वायरस से लड़ने के लिए तैयार करती है। टीके इस उम्मीद में लगाए जाते हैं कि इन्हें लेने वाले कोविड-19 की भयंकर बीमारी के शिकार दोबारा न हों। ये तो समय के साथ वैक्सीन लेने वालों पर बारीकी से नजर रखने से ही पता चलता है कि जिन्हें ये टीके लगे हैं, वो कब तक कोरोना वायरस से सुरक्षित रह पाते हैं। फाइजर-बायोएनटेक और मॉडर्ना की कोविड वैक्सीन, दोनों 'मैसेंजर आरएनए वैक्सीन' हैं जिन्हें तैयार करने में वायरस के आनुवांशिक कोड के एक हिस्से का उपयोग किया जाता है। ये टीके एंटीजन के कमजोर या निष्क्रिय हिस्से का उपयोग करने की बजाय, शरीर के सेल्स को सिखाते हैं कि वायरस की सतह पर पाया जाने वाला 'स्पाइक प्रोटीन' कैसे बनायें जिसकी वजह से कोविड-19 होता है। ऑक्सफोर्ड और एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन भी अलग है। वैज्ञानिकों ने इसे तैयार करने के लिए चिंपांजी को संक्रमित करने वाले एक वायरस में कुछ बदलाव किए हैं और कोविड-19 के आनुवंशिक-कोड का एक टुकड़ा भी इसमें जोड़ दिया है। इन तीनों ही टीकों को अमेरिका और ब्रिटेन में आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी दी जा चुकी है। मैक्सिको, चिली और कोस्टा रिका ने भी फाइजर की कोविड वैक्सीन का प्रबंध करना शुरू कर दिया है। जबकि ब्राजील सरकार ने ऑक्सफोर्ड और सिनोवैक की वैक्सीन को हरी झंडी दिखाई है।

क्या कोविड के और टीके भी हैं?

चीन की दवा कंपनी सिनोवैक ने 'कोरोना-वैक' नामक टीका बनाया है। चीन, सिंगापुर, मलेशिया, इंडोनेशिया और फिलीपींस में इसे उतारा गया है। कंपनी ने इस टीके को बनाने में पारंपरिक तरीके का इस्तेमाल किया है। कंपनी के अनुसार, इस टीके को बनाने के लिए वायरस के निष्क्रिय अंशों का इस्तेमाल किया गया। हालांकि, यह कितना प्रभावी है, इसे लेकर काफी सवाल उठे हैं। तुर्की, इंडोनेशिया और ब्राजील में इस टीके का ट्रायल किया गया था। इन देशों के वैज्ञानिकों ने अंतिम चरण के ट्रायल के बाद कहा कि यह टीका 50.4 प्रतिशत ही प्रभावशाली है। भारत में दो टीके तैयार हो रहे हैं। एक का नाम है कोविशील्ड जिसे एस्ट्राजेनेका और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने तैयार किया और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया इसका उत्पादन कर रहा है। और दूसरा टीका है भारतीय कंपनी भारत बायोटेक द्वारा बनाया गया कोवैक्सीन। रूस ने अपनी ही कोरोना वैक्सीन तैयार की है जिसका नाम है 'स्पूतनिक-5' और इसे वायरस के वर्जन में थोड़ा बदलाव लाकर तैयार किया गया। यही टीका अर्जेंटीना में भी इस्तेमाल हो रहा है। अपने टीकाकरण अभियान के लिए अर्जेंटीना ने इस टीके की तीन लाख डोज मंगवाई हैं। अफ्रीकी यूनियन ने भी वैक्सीन की लाखों डोज मंगवाई हैं, लेकिन उन्होंने ऑर्डर कई दवा कंपनियों को दिए हैं। मसलन, अफ्रीकी यूनियन ने फाइजर, एस्ट्राजेनेका (सीरम इंस्टीट्यूट के जरिये) और जॉनसन एंड जॉनसन को वैक्सीन का ऑर्डर दिया है। कंपनी जॉनसन एंड जॉनसन फिलहाल अपनी वैक्सीन को अंतिम रूप नहीं दे पायी है।

क्या मुझे कोविड वैक्सीन लेनी चाहिए?

कहीं भी कोविड वैक्सीन लगवाना अनिवार्य नहीं किया गया है। लेकिन ज्यादातर लोगों को यह सलाह दी जाती है कि वो टीका लगवाएं। हालांकि, स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से जूझ रहे लोगों के मामले में यहां अपवाद है। सीडीसी का कहना है कि वैक्सीन न सिर्फ कोविड-19 से सुरक्षा देती है, बल्कि दूसरों को भी सुरक्षित करती है। इसके अलावा सीडीसी टीकाकरण को महामारी से बाहर निकलने का सबसे महत्वपूर्ण जरिया भी बताती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि संक्रमण को रोकने के लिए कम से कम 65-70 प्रतिशत लोगों को वैक्सीन लगानी होगी, जिसका मतलब है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को टीका लगवाने के लिए प्रेरित करना होगा। बहुत से लोग हैं जिन्हें कोविड वैक्सीन तैयार होने की रफ्तार को लेकर कई तरह की चिंताएं हैं। यह सच है कि वैज्ञानिक एक वैक्सीन विकसित करने में कई साल लगा देते हैं, मगर कोरोना महामारी का समाधान ढूंढने के लिए रफ्तार को काफी बढ़ाया गया। इसीलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन वैज्ञानिकों, व्यापारिक और स्वास्थ्य संगठनों के साथ मिलकर काम कर रहा है। संक्षेप में कहें तो अरबों लोगों के टीकाकरण से कोविड-19 को फैलने से रोका जा सकेगा और दुनिया हर्ड इम्यूनिटी की ओर बढ़ेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि हर्ड इम्यूनिटी के जरिये ही दुनिया सामान्य जीवन में दोबारा लौट पाएगी।

साभार: आशीष श्रीवास्तव

कोरोना से ठीक होने के बाद हृदय जांच जरूरी

डॉ नीरज जैन, मेडिकल डॉरेक्टर एवं डॉयरेक्टर - हृदय रोग विशेषज्ञ मेट्रो अस्पताल फरीदाबाद

कोविड-19 मुख्यत: एक श्वास की बीमारी के रूप में शुरू हुई, लेकिन समय के साथ-साथ अब ये लगने लगा है कि ये मल्टी ऑर्गन सिस्टम की बीमारी है। कोरोना मुख्यत: हमारे फेफड़ों को निशाना बनाती है, लेकिन लॉन्ग कोविड विश्व भर के डॉक्टरों एवं वैज्ञानिकों के परेशानी का कारण बना हुआ है। हमें आज ये मालूम है कि कोरोना वायरस किसी भी आदमी के छीकने एवं खांसने से हवा में फैलता है, लेकिन इसे सिर्फ फेफड़ों की बीमारी नहीं माना जा सकता। डॉ नीरज जैन, मेडिकल डॉयरेक्टर एवं डॉयरेक्टर हृदय रोग विशेषज्ञ मेट्रो अस्पताल फरीदाबाद ने बताया, कोविड-19 से हृदय की नाड़ियों में थक्का बनने की संभावना बढ़ जाती है, जिससे हार्ट अटैक का खतरा है। आज कल इसके कारण कम उम्र के लोगों में भी हार्ट अटैक की समस्या देखने में आ रही है। कोविड-19 के मरीजों में हृदय की मांसपेशियों के कमजोर होने के कारण हार्ट फेलियर की समस्या देखने मे काफी आ रही है।

ये वायरस हमारे शरीर के सभी कोशिकाओं को प्रभावित कर सकता है जिसमे फेफड़े, हृदय, मस्तिष्क, आंत और रक्त कोशिकाएं शामिल हैं। इसीलिए बचाव में ही इसका इलाज है। कोरोना वायरस के भारत मे आने के बाद चिकित्सा विशेषज्ञों को अब ये जानकारी है कि उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा एवं हृदय व अन्य रोगों से ग्रस्त मरीजों में कोरोना वायरस किस प्रकार से नुकसान पहुंचता है, लेकिन प्रमुख एवं जरूरी सलाह यही है कि हमें कोरोना वायरस को गंभीरता से लेना होगा और कोरोना हमसे दूर रहे इसके लिए प्रयत्न करने होंगे। हृदय रोगों के लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना एवं लक्षण आने पर नजदीक के अस्पताल में सलाह लेना। डॉ. नीरज ने बताया, 'ऐसा नहीं लगता कि हृदय रोगियों को कोरोना संक्रमण होने की संभावना ज्यादा होती है, लेकिन इन रोगियों में कोरोना का इलाज मुश्किले पैदा कर सकता है। सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन, न्यूयॉर्क के आंकड़ों के अनुसार कोविड-19 से संक्रमित मरीज जो कि हृदय रोग से भी ग्रस्त है उनके अस्पताल में भर्ती होने की संभावना सामान्य मरीज की तुलना में 6 गुना बढ़ जाती है एवं उनमें मृत्यु दर 12 गुना बढ़ जाती है। यह पाया गया है कि कुछ मरीज जोकि कोविड 19 से ग्रस्त थे उन्होंने कुछ समय के बाद हृदय, मस्तिष्क एवं किडनी के रोगों के लक्षणों को महसूस किए।

अब हम कोविड-19 से ठीक हुए मरीजों को ये सलाह दे रहे है कि उन्हें हृदय रोगों के लक्षणों का ध्यान रखना है। अब यह सबूत मिल रहे है कि कोविड-19 का हमारे शारीर पर लंबे समय तक नुकसान दायक प्रभाव बना रहता है। यह सलाह दी जाती है कि कोविड 19 से ठीक होने के बाद मरीज हृदय की सेहत का पता लगाने के लिए किसी भी अस्पताल में जांच कराएं। कोविड के मरीजों को कोविड से ठीक होने के बाद निम्नलिखित लक्षणों पर नजर रखने की सलाह दी जाती है छाती में किसी तरह का परेशानी महसूस होना। हाथों एवं बाजुओं में दर्द एवं दबाव महसूस करना। अधिक पसीना आना। अधिक थकान होना। सांस फूलना। इन लक्षणों के महसूस होने पर मरीज को अपने हृदय रोग विशेषज्ञ से तुरंत सलाह ले कर हृदय की जांच करवाने की सलाह दी जाती है।